M.P. Indore

शैक्षणिक सांख्यिकी

शिक्षा संभाग, इन्दौर

१९४७ से १९८१

54318
370.212
IND-S

...गीय शिक्षा अधीक्षक
...न, चिमनबाग, इन्दौर, ४५२...

१९८१

विषय सूची

1- प्राक्कथन

2- संभाग का मानचित्र

3- संभाग का परिचय

भाग - 1

	पृष्ठ
अध्याय 1- संक्षिप्त जानकारी	1
अध्याय 2- शालाएँ	4
§ 1 § शालेय शिक्षा	4
§ 2 § उच्च शिक्षा	12
अध्याय 3- § अ § छात्र संख्या	18
§ ब § शिक्षा में अपव्यय	33
अध्याय 4- शिक्षक	36
अध्याय 5- आय व्यय की जानकारी	41

भाग - 2

अध्याय 1- महिला शिक्षा	46
अध्याय 2- § अ § अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की शिक्षा	52
§ ब § विकलांगों हेतु शिक्षा	56
§ स § अल्प भाषा-भाषी छात्रों को मातृभाषा में शिक्षा सुविधा	57
अध्याय 3- भवन	58
अध्याय 4- छात्रावास	60
अध्याय 5- उच्चतर माध्यमिक शाला में पढ़ाए जाने वाले विषयों की जानकारी	61
अध्याय 6- प्रशिक्षण	72
अध्याय 7- छात्रवृत्ति	74
अध्याय 8- अनुदान	76

भाग - 3

पृष्ठ

अध्याय 1- शारीरिक शिक्षा 77

अध्याय 2- राज्यस्तरीय आयोजन/गतिविधियाँ 80
- (अ) शिक्षक दिवस 80
- (2) राज्यस्तरीय तैराकी प्रतियोगिता 81
- (3) बालदिवस 81
- (4) बालचर 82

अध्याय 3- विविध 84
- (1) औपचारिकेतर शिक्षा 84
- (2) पढ़ो कमाओ योजना 85
- (3) शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार 86

अध्याय 4- पुस्तकालय 87

अध्याय 5- बीस सूत्री आर्थिक कार्यक्रम 89

भाग - 4

अध्याय 1- प्रशासन 92
- (1) संभागीय प्रशासन 92
- (2) जिला प्रशासन 92
- (3) शालेय प्रशासन 92

अध्याय 2- शिक्षा विभाग इंदौर संभाग में सेवारत कर्मचारियों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति का प्रतिनिधित्व - 92

-प्राक्कथन-

मध्य प्रदेश के निर्माण सन् 1956 के पश्चात् शिक्षा के क्षेत्र में की गई प्रगति का आकलन करने हेतु राज्य स्तर पर श्री ई० डब्ल्यू० फ्रेंकलिन तत्कालीन संचालक लोक शिक्षण मध्य प्रदेश ने सत्र 1958-59 में "मध्य प्रदेश में शिक्षा की प्रगति" का प्रकाशन प्रथम प्रयास था । सन् 1976 में श्री एस० सत्यम्, आय० ए० एस० पूर्व संचालक लोक शिक्षण म० प्र० ने राज्य स्तर पर शालेय शिक्षा "सांख्यिकी संकलन" शीर्षक के अंतर्गत राज्य, संभाग, तथा जिला स्तर पर जानकारी प्रकाशित कर संभाग स्तर पर ऐसे प्रकाशन निकालने हेतु प्रेरित किया । अपने प्राक्कथन में श्री सत्यम् ने लिखा कि "शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगी जानकारी का अपार भंडार है, अतएव हमारे लिए अधिक महत्वपूर्ण जानकारी का उचित संचयन, संकलन तथा प्रकाशन आवश्यक हो गया है । शिक्षा के विकासोन्मुख आयोजना में हमें विश्वसनीय आंकड़ों की हर स्तर पर आवश्यकता रहती है"। इस दृष्टिकोण को ध्यान में रख कर संचालक लोक शिक्षण मध्य प्रदेश के जुलाई 1981 के निर्देशानुसार इंदौर संभाग के महत्वपूर्ण शैक्षिक आंकड़े प्रकाशित करने का यह प्रथम प्रयास है । संभाग स्तर पर पूर्व में भी प्रगति विवरण प्रकाशित किए जा चुके हैं किंतु उनकी विवेचना का क्षेत्र सीमित था । मेरे द्वारा भोपाल संभाग में ऐसा प्रकाशन । जनवरी 1981 को किया जा चुका था । मेरी इच्छा है कि इंदौर संभाग के आंकड़े भी प्रकाशित करा सकूं ।

स्वाधीनता के पश्चात् देश ने सभी क्षेत्र में बहुमुखी प्रगति की है । हमें गर्व है कि हम आत्मनिर्भरता की ओर निरंतर अग्रसर हैं, परंतु हमारी उपलब्धियां जनसंख्या की अनियंत्रित वृद्धि के कारण धूमिल हो जाती हैं और इसका अपवाद इंदौर संभाग का

-----2

शैक्षिक क्षेत्र भी नहीं हो सकता है । राज्य शासन द्वारा समुचित ध्यान दिये जाने पर भी वर्तमान जनसंख्या के मान से हम शिक्षा की प्रगति के क्षेत्र में अभी भी निश्चिंत नहीं हो सके हैं ।

प्रधान मंत्री के 20 सूत्री आर्थिक कार्यक्रम के तीन महत्वपूर्ण सूत्रों-(1) छात्रावास में सभी जरूरी चीजों को नियंत्रित मूल्य पर उपलब्ध करना, (2) छात्रों को पाठ्यपुस्तकें तथा नोटबुक नियंत्रित मूल्य पर प्राप्त कराना तथा (3) लोगों को विशेष कर कमजोर वर्गों को रोजगार तथा प्रशिक्षण देने के लिए अप्रेंटिसशिप की योजना बनाना,- को क्रियान्वित करने में संभाग अपने उत्तरदायित्व का सफलता-पूर्वक निर्वाह कर रहा है ।

सन् 1980 के आंकड़ों का यह संकलन आपके हाथ सौंपते हुए मुझे प्रसन्नता है । इस प्रकाशन में देश की स्वतंत्रता के उपरांत तथा प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम पंचवर्षीय योजना काल में इंदौर संभाग में की गई शैक्षिक प्रगति का सूक्ष्म विवेचन किया गया है । शिक्षा में नवाचार तथा विकलांग वर्ष के अंतर्गत विकलांगों को दी जाने वाली सुविधाओं को भी इसमें सम्मिलित किया गया है । प्रकाशन को अद्यतन बनाने हेतु यथास्थान 1981 के आंकड़ों का भी समावेश किया गया है । इंदौर संभाग में प्रथम प्रयास होने से स्वाभाविक ही इसमें कुछ त्रुटियां रहना संभव है । एतदर्थ विद्वान पाठकगण से निवेदन है कि सुधार हेतु अपनी टिप्पणियां तथा सुझाव प्रेषित कर मुझे कृतार्थ करें ताकि अगले प्रकाशन में उनको दूर करने का प्रयास किया जा सके ।

सादर एवं शुभ कामनाओं सहित ।

(एम० एम० मिश्र)
संभागीय शिक्षा अधीक्षक,
इंदौर संभाग, इंदौर

इन्दौर शिक्षासंभाग शैक्षणिक संस्थाएँ....

31 मार्च 1981
की स्थिति
सत्र-1980-81

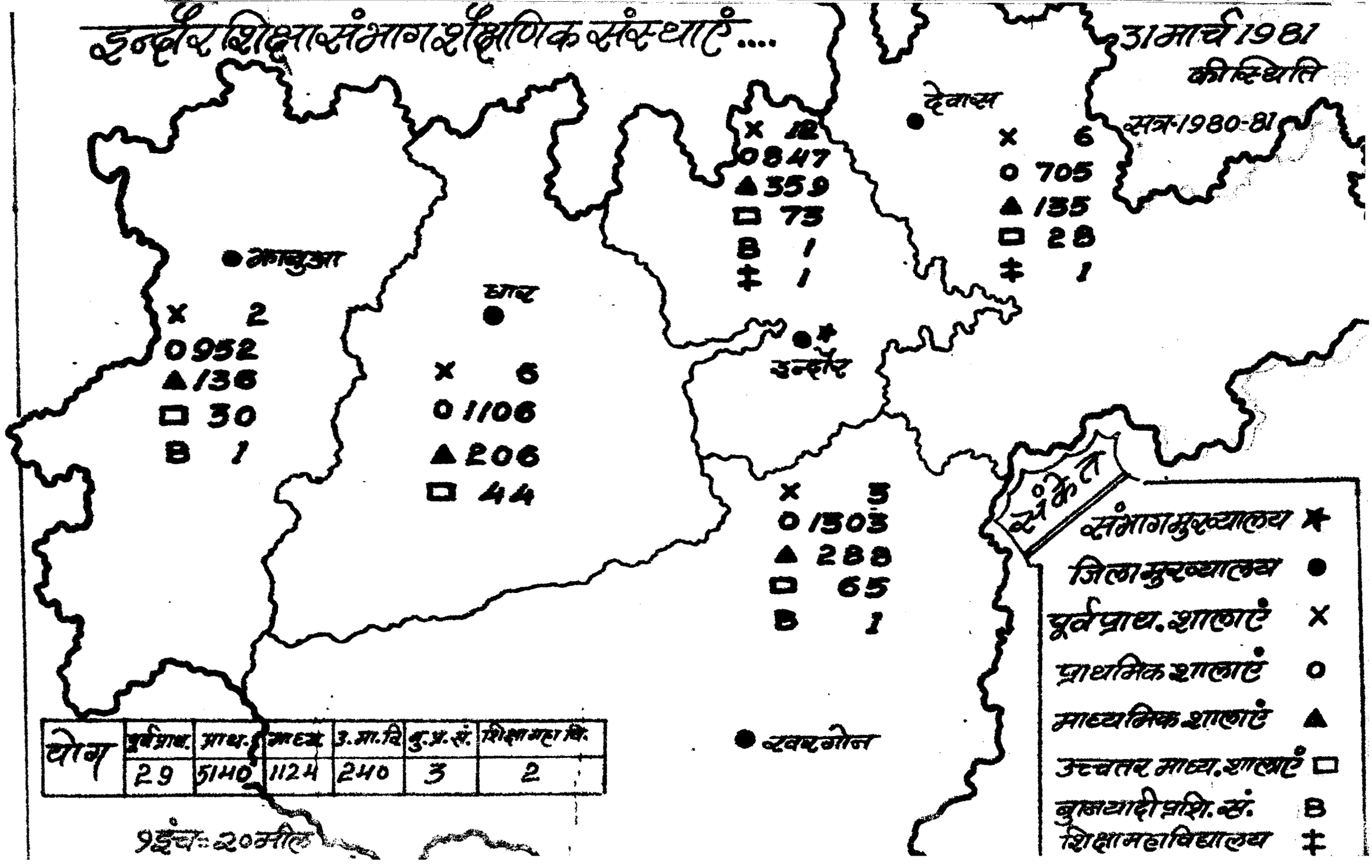

योग	पूर्वप्राथ.	प्राथ.	माध्य.	उ.मा.वि.	बु.प्र.सं.	शिक्षा महा.वि.
	29	5140	1124	240	3	2

1 इंच = 20 मील

इंदौर शिक्षा संभाग का परिचय

॥ जी० पी० माथुर योजनाधिकारी ॥

भारत वर्ष के हृदय क्षेत्र में स्थित मध्य प्रदेश राज्य में शिक्षा संभाग इंदौर का विशिष्ठ स्थान है । " वि शिष्ठ " इसलिये कि इसमें एक ओर राज्य का सर्वाधिक प्रगतिशील जिला " इंदौर " सम्मिलित है तो दूसरी ओर शैक्षिक दृष्टि से पिछड़ा जिला झाबुआ भी इसी संभाग में है । शेष जिले हैं देवास, धार, तथा खरगोन । इस संभाग की जनसंख्या का 45·62 प्रतिशत अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का है जो कि आर्थिक सामाजिक एवं शैक्षिक क्षेत्र में सदियों से पिछड़े हुए रहे हैं इसलिए शिक्षा के प्रसार की दृष्टि से तथा सभी क्षेत्र की सर्वांगीण उन्नति हेतु शिक्षा विभाग का विशेष दायित्व है। जिसके निर्वाह में हमने कितनी सफलता प्राप्त की इसका आकलन यही किया जा रहा है ।

इंदौर शिक्षा संभाग का विस्तार 20·15° से 23·25° उत्तरीय अक्षांश तथा 73° से 77·8° पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है । समुद्र तल से 502·92 मीटर, इसकी औसतन ऊंचाई है । इसका क्षेत्रफल 35598 वर्ग किलो मीटर है जो कि राज्य के क्षेत्रफल का 8·04 प्रतिशत है । 1971 की जनगणना के अनुसार इस संभाग की जनसंख्या 4403,753 है, जो कि राज्य की जनसंख्या का 10·57 प्रतिशत है । जनसंख्या का घनत्व 123 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर है जो कि राज्य के घनत्व 94 से काफी अधिक है । संभाग के प्रगतिशील जिला इंदौर में जनसंख्या का सर्वाधिक घनत्व 263 व्यक्ति तथा इसी संभाग के देवास जिले का न्यूनतम घनत्व 88 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर है । यहाँ की जलवायु मालवा क्षेत्र में समशीतोष्ण तथा निमाड़ क्षेत्र में उष्ण है । वर्षा के अधिकतम तापमान 43·3 तथा न्यूनतम 3·9 सेंटीग्रेड तथा वर्षा 65 से 100 सें०मी० के करीब है जिससे मालवा तथा निमाड़ दोनों में ही अच्छी फसल पैदा होती है । मालवा की धरती उपजाऊ है । विंध्याचल तथा सतपुड़ा पर्वत

श्रेणियों के कारण निमाड़, देवास तथा धार जिलों में महत्वपूर्ण वन संपदा उपलब्ध है। नर्मदा नदी यहाँ की मुख्य जलधारा है जो कि इंदौर को छोड़ संभाग के शेष चारों जिलों के मध्य से प्रवाहित होती है। राज्य की दूसरी प्रमुख नदी चंबल का उद्गम स्थल जानापाव इंदौर जिले में ही है। क्षिप्रा, खान तथा गंभीर नदियों का भी इंदौर जिला उद्गमस्थल है। अन्य प्रमुख नदियों में खरगोन में कुंदा, झाबुआ में अनास धार में माही तथा देवास में कालीसिंध प्रमुख है। मुख्य उद्योग धंधे कृषि, कपड़ा उद्योग, मशीनरी वर्तन निर्माण, रासायनिक कारखाने, दुग्ध उत्पादन उद्योग प्रमुख हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह संभाग सर्वदा अग्रणी रहा है सन् 1818 में प्रथम हाईस्कूल की स्थापना इंदौर नगर में हुई तथा महाविद्यालयीन शिक्षा के लिये सन् 1885 में डेली कालेज तथा 1891 में होल्कर कॉलेज की स्थापना हुई। यहाँ पूर्व प्राथमिक से विश्वविद्यालयीन शिक्षा तक के प्रत्येक संकाय (फैकल्टी) की प्रमुख संस्थाएं स्थित हैं। इंदौर विश्वविद्यालय में जहाँ एक ओर उद्योग व्यवस्थापन की शिक्षा उपलब्ध है, वहीं दूसरी ओर अखिल भारतीय सेवाओं हेतु प्रशिक्षण सुविधा भी उपलब्ध है।

देश की स्वाधीनता के पश्चात शिक्षा के क्षेत्र में इस संभाग में हुई प्रगति का ऐतिहासिक विकास निम्न बिंदुओं पर आधारित है:-

1- 1947 स्वतंत्रता प्राप्ति काल,

2- 1951 प्रथम पंचवर्षीय योजना प्रारंभ वर्ष,

3- 1956 म0प्र0 राज्य का निर्माण एवं प्रथम पंचवर्षीय योजना की उपलब्धियाँ,

4- 1961 द्वितीय पंचवर्षीय योजना की उपलब्धियाँ,

5- 1966 तृतीय पंचवर्षीय योजना की उपलब्धियाँ,

6- 1974 . चतुर्थ पंचवर्षीय योजना की उपलब्धियां,
(दिनांक 1 अप्रैल 1969 से 31 मार्च 1974)

7- 1979 पंचम पंचवर्षीय योजना की उपलब्धियां ,

8- 1980 छटवीं पंच-वर्षीय योजना का प्रारंभ ।

अब शालेय शिक्षा से संबंधित शालाओं की प्रगति का विवरण दिया जा रहा है ।

पूर्व प्राथमिक शिक्षा

पूर्व प्राथमिक शिक्षा ढाई वर्ष से पांच वर्ष की आयु के शिशुओं के व्यक्तित्व के विकास की एक अनिवार्य आवश्यकता है । इसका उद्देश्य स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवन मूलक अच्छी प्रवृत्तियों का निर्माण करना(खेल, कलामूलक क्रियाकलापों तथा संगीत के माध्यम से शिशुओं का शारीरिक विकास, परस्पर स्नेह एवं सहयोग की भावना जागृत करना है । किंतु इस ओर एक लम्बे समय तक ध्यान नहीं दिया गया । सन् 1947 में ऐसी कुल 3 शालाएं थीं जिनमें से 2 केवल इंदौर में स्थित थीं । 8 शिक्षकों के माध्यम से 249 बालक बालिकाएं लाभान्वित होते थे । सन् 1948 में मध्य भारत राज्य के निर्माण के उपरांत इस ओर विधिवत् ध्यान दिया गया । ऐसी शालाओं की संख्या सन् 1951 में 17 हो गई । बालक बालिकाओं की संख्या 1385 तथा व्यय की राशि रु0 21327 से बढ़कर 75727 हो गई । प्रथम पंच-वर्षीय योजना के अंत तथा म0 प्र0 राज्य के निर्माण वर्ष 1956 में इनकी संख्या 27, लाभान्वित बालक बालिकाओं की संख्या 2035, तथा व्यय की राशि 156295 हो गई । द्वितीय योजना के अंत में शाला संख्या बढ़कर 39, बालक बालिकाओं की

----4

संख्या 3785 तथा व्यय की राशि 206080 हो गई । बालक बालिकाओं की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई सन् 1966 में 6707, सन् 1974 में 13900 तथा वर्तमान सन् 1980 में यह संख्या 24150 हो गई । व्यय का आकार भी बढ़कर 273414 रुपए हो गया।पूर्व प्राथमिक शिक्षा के प्रसार के क्षेत्र में इस संभाग में काफी किया जाना है ।

प्राथमिक शिक्षा

प्राथमिक शिक्षा विद्यार्थी जीवन की आधार शिला है जहाँ उसके सर्वांगीण विकास हेतु उसे संस्कारित किया जाता है ; इसके अंतर्गत 6 से 11 वर्ष आयु सीमा के बालक बालिकाओं में सच्चरित्रता, पारस्परिक सहयोग, देशप्रेम की भावना जागृत करने के साथ साथ उसका लेखन, वाचन तथा गणित पर पर्याप्त अधिकार कराया जाता है ।

जनतंत्रीय शासन व्यवस्था का यह पुनीत कर्तव्य है कि वह एक निश्चित स्तर पर बालकों के उचित विकास हेतु शिक्षा की प्रबंध करे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 45 के अनुसार संविधान लागू होने से 10 वर्ष की समय सीमा में 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बालक बालिकाओं को अनिवार्य एवं निशुल्क शिक्षा देने की व्यवस्था राज्य शासन को करनी है । तदनुसार 26 जनवरी 1952 से पूर्व मध्यभारत राज्य में अनिवार्य शिक्षा अधिनियम प्रारंभ कर इस संभाग के सभी जिलों के मुख्य निवेश नगर तथा उसके 5 मील के अर्द-व्यास में 6 से 11 वर्ष आयु सीमा के सभी बालक बालिकाओं की गणना कर उन्हें शालाओं में लाने का प्रयास किया गया । सन् 1968 में शिक्षा के लोकव्यापीकरण तथा संविधान के प्रावधानों की पूर्ति हेतु राज्य में " छात्र संख्या वृद्धि अभियान " का श्रीगणेश किया गया । संचालनालय द्वारा सन् 1971

-----5

के निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति इस संभाग में की गई । प्राथमिक शिक्षा के विकास में हमारी उपलब्धियाँ काफी उत्साहवर्धक हैं । सन् 1947 में इस संभाग में कुल 909 प्राथमिक शालाएं थीं जिनमें 2031 शिक्षकों की सहायता से 55498 बालक बालिकाओं को प्राथमिक शिक्षा दी जा रही थी । इन शालाओं पर 11 लाख 56 हजार 204 रुपए व्यय किये गए । सन् 1948 में मध्यभारत राज्य का निर्माण होने के उपरांत योजनाबद्ध रीति से शिक्षा प्रसार में विस्तार होता गया । प्रथम पंच-वर्षीय योजना के प्रारंभ वर्ष 1951 में शालाओं की संख्या बढ़ कर 1347 हो गई अर्थात् 438 नवीन शालाएं इस काल में प्रारंभ हुईं । इन शालाओं में 2867 शिक्षकों के माध्यम से 33,228 बालक बालिकाओं को प्राथमिक शिक्षा देने की व्यवस्था की गई । छात्र संख्या में यह वृद्धि 150 प्रतिशत थी । इन शालाओं पर 19 लाख 4 हजार 959 रुपए खर्च किए गए । व्यय के आकार में 168 प्रतिशत, इस प्रकार वृद्धि हुई । प्रथम पंच वर्षीय योजना के समाप्ति वर्ष 1956 में इन शालाओं की संख्या बढ़कर 2298 हो गई जिनमें 14:187 बालक बालिकाएं अध्ययनरत थीं । छात्र संख्या की इस वृद्धि के अनुरूप ही शिक्षक संख्या बढ़कर 4445 हो गई व्यय का आकार भी 32 लाख 98 हजार 096 हो गया । प्रथम पंचवर्षीय योजना काल में शैक्षिक पुनर्गठन तथा प्राथमिक शिक्षा को बुनियादी शिक्षा में परिवर्तित करने हेतु विशेष प्रयास किए गए ।

द्वितीय पंच वर्षीय योजना काल में प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में अपेक्षित उन्नति संभाग में हुई । योजना में सर्वोच्च प्राथमिकता प्राथमिक एवं बुनियादी शिक्षा को दी गई थी, जिसके लिए केंद्रीय

------6

शासन से शतप्रतिशत केंद्रीय सहायता का भी प्रावधान था। सन् 1961 में प्राथमिक शालाओं की संख्या बढ़कर 2298 हो गई। पढ़ने वाले बालक बालिकाओं की संख्या 177,659, शिक्षक संख्या 5571 तथा व्यय की राशि 57 लाख 70 हजार 334 हो गई। सन् 1947 में प्रति छात्र व्यय की राशि 35·79 रु० थी। यह राशि बढ़कर अब 49·98 रु० प्रति छात्र हो गई। प्रथम योजना के अंतिम वर्ष किए गए व्यय से लगभग दुगना व्यय इस वर्ष इन शालाओं पर हुआ।

तृतीय पंचवर्षीय योजना के अंतिम चरण, 31 मार्च 1966 को प्राथमिक शालाओं की संख्या 3533 हो गई, जिनमें 223,796 बालक बालिकाएं अध्ययनरत थे। छात्र संख्या में हुई वृद्धि के अनुरूप शिक्षक संख्या भी 6336 तथा व्यय की राशि रुपए 1 करोड़ 10 हजार 723 हो गई, जो कि सन् 1961 में किए गए व्यय के लगभग दुगने के बराबर थी प्रतिछात्र व्यय की राशि रु० 61·53 हो गई।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना, 1 अप्रैल 1969 से प्रारंभ हुई। इसके पूर्व तीन वार्षिक योजनाएं भी प्राथमिक शिक्षा प्रधान थीं। इस योजना काल में मुख्य ध्यान गुणात्मक विकास तथा पाठ्यक्रम के विविधीकृत करने पर दिया गया। योजना के अंत में 31 मार्च 1974 को प्राथमिक शालाओं की संख्या बढ़कर 4150 हो गई। यह संख्या सन् 1956 की संख्या से लगभग दुगनी थी। छात्रसंख्या की निर्धारित सीमा पार कर 3 लाख 32 हजार 195 हो गई। शाला जाने योग्य बालक बालिकाओं का प्रतिशत इंदौर में 89·7, देवास में 69·7, धार में 64·1, खरगोन में 64·2 तथा झाबुआ में 54·0 हो गया। जबकि 1971

-----7

में यह प्रतिशत क्रमशः 70.1, 49.1, 42.3, 39.5 तथा 28.7 है। राज्य का सबसे कम [illegible] था। छात्र संख्या में हुई वृद्धि के अनुरूप ही शिक्षक संख्या बढ़कर 8631 तथा व्यय की राशि बढ़कर 2 करोड़ 88 लाख 12 हजार 108 अर्थात् 1966 से लगभग तीन गुनी से कुछ कम, तथा प्रति छात्र व्यय रु0 128 हो गया। इस प्रकार सभी शैक्षणिक दायित्वों के निर्वाह की दिशा में [illegible] की प्रगति के [illegible] दिशाबोध के साथ मंजिल की ओर अग्रसर हो रहा है।

पंचम पंचवर्षीय योजना का प्रारंभ 1 अप्रैल 1974 से हुआ जिसमें प्राथमिक शिक्षा हेतु सर्वोच्च प्राथमिकता का प्रावधान रखा गया। 1973 में [illegible] संभाग में तृतीय शैक्षणिक सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण किया, जिसमें पूर्व प्राथमिक शिक्षा स्तर से महाविद्यालयीन शिक्षण संस्थाओं की जानकारी एकत्रित की गई। इस अवधि में अर्थात् 31 मार्च 1979 में इस संभाग में प्राथमिक शालाओं की संख्या बढ़कर 4630 हो गई, जिससे संभाग के 5256 ग्रामों में से शिक्षा-विभागीय मानदण्ड 300 से अधिक जनसंख्या वाले लगभग सभी ग्रामों तक प्राथमिक शिक्षा सुविधा उपलब्ध करा दी गई। शाला त्यागी तथा शाला अप्रवेशी बालक बालिका भी शिक्षा की मुख्य धाराओं से जुड़ सकें इस हेतु औपचारिकेतर शिक्षा केन्द्रों की स्थापना भी इस संभाग में की गई। शालाओं में पढ़नेवाले बालक-बालिकाओं की संख्या में भी आशातीत वृद्धि हुई। यह संख्या 3 लाख 94 हजार 274 हो गई। शिक्षक संख्या 9677 तथा व्यय की राशि 4 करोड़ 31 लाख 67 हजार 892 अर्थात् 1974 के व्यय से लगभग दुगनी हो गई। प्रति छात्र व्यय 200 रुपया हो गया। 31 मार्च 1980 को प्राथमिक शालाओं की संख्या 4863, छात्र संख्या

-----8

3 लाख 72,287 शिक्षक संख्या 10058 तथा व्यय 5 करोड़ 57 लाख 11 हजार 477 रु० हो गया। प्रति छात्र व्यय की राशि बढ़कर 212·58 तथा शिक्षक छात्र अनुपात 37, राज्य के अनुपात से तुलनीय हो गया। 31 मार्च 1981 को प्राथमिक शालाओं की संख्या 5227 हो गई। शालाओं में पढ़नेवाले छात्र छात्राओं की संख्या 3 लाख 87 हजार 501 तथा उसके अनुरूप शिक्षक संख्या बढ़कर 10784 हो गई।

उपर्युक्त विवरण प्राथमिक शिक्षा के लोकव्यापीकरण की दिशा में किए गए प्रयासों का आशाजनक चित्र प्रस्तुत करता है। लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में अभी भी काफी कुछ किया जाना शेष है। दिशाबोध और दृढ़ आत्मविश्वास के साथ प्रगति की ओर हम आगे बढ़ रहे हैं।

माध्यमिक शिक्षा

कक्षा 6 से 8 तक दी जाने वाली शिक्षा को माध्यमिक शिक्षा की संज्ञा दी गई है। इस स्तर पर उन सभी बातों का विकास किया जाता है जिनका प्रारंभ प्राथमिक शिक्षान्तर्गत किया गया था। प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में की गई प्रगति के अनुरूप माध्यमिक शालाओं की संख्या में उल्लेखनीय प्रगति इस संभाग में हुई है। सन् 1947 में यहाँ मात्र 75 माध्यमिक शालाएं थीं जिनमें 682 शिक्षकों द्वारा 11 हजार 350 विद्यार्थियों को शिक्षा दी जा रही थी। इन शालाओं पर किए गए व्यय की राशि मात्र 5 लाख 54 हजार 446 थी।

प्रथम पंचवर्षीय योजना के प्रारंभ वर्ष 1951 में इन शालाओं की संख्या 87, शिक्षक संख्या 1041, छात्र संख्या 13279 तथा व्यय की राशि 9 लाख 57 हजार 743 हो गई। प्रथम योजना के अंत

-----9

31 मार्च 1956 को शाला संख्या 116 हो गई । शिक्षक संख्या में भी शाला संख्या में हुई वृद्धि के अनुरूप ही वृद्धि हुई तथा उनकी संख्या 1364, छात्र संख्या 29765 तथा व्यय की राशि 12 लाख 52 हजार 450 हो गई ।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना में माध्यमिक शिक्षा के विकास हेतु भी अधिक प्रावधान की व्यवस्था की गई थी । इस काल में इन शालाओं की संख्या में 98 शालाओं की वृद्धि हुई । 31 मार्च 1961 को इन शालाओं की संख्या 185, शिक्षक संख्या 2206, छात्र संख्या 41443 तथा व्यय की राशि रुपए 26 लाख 92 हजार 140 हो गई । द्वितीय योजना के प्रारंभ में प्रति छात्र 60·30 रुपए खर्च होते थे । यह राशि सन् 1961 में बढ़कर रुपए 64·96 हो गई । सन् 1947 में व्यय की राशि मात्र 48 रुपए थी ।

तृतीय पंचवर्षीय योजना के अंतिम वर्ष 1966 में माध्यमिक शालाओं की संख्या 494 (सन् 1961 की तुलना में लगभग 267 प्रतिशत वृद्धि) शिक्षक संख्या 4133 (लगभग 187 प्रतिशत वृद्धि) छात्र संख्या 1 लाख 9 हजार 478 (लगभग 264 प्रतिशत वृद्धि) तथा व्यय की राशि रुपए 65 लाख 55 हजार 150 (लगभग 243 प्रतिशत वृद्धि) ।

चतुर्थ पंच वर्षीय योजना में सर्वोपरि प्राथमिकता योजना काल में किए गए कार्यों को संगठित कर शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने पर बल दिया गया था, तदनुसार योजना के अंतिम वर्ष 1974 में माध्यमिक शालाओं की संख्या 936 (लगभग दुगनी) शिक्षक संख्या 7140, छात्र संख्या 1 लाख 91 हजार 623 (लगभग दुगनी) तथा व्यय की राशि 2 करोड़ 72 लाख 57 हजार 075 (लगभग 4 गुनी) थी ।

-----10

प्रति छात्र व्यय का आकार भी 69 रुपए से बढ़कर 142 रुपए प्रति छात्र हो गया ।

पंचम पंचवर्षीय योजना के अंत 31 मार्च 1979 को माध्यमिक शालाओं की संख्या इस संभाग में 1029 हो गई । इस वृद्धि के अनुरूप शिक्षक छात्र संख्या तथा व्यय की जाने वाली राशि में भी वृद्धि हुई । शिक्षक संख्या 8502, छात्रसंख्या 2 लाख 30 हजार 763 तथा व्यय की राशि रुपए 4 करोड़ 79 लाख 12 हजार 814 तथा प्रतिछात्र व्यय की राशि 209 रुपए हो गई । यह प्रगति निश्चित ही गर्व करने योग्य है ।

सन् 1980 की स्थिति में और वृद्धि अंकित की गई । शाला संख्या में 42 शालाओं की अतिरिक्त वृद्धि हुई । शिक्षक संख्या 8602 छात्र संख्या 2 लाख 47 हजार 697 तथा व्यय की राशि 5 करोड़ 37 लाख 27 हजार 120 थी । प्रतिछात्र व्यय की राशि 212 रुपए प्रति छात्र थी । सन् 1981 में शाला संख्या बढ़कर 1124, शिक्षक संख्या 8921, छात्र संख्या 2 लाख 51 हजार 824 हो गई । इस प्रकार तृतीय योजनाकाल से माध्यमिक शालाओं के क्षेत्र में हमारे विकास की गति काफी तेज रही ।

उच्च/उच्चतर माध्यमिक शिक्षा

मुदालियर आयोग की अनुशंसा के अनुरूप राज्य में उच्चतर माध्यमिक शाला का श्रीगणेश द्वितीय योजनाकाल के सत्र 1957-58 में तीन वर्षीय पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया । इसके पहले उच्चमाध्यमिक शिक्षा हेतु उच्च विद्यालयों (हाईस्कूल) में कक्षा 9 तथा 10 की शिक्षा व्यवस्था मध्यभारत माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार थी । सन् 1957 में इस संभाग में [illegible] हाईस्कूल थे ।

शिक्षक संख्या 363, छात्र संख्या 5866 तथा व्यय का आकार 876,648रु० तथा प्रति छात्र व्यय का आकार रु० 149 था ।

प्रथम पंचवर्षीय योजना के आरंभ वर्ष 1951 में इस संभाग में ऐसे 30 विद्यालयों में 12018 छात्र छात्राएं अध्ययनरत थीं। शिक्षक संख्या 694 तथा व्यय का आकार 12 लाख 69 हजार 861 था । चूंकि प्रथम पंचवर्षीय योजना में माध्यमिक शिक्षा को मुदालियर आयोग की आकांक्षाओं के आधार पर गठन करने की बात कही गई थी, किंतु इस संभाग में इनका गठन मध्य-प्रदेश-राज्य के निर्माण के उपरांत सत्र 1957-58 में संभव हो सका । प्रथम योजना समाप्तिवर्ष सन् 1956 में हाईस्कूलों की संख्या बढ़कर 30 हो गई । शिक्षक संख्या में भी इस वृद्धि के अनुरूप वृद्धि हुई और वह बढ़कर 886 हो गई । छात्र संख्या 20765 तथा व्यय का आकार 17 लाख 63 हजार 916 हो गया ।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना समाप्तिवर्ष 1961 तक अधिकांश शालाओं का रचनाक्रम त्रिवर्षीय हो चुका था । शाला संख्या बढ़ कर 82 हो गई (210प्रतिशत वृद्धि) । शिक्षक संख्या 2206, छात्र संख्या 26460 तथा व्यय की राशि 37 लाख 94 हजार 529 तथा प्रति छात्र व्यय 143 रुपए हो गया ।

तृतीय पंचवर्षीय योजना में शालेय स्तर पर विज्ञान शिक्षण को उन्नत करने का प्रावधान रखा गया था । इस योजना की पूर्ति हेतु सन् 1966 में उच्चतरमाध्यमिक शालाओं पर 82 लाख 40 हजार 593 रुपए खर्च किए गए (217%) शालाओं की संख्या 82 से बढ़कर 138 हो गई । शिक्षक संख्या 2785 तथा छात्र संख्या 64997 हो गई ।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के पूर्तिवर्ष 1974 में इन शालाओं की संख्या 209, शिक्षक संख्या 3815, छात्र संख्या 85 हजार 165 तथा व्यय की राशि रुपए 2 करोड़ 34 लाख 88 हजार 313 तथा प्रति छात्र व्यय की राशि रुपए 275•79 हो गई । एक आशातीत सफलता ।

पंचम पंचवर्षीय योजना समाप्ति वर्ष 1979 में शालाओं की संख्या 232 तक पहुंच गई शिक्षक संख्या 4124, छात्र संख्या 95828 तथा व्यय की राशि 4 करोड़ 44 लाख 92 हजार 434 तथा प्रति छात्र व्यय रुपए 464•29 हो गया । इस क्षेत्र में यह हमारी उल्लेखनीय प्रगति है । सन् 1980 में शालाओं की संख्या 237 से बढ़कर सन् 1981 में 240 हो गई। छात्रसंख्या भी इस काल में 101919 से बढ़कर 109562 हो गई । शिक्षक संख्या 4252 से बढ़कर 4450 हो गई । निश्चित ही दिशाबोध के साथ इस क्षेत्र में विकास की गति संख्यात्मक एवं गुणात्मक रूप से काफी तेज रही है । इंदौर-शिक्षा-संभाग अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह करने में श्रेष्ट रूप से प्रयत्नशील रहा है । फिर भी काफी मंजिल तय करना शेष है, जिसके लिए सभी स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं ।

इंदौर संभाग का परिचय

एवं शैक्षिक विकास

[सन् 1947 से अद्यतन]

भाग - 1

अध्याय 1- संक्षिप्त जानकारी

अध्याय 2- शालायें

[1] शालेय शिक्षा

[2] उच्च शिक्षा

अध्याय 3- [अ] छात्र संख्या

[ब] शिक्षा में अपव्यय

अध्याय 4- शिक्षक

अध्याय 5- आय-व्यय की जानकारी

कैसा संवैधानिक दायित्व और उसकी पूर्ति....

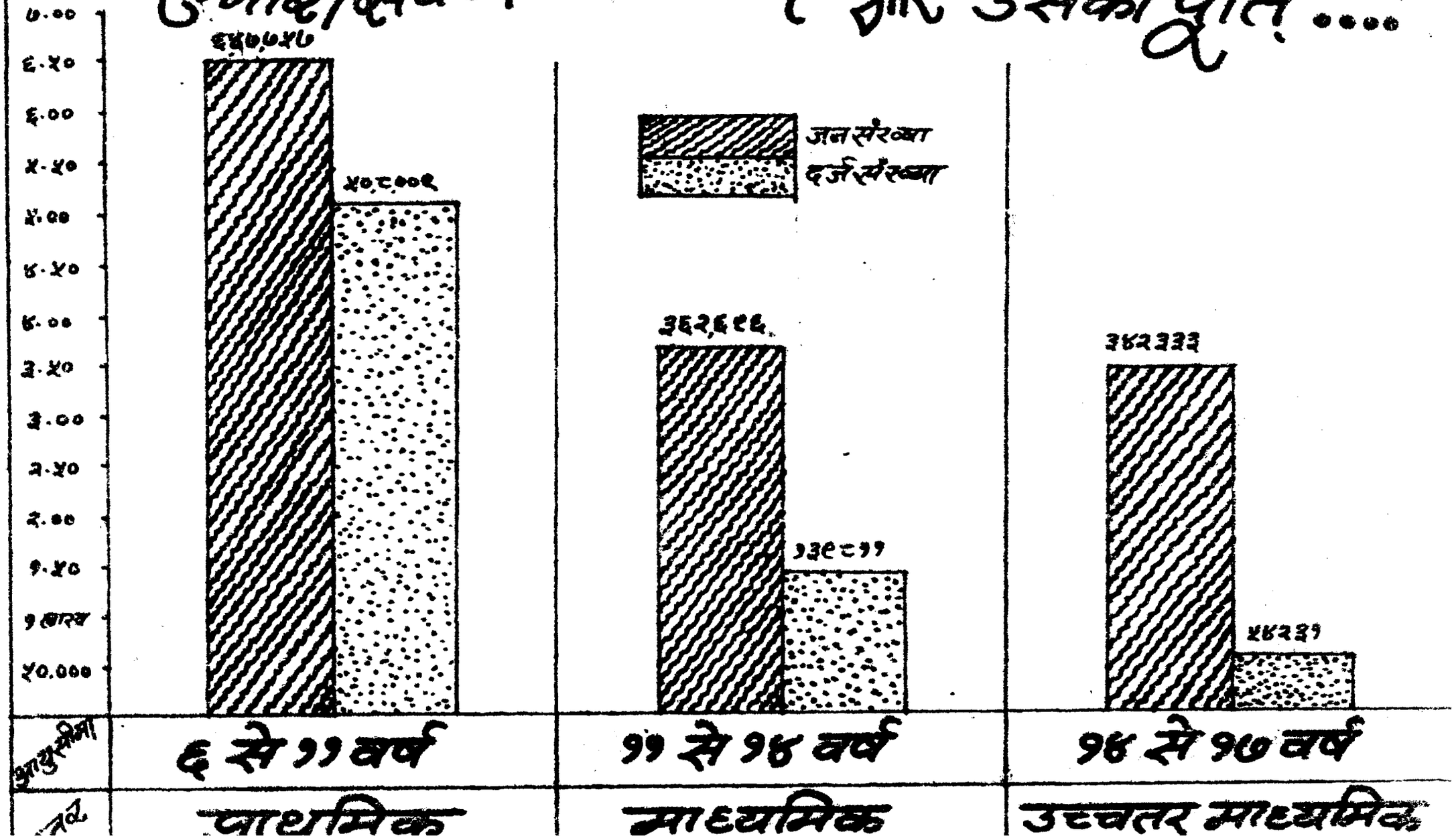

अध्याय - 1

संक्षिप्त जानकारी

	राज्य	संभाग
1- क्षेत्र फल (वर्ग किलोमीटर में)	442841	35598
2- राजस्व जिलों की संख्या	45	5
3- शैक्षिक जिलों की संख्या	54	5
4- तहसीलों की संख्या	190	27
5- विकास खण्ड की संख्या	457	51
6- नगर	232	36
7- ग्रामों की संख्या	77090	6255
8- जन संख्या (वर्ष 1971)		
कुल जनसंख्या	41654119	4403753
पुरुष	21455334	2273763
महिला	20198785	2129990
अनुसूचित जाति	5453690	461860
अनुसूचित जनजाति	8387403	1547518
ग्रामीण क्षेत्र	34869352	3348711
शहरी क्षेत्र	6784767	1055042
9- जनसंख्या का घनत्व		
(प्रतिवर्ग किलोमीटर)	94	123
10-महिलाएं प्रति 1000 पुरुष कुल	941	938
शहरी	868	875
ग्रामीण	956	956
11- जनसंख्या वृद्धिदर (1961-71) प्रतिशत		
कुल	28•67	28•28
ग्रामीण	25•68	26•22
शहरी	46•63	31•70

-----2

12- शाला जाने योग्य आयु समूह की जनसंख्या

[अ] हमारा संवैधानिक दायित्व - लक्ष्य

	राज्य	संभाग
6 से 11 वर्ष आयु समूह	6052,190	647,757
11 से 14 वर्ष आयु समूह	3410,434	362,696
14 से 17 वर्ष आयु समूह	3198,247	342,333

[ब] प्रगति के बढ़ते चरण - लक्ष्य की पूर्ति

शालाओं में दर्ज संख्या तथा उसका आयु सीमा की जनसंख्या का प्रतिशत

क्र०	आयु समूह		आयु समूह की कुल जनसंख्या	दर्ज संख्या [उपलब्धि]	प्रतिशत
1	2		3	4	5
1-	6 से 11 वर्ष	[प्राथमिक]	647,757	508,009	78·42
2-	11से 14 वर्ष	[माध्यमिक]	362,696	139,811	38,54
3-	14से 17 वर्ष	[उच्चतर-माध्यमिक]	342, 333	54, 231	15·84
	योग		1352,786	702,051	51·90

13- साक्षरता प्रतिशत [1971]

	राज्य	संभाग
कुल	22·12	21·71
पुरुष	32·76	30·66
महिला	10·84	12·08

[भारत कुल साक्षरता प्रतिशत 29·45, पुरुष 39·45 तथा महिला 18·70%]

साक्षरता का प्रतिशत

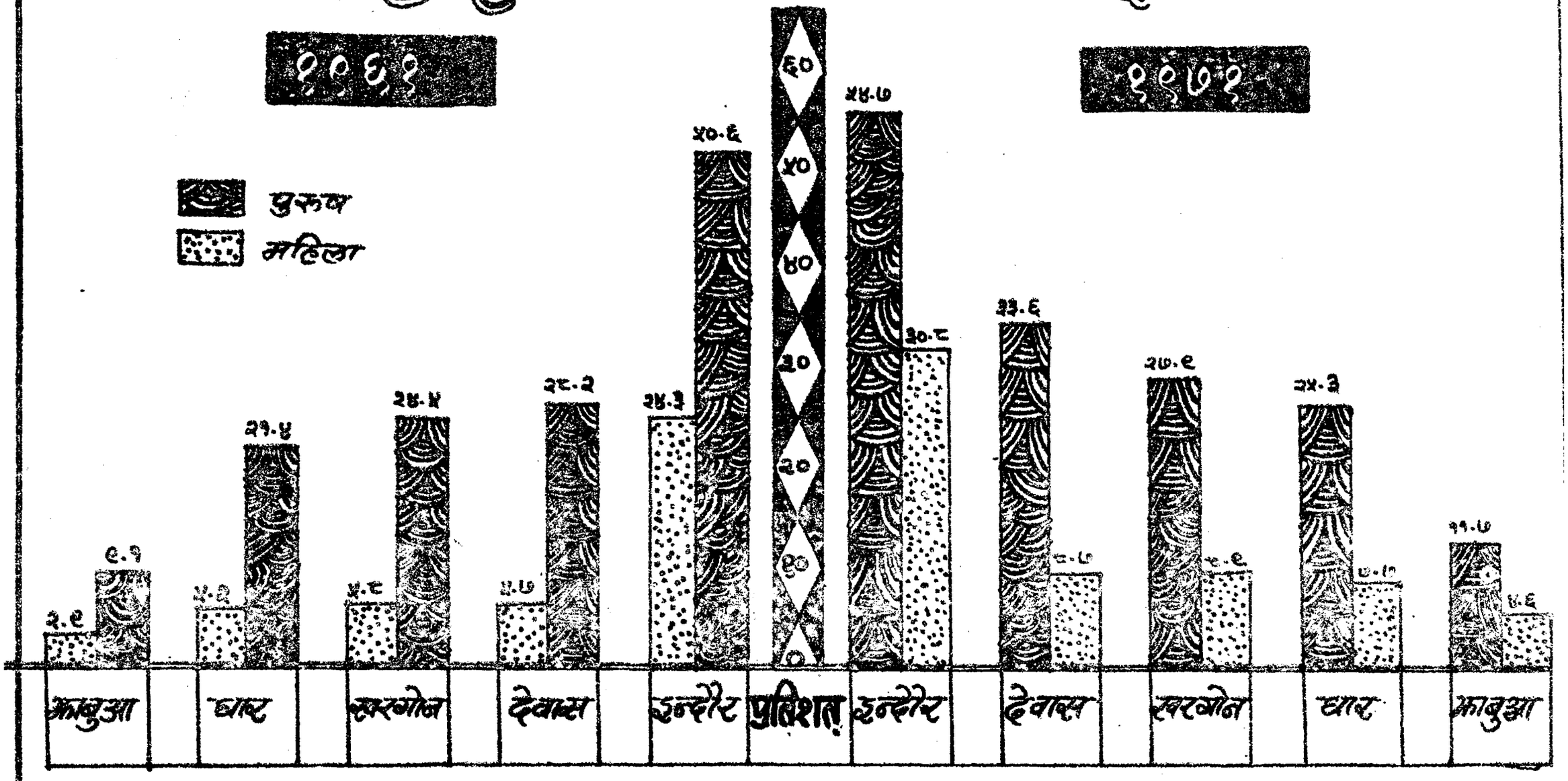

14- जिलों में साक्षरता का प्रतिशत

	नाम जिला	कुल	पुरुष	महिला
(1)	इन्दौर	43·49	54·69	30·77
(2)	देवास	21·55	33·54	8·68
(3)	धार	16·64	25·28	7·67
(4)	खरगोन	18·70	28·10	8·70
(5)	झाबुआ	8·20	11·70	4·7

15- शालाओं से लाभान्वित जन संख्या	राज्य	संभाग
प्रति प्राथमिक शाला	898	890
प्रति माध्यमिक शाला	5494	4120
प्रति उच्चतर माध्यमिक शाला	22984	18581

16- शालाओं से लाभान्वित क्षेत्र (वर्ग किलोमीटर)		राज्य	संभाग
प्रति प्राथमिक शाला	"	9	7
प्रति माध्यमिक शाला	"	53	33
प्रति उच्चतर माध्यमिक शाला	"	222	150

17- प्रति माध्यमिक शाला पर प्राथमिक शालाओं की संख्या	6	4
18- प्रति उच्चतर माध्यमिक शाला पर माध्यमिक शालाओं की संख्या	6	4

19- शिक्षक छात्र अनुपात		
प्राथमिक शाला	34	37
माध्यमिक शाला	24	28
उच्चतर माध्यमिक शाला	20	24

20- प्रति छात्र व्यय (रुपयों में)		
प्राथमिक शाला	102	150
माध्यमिक शाला	157	217
उच्चतर माध्यमिक शाला	348	480

अध्याय - 2

शालाएं

प्रबंधानुसार शालाओं की संख्या

क्र0	शाला का प्रकार	प्रबंध							
		केंद्रीय	राज्य शासन			स्थानीय निकाय	अशासकीय		
		शासन	शिक्षा विभाग	आ0जा0 कर्म0	अन्य विभाग		सहा0 प्राप्त	सहा0 अप्राप्त	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	उच्चतर माध्य0	3	91	107	-	1	31	4	237
2-	माध्यमिक	-	511	453	2	-	46	57	1069
3-	प्राथमिक	2	1949	2664	-	4	48	196	4863
4-	उपशालाएं	-	88	-	-	-	-	-	88
5-	पूर्व प्राथमिक	1	1	1	21	5	11	4	44
	योग	6	2640	3225	23	10	136	261	6301

उपरोक्त दर्शाये गए शालाओं का बालक तथा बालिकाओं के वर्ग में विभाजन

क्र0	शाला का प्रकार	शालाओं की संख्या			शालाओं की संख्या वर्तमान स्थिति 31-3-1981
		बालक	बालिका	योग	
1	2	3	4	5	6
1-	उच्चतर माध्यमिक	186	51	237	240
2-	माध्यमिक	900	169	1069	1124
3-	प्राथमिक	4435	428	4863	5140
4-	उप शालाएं	88	-	88	87
5-	पूर्व प्राथमिक	43	1	44	29
	योग	5652	649	6301	6620

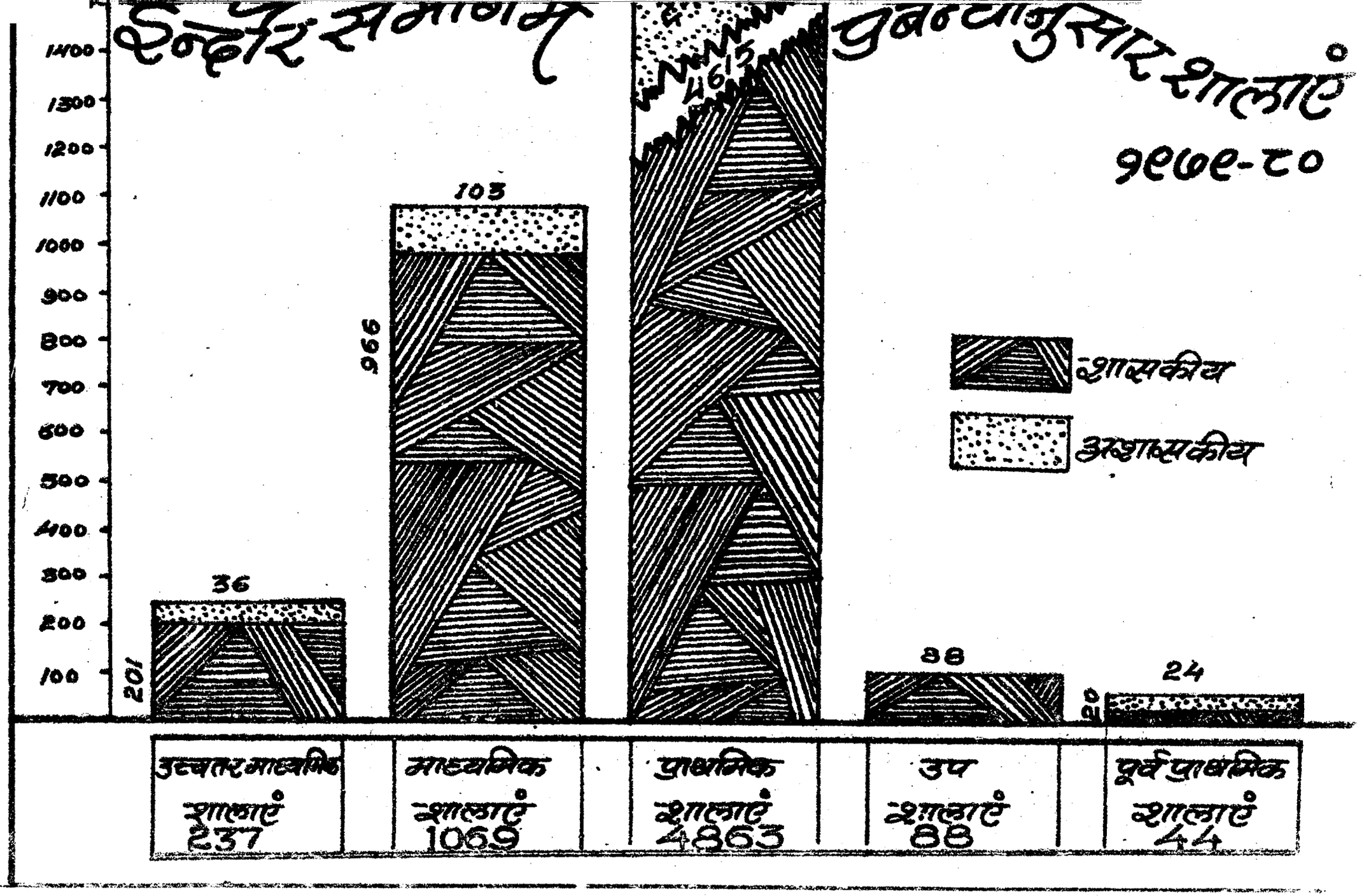

इन्दौर संभाग में प्रबन्धानुसार शालाएं
१९७९-८०
1400
1300
1200
1100
1000
900
800
700
600
500
400
300
200
100
शासकीय
अशासकीय
36
201
103
966
4615
88
24
20
उच्चतर माध्यमिक शालाएं 237
माध्यमिक शालाएं 1069
प्राथमिक शालाएं 4863
उप शालाएं 88
पूर्व प्राथमिक शालाएं 44

जिलेवार शालाओं की संख्या

क्र०	जिले का नाम	उच्चतर माध्यमिक			माध्यमिक			प्राथमिक			उपशाला	पूर्व प्राथमिक	महायोग
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1-	इंदौर	51	22	73	263	73	336	727	84	811	37	12	1269
2-	देवास	22	5	27	122	11	133	648	55	693	42	6	903
3-	धार	37	6	43	163	33	196	932	63	995	2	6	1242
4-	झाबुआ	24	6	30	111	14	125	807	68	875	1	2	1033
5-	खरगोन	52	12	64	241	38	279	1329	158	1487	6	18	1854
	योग	186	51	237	900	169	1069	4435	428	4863	88	44	6301

प्रबंधानुसार उच्चतर माध्यमिक शालाएँ

क्र0	जिले का नाम	प्रबंध							
		केंद्रीय शासन	राज्य शासन			स्था0 निकाय	अशासकीय		यो
			शिक्षा विभाग	आ0जा0 क0वि0	अन्य विभाग		सहायता प्राप्त	सहायता अप्राप्त	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	इंदौर	2	38	-	-	1	28	4	73
2-	देवास	1	23	1	-	-	2	-	27
3-	धार	-	11	32	-	-	-	-	43
4-	झाबुआ	-	-	30	-	-	-	-	30
5-	खरगोन	-	19	44	-	-	1	-	64
	योग	3	91	107	-	1	31	4	237

प्रबंधानुसार माध्यमिक शालाएँ

क्र0	जिले का नाम	प्रबंध							
		केंद्रीय शासन	राज्य शासन			स्था0 निकाय	अशासकीय		यो
			शिक्षा विभाग	आ0जा0 क0वि0	अन्य विभाग		सहायता प्राप्त	सहायता अप्राप्त	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	इंदौर	-	254	1	2	-	32	47	336
2-	देवास	-	125	2	-	-	3	3	133
3-	धार	-	53	135	-	-	5	3	196
4-	झाबुआ	-	-	118	-	-	3	4	125
5-	खरगोन	-	79	197	-	-	3	-	279
	योग	-	511.	453	2	-	46	57	1069

प्रबंधानुसार प्राथमिक शालाएं

क्र0	जिले का नाम	प्रबंध							योग
		केंद्रीय शासन	राज्य शासन			स्था0 निकाय	अशासकीय		
			शिक्षा विभाग	आ0जा0 क0 वि0	अन्य विभाग		सहा0 प्राप्त	सहा0 अप्राप्त	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	इंदौर	2	635	-	-	2	30	142	811
2-	देवास	-	671	2	-	1	3	18	695
3-	धार	-	177	802	-	1	6	9	995
4-	झाबुआ	-	-	860	-	-	3	12	875
5-	खरगोन	-	466	1000	-	-	6	15	1487
	योग	2	1949	2664	-	4	48	196	4863

प्रबंधानुसार उपशालाएं

क्रमांक	जिले का नाम	राज्य शासन शिक्षा विभाग	योग
1	2	3	4
1-	इंदौर	37	37
2-	देवास	42	42
3-	धार	2	2
4-	झाबुआ	1	
5-	खरगोन	6	6
	योग	88	88

प्रबंधानुसार पूर्व प्राथमिक शालाएं

क्र0	जिले का नाम	प्रबंध							
		केंद्रीय शासन	राज्य शासन			स्था0 निकाय	अशासकीय		योग
			शिक्षा विभाग	आ0जा0 क0 वि0	अन्य विभाग		सहायता प्राप्त	सहायता अप्राप्त	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	इंदौर	1	1	-	-	1	6	3	12
2-	देवास	-	-	1	-	3	2	-	6
3-	धार	-	-	-	3	-	2	1	6
4-	झाबुआ	-	-	-	-	1	1	-	2
5-	खरगोन	-	-	-	18	-	-	-	18
	योग	1	1	1	21	5	11	4	44

ग्रामीण क्षेत्र की शालाएं

क्रमांक	शाला का प्रकार	बालकों के लिए	बालिकाओं के लिए	योग
1	2	3	4	5
1-	उच्चतर माध्यमिक	111	3	114
2-	माध्यमिक	688	93	781
3-	प्राथमिक	3944	344	4288
4-	उपशालाएं	87	-	87
5-	पूर्व प्राथमिक	28	-	28
	योग	4858	440	5298

जिलेवार ग्रामीण क्षेत्र में शालाएं

क्र0	जिले का नाम	उच्चतर माध्यमिक			माध्यमिक			प्राथमिक			उप शाला	पूर्व प्राथमिक	कुल योग
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1-	इंदौर.	15	1	16	113	27	140	402	31	433	36	2	627
2-	देवास	13	—	13	100	03	103	602	49	651	42	4	813
3-	धार	28	1	29	147	24	171	886	55	941	02	4	1147
4-	झाबुआ	18	—	18	105	11	116	786	62	848	01	-	983
5-	खारगोन	37	1	38	223	28	251	1268	147	1415	06	18	1728
	योग	111	3	114	688	93	781	3944	344	4288	87	28	5298

प्रगति के बढ़ते चरण

शालाओं की संख्या

क्रमांक	शालाओं का प्रकार	वर्ष								
		1947	1951	1956	1961	1966	1974	1979	1980	1981
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	उच्चतर माध्यमिक शालाएँ	22	30	39	82	138	209	232	237	240
2-	माध्यमिक शालाएँ	75	87	116	185	494	938	1027	1069	1124
3-	प्राथमिक शालाएँ	909	1347	2298	2777	3305	4150	4680	4863	5227

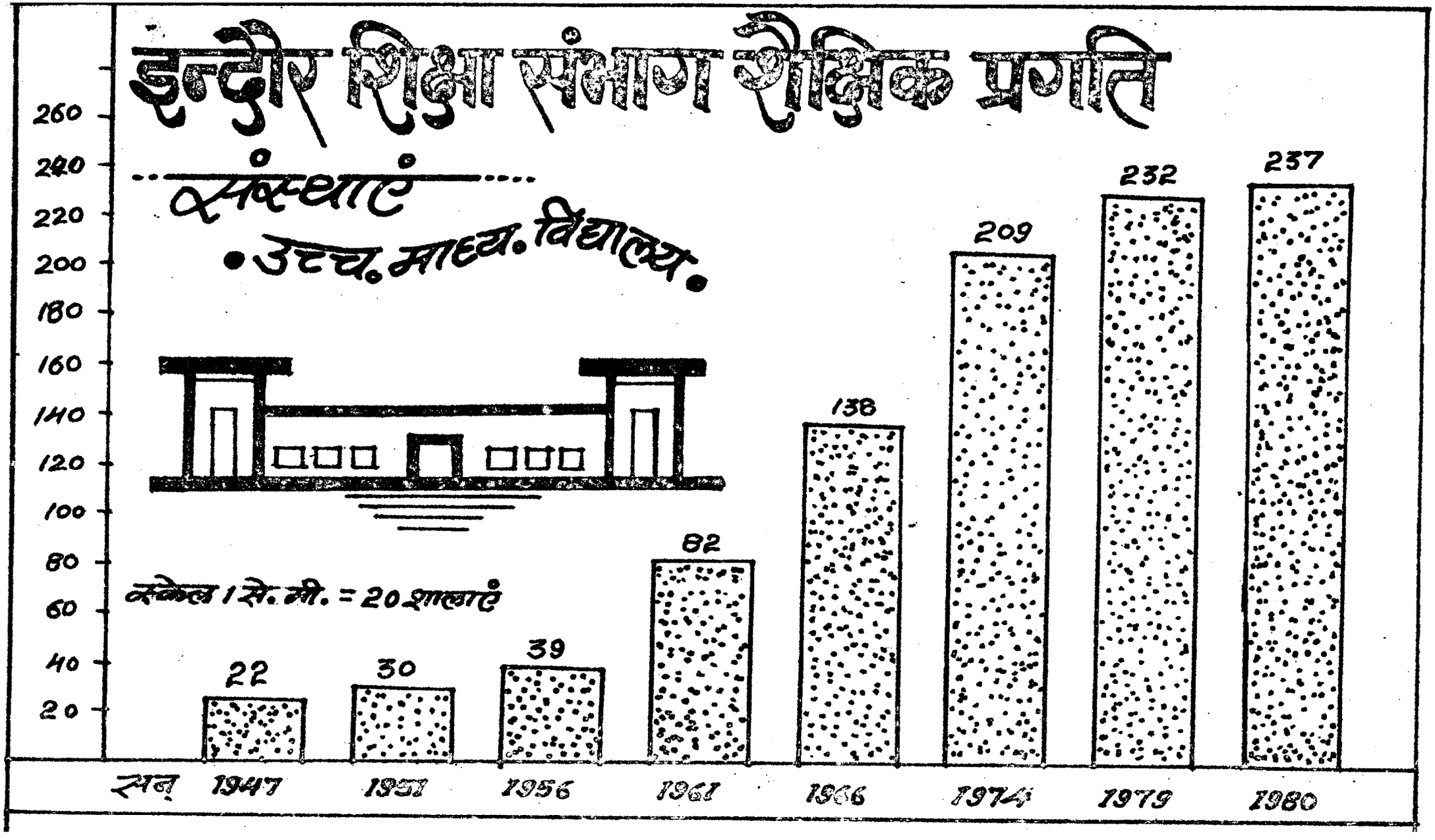

इन्दौर शिक्षा संभाग शैक्षिक प्रगति
संस्थाएँ
• उच्च. माध्य. विद्यालय •
स्केल 1 से.मी. = 20 शालाएँ
260
240
220
200
180
160
140
120
100
80
60
40
20
22
30
39
82
138
209
232
237
सन्
1947
1951
1956
1961
1966
1974
1979
1980

इन्दौर शिक्षा संभाग शैक्षिक प्रगति

संस्थाएं

• माध्यमिक विद्यालय •

स्केल 1 से. मी. = 100 शालाएं

इन्दौर शिक्षा संभाग शैक्षिक प्रगति
संस्थाएं
प्राथमिक विद्यालय
स्केल 1 से.मी. = 500 शालाएं
5000
4500
4000
3500
3000
2500
2000
1500
1000
500
909
1347
2298
2777
3305
4150
4680
4863
सन
1947
1951
1956
1961
1966
1974
1979
1980

शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शालाओं की जानकारी 1980-81

क्र0	जिले का नाम	उच्चतर माध्यमिक			माध्यमिक			प्राथमिक		
		ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्र	योग	ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्र	योग	ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्र	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	इंदौर	14	24	38	144	113	257	460	206	666
2-	देवास	11	12	23	104	24	128	657	24	681
3-	धार	6	5	11	37	16	53	150	27	177
4-	झाबुआ	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5-	खरगोन	11	9	20	66	20	86	466	44	510
1-	योग	42	50	92	351	173	524	1733	301	2034

शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शालाओं की दर्ज-संख्या समूह के अनुसार संख्या 1980-81

क्र0	दर्ज छात्र संख्या समूह	उच्चतर माध्यमिक			माध्यमिक			प्राथमिक		
		ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्र	योग	ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्र	योग	ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्र	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	20 तथा 20 से कम छात्र संख्या	3	-	3	2		2	176	4	180
2-	21 से 50 "	4	1	5	7	2	9	856	14	870
3-	51 से 75 "	9	1	10	12	5	17	387	9	396
4-	76 से 100 "	7	2	9	14	6	20	175	19	194
5-	101 से 150 "	7	2	9	86	18	104	102	29	131
6-	151 से 200 "	5	-	5	81	32	113	15	61	76
7-	200 से 300 "	5	6	11	88	46	134	12	79	91
8-	300 से 400 "	2	5	7	38	29	67	5	37	42
9-	400 से 500 "	-	4	4	16	19	35	1	31	32
10-	500 से 1000 "	-	23	23	7	16	23	4	18	22
11-	1000 से अधिक "	-	6	6	-	-	-	-	-	-
	योग	42	50	92	351	173	524	1733	301	2034

उच्च शिक्षा संस्थाएं

(अ) नाम, प्रबंध तथा पाठ्यक्रम

क्र0	नाम	प्रबंध	पाठ्यक्रम
1	2	3	4
1-	इंदौर विश्वविद्यालय इंदौर		शोध, स्नातकोत्तर, कला, विज्ञान, शिक्षा, एम0बी0ए0 डी0एम0एम0, डी0सी0एम0ए0, बी0फार्मेसी, बी0एड0 सर्व रशियन भाषा प्रमाण-पत्र ।
2-	एम0 जी0एम0मेडिकल कॉलेज, इंदौर	शासकीय	स्नातकोत्तर, एम0डी0एम0एस0, तथा डिप्लोमा, स्नातक: एम0बी0बी0एस0
3-	श्री गोविंदराम सेक्सेरिया, इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी एण्ड साईंस, इंदौर	अशासकीय	शोध सिविल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरींग, अप्लाईड फिजीक्स केमेस्ट्री, मेथेमेटिक्स, स्नातकोत्तर: सिविल इंजीनियरींग अप्लाईड फिजीक्स, केमेस्ट्री, मेथमेटिक्स, पोस्ट ग्रेज्युएट डिग्री कोर्स इन इंडस्ट्रीयल एण्ड प्रोडक्शन इंजीनियरींग, स्पेश - लायझेशन इन डिग्री ऑफ मशीन्स एण्ड मशीन एलिमेन्ट्स । पार्ट टाईम बी0ई0 डिग्री कोर्स फॉर डिप्लोमा होल्डर्स । स्नातक: सिविल इंजीनियरींग, मेकेनिकल इंजीनियरींग , इलेक्ट्रिकल इंजीनियरींग, इलेक्ट्रानिक इंजीनियरींग, पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन हाय वे इंजीनियरींग, इलेक्ट्रिकल पावर सिस्टम, पोस्ट ग्रेज्युएट कोर्स इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरींग, पोस्ट ग्रेज्युएट कोर्स इन मेकेनिकल इंजीनियरींग ।

1	2	3	4
4-	कृषि महाविद्यालय इंदौर		स्नातकोत्तर तथा स्नातक कृषि ।
5-	शा0 होल्कर विज्ञान महाविद्यालय, इंदौर,	शासकीय	स्नातकोत्तर तथा स्नातक विज्ञान
6-	शा0 कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर	"	स्नातकोत्तर तथा स्नातक, कला, वाणिज्य एवं विधि ।
7-	शा0 कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय इंदौर	"	स्नातकोत्तर तथा स्नातक, कला, विज्ञान एवं गृहविज्ञान
8-	शा0 नूतन कन्या महाविद्यालय, इंदौर	"	स्नातकोत्तर तथा स्नातक कला एवं गृह विज्ञान ।
9-	शा0 संगीत महाविद्यालय, इंदौर	"	स्नातकोत्तर तथा स्नातक एवं मध्यमा संगीत ।
10-	शा0 अष्टांग आयुर्वैदिक महाविद्यालय, इंदौर	"	स्नातक बी0ए0 एम0एस0
11-	शा0 दंत चिकित्सा महाविद्यालय, इंदौर	"	स्नातक बी0डी0एस0
12-	शा0 संस्कृत महाविद्यालय, इंदौर	"	स्नातकोत्तर एम0ए0 क्लासिक्स तथा आचार्य, स्नातक बी0ए0 क्लासिक्स, तथा शास्त्री प्रमाण-पत्र प्रथमा, मध्यमा,
13-	शा0 नर्सिंग महाविद्यालय, इंदौर	"	स्नातक, बी0एससी0 नर्सिंग ।
14-	इंदौर क्रिश्चियन महाविद्यालय, इंदौर	अशासकीय	स्नातकोत्तर, कला, तथा स्नातक, कला, वाणिज्य एवं विधि
15-	देवी अहिल्या कन्या महाविद्यालय, इंदौर	"	स्नातक, कला ।
16-	इस्लामिया करीमिया महाविद्यालय, इंदौर	"	स्नातक, कला, विज्ञान, एवं वाणिज्य ।
17-	[illegible]बी0 गुजराती वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर	"	स्नातकोत्तर तथा स्नातक, वाणिज्य
18-	पी0 एम0 बी0 गुजराती कला [illegible] विधि	"	स्नातकोत्तर कला, स्नातक कला एवं विष्टि ।

1	2	3	4
19-	पी0एम0बी0 गुजराती विज्ञान महाविद्यालय, इंदौर	अशासकीय	स्नातकोत्तर तथा स्नातक विज्ञान
20-	कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, इंदौर	"	स्नातक कला एवं गृह विज्ञान
21-	श्री वैष्णव वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर	"	स्नातकोत्तर तथा स्नातक वाणिज्य
22-	इंदौर आयुर्वेद महाविद्यालय, इंदौर	"	स्नातकोत्तर वैद्याचार्य, स्नातक वैद्य विशारद तथा प्रमाणपत्र भिषक आयुर्वेद
23-	इंदौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, इंदौर	"	स्नातकोत्तर सोशल वर्क
24-	श्री जैन संगीत विद्यालय, इंदौर	"	मध्यमा, संगीत
25-	श्री श्रीकृष्ण संगीत महाविद्यालय, इंदौर	"	स्नातकोत्तर स्नातक एवं मध्यमा संगीत
26-	श्री आर0सी0 जाल विधि महाविद्यालय, महू	"	स्नातक विधि,
27-	शासकीय पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, महू, जिला इंदौर	शासकीय	शोध स्नातकोत्तर एम0 व्ही0 साइंस स्नातक बी0व्ही0 साइंस
28-	शासकीय महाविद्यालय महू जिला इंदौर	"	स्नातकोत्तर तथा स्नातक कला, विज्ञान, एवं वाणिज्य
29-	शासकीय के0पी0 महाविद्यालय, देवास	"	स्नातकोत्तर एवं स्नातक कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं स्नातक विधि
30-	शासकीय शिक्षा महाविद्यालय, देवास	"	स्नातक शिक्षा
31-	श्री शारदा संगीत विद्यालय देवास	अशासकीय	मध्यमा, संगीत
32-	महाविद्यालय, सोनकच्छ जिला देवास	"	स्नातक कला,

1	2	3	4
33-	शासकीय महाविद्यालय, धार	शासकीय	स्नातकोत्तर तथा स्नातक कला, विज्ञान, एवं वाणिज्य स्नातक विधि
34-	आनंद संगीत महाविद्यालय, धार	"	स्नातक तथा मध्यमा संगीत
35-	शासकीय महाविद्यालय, झाबुआ	"	स्नातकोत्तर तथा स्नातक कला, एवं वाणिज्य तथा स्नातक विधि
36-	शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, अलीराजपुर, जिला झाबुआ	"	स्नातकोत्तर कला स्नातक कला एवं वाणिज्य
37-	शासकीय महाविद्यालय सेंधवा जिला खरगोन	"	स्नातक कला एवं विधि
38-	शासकीय महाविद्यालय, खरगोन	"	स्नातकोत्तर तथा स्नातक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य तथा स्नातक विधि
39-	शासकीय महाविद्यालय बड़वानी, जिला खरगोन	"	स्नातक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य तथा स्नातक विधि
40-	शासकीय जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय, बड़वाह, जिला खरगोन	"	स्नातक कला, विज्ञान, एवं वाणिज्य

----

§ब§ प्रशासनानुसार महाविद्यालय

क्र0	शिक्षा का प्रकार	महाविद्यालयों की संख्या		
		शासकीय	अशासकीय	योग
1	2	3	4	5
1-	सामान्य शिक्षा हेतु महाविद्यालय	13	9	22
2-	व्यवसायिक शिक्षा हेतु महाविद्यालय	7	9	16
3-	अन्य शिक्षा हेतु महाविद्यालय	1	-	1
	योग	21	18	39

§स§ पाठ्यक्रमानुसार महाविद्यालयों की संख्या

क्र0	शिक्षा का प्रकार	शिक्षा का स्तर		
		स्नातकोत्तर	स्नातक	योग
1	2	3	4	5
1-	सामान्य शिक्षा हेतु महाविद्यालय	16	6	22
2-	व्यवसायिक शिक्षा हेतु महाविद्यालय	7	9	16
3-	अन्य शिक्षा हेतु महाविद्यालय	1	-	1
	योग	24	15	39

§द§ बालक बालिकाओं के वर्गीकरण के अनुसार महाविद्यालय

क्रमांक	शिक्षा का प्रकार	महाविद्यालय		
		बालकों हेतु	बालिकाओं हेतु	योग
1	2	3	4	5
1-	सामान्य शिक्षा हेतु महाविद्यालय	18	4	22
2-	व्यवसायिक शिक्षा हेतु महाविद्यालय	15	1	16
3-	अन्य शिक्षा हेतु महाविद्यालय	1	-	1
	योग	34	5	39

जिलेवार महाविद्यालयों की संख्या

क्रमांक	जिले का नाम	शिक्षा का स्तर		
		स्नातकोत्तर	स्नातक	योग
1	2	3	4	5
1-	इंदौर	18	9	27
2-	देवास	1	3	4
3-	धार	1	1	2
4-	झाबुआ	1	1	2
5-	खरगोन	3	1	4
	योग	24	15	39

(अ) उच्च शिक्षा हेतु अन्य शिक्षण संस्थाएँ

1- श्री वैष्णव पोलेटेक्निक इंदौर
2- श्री जवाहर लाल नेहरू पोलेटेक्निक मनावर
3- बाल अध्यापन मंदिर इंदौर
4- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था इंदौर
5- शासकीय ललित कला महाविद्यालय इंदौर
6- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था देवास
7- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था धामनोद
8- बुनियादी प्रशिक्षण संस्था बीजलपुर, इंदौर
9- बुनियादी प्रशिक्षण संस्था खरगोन
10- बुनियादी प्रशिक्षण संस्था अलिराजपुर (झाबुआ)

म.प्र. राज्य के निर्माण के पश्चात शालाओं की संख्या में प्रगति.

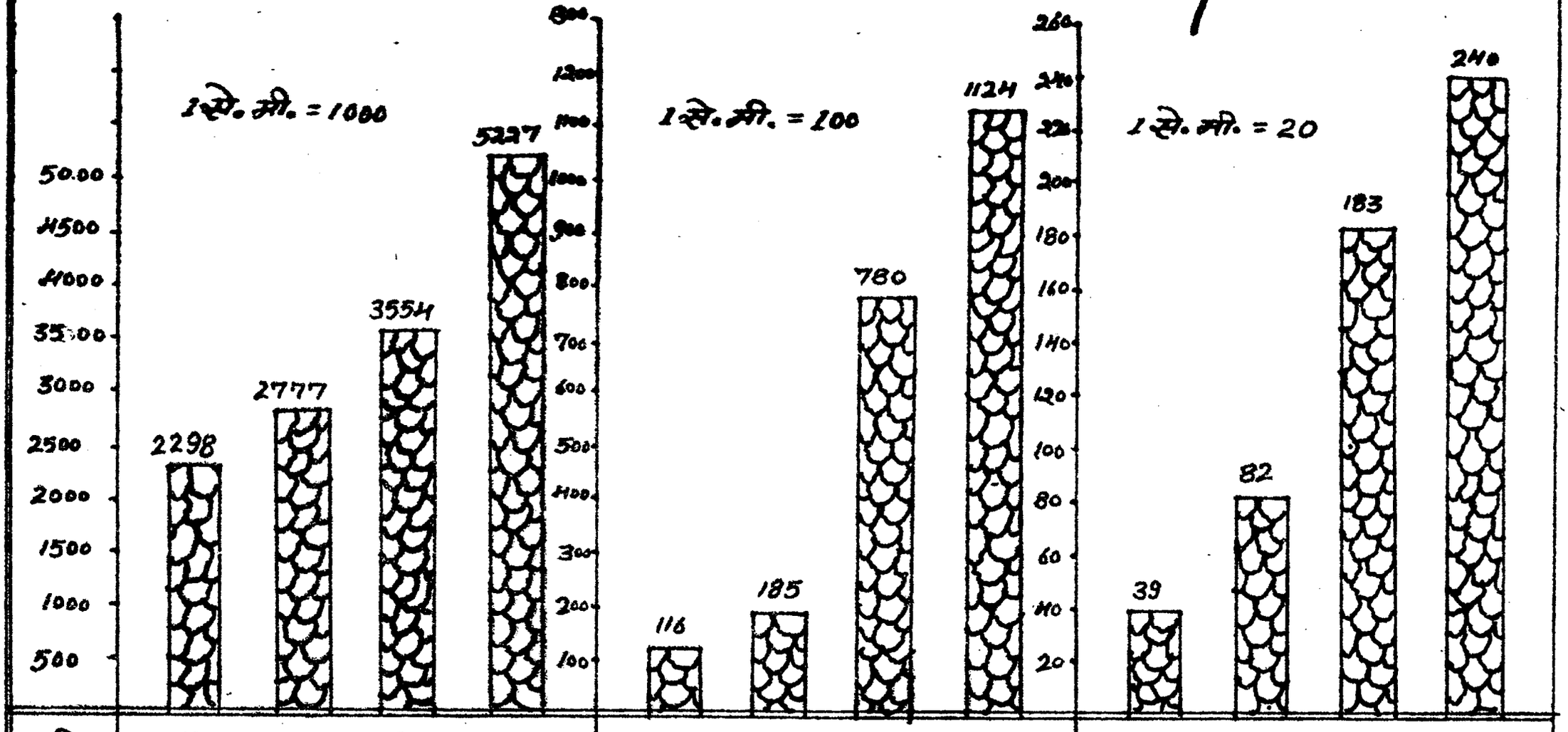

अध्याय - 3

छात्र संख्या

शालावार छात्र संख्या

क्र0	शाला का प्रकार	कुल छात्र संख्या			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल छात्र संख्या वर्तमान स्थिति 31-3-1981
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1-	उच्चतर माध्यमिक	68049	33270	101919	5190	1419	6609	5682	865	6547	109562
2-	माध्यमिक	171966	75731	247697	19725	5094	24819	21311	4076	25387	251824
3-	प्राथमिक	245616	126671	372287	30859	12951	43810	71607	17441	89148	385436
4-	उपशाला	1407	748	2155	340	137	477	175	71	246	2065
5-	पूर्व प्राथमिक	1286	968	2254	61	64	125	81	99	180	2069
	योग	488924	237388	726312	56175	19665	75840	98856	22652	121508	750956

कक्षावार छात्र संख्या

कक्षा	छात्र संख्या			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति		
	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
पूर्व प्राथमिक	14158	9992	24150	689	488	1177	159	164	323
पहली	86422	49244	135666	10982	5091	16073	28268	8129	36397
दूसरी	71134	37491	108625	8216	3518	11734	20681	4965	25646
तीसरी	69111	35357	104468	8274	3214	11428	17513	4098	21611
चौथी	63521	30358	93879	7725	2454	10179	11616	2338	13954
पाँचवी	45000	20371	65371	5350	1475	6825	6618	1011	7629
छठीं	41425	16167	57592	4663	1242	5905	4931	706	5637
सातवीं	29625	12014	41639	3341	830	4171	3224	506	3730
आठवीं	29226	11354	40580	3290	727	4017	3065	384	3449
नवमी	17198	6265	23463	1678	275	1953	1229	168	1397
दसवीं	10926	4454	15380	1018	206	1224	748	101	849
ग्यारहवी	11080	4308	15388	948	145	1093	804	82	886
बारहवी	98	13	111	1	-	1	-	-	-
योग	488924	237388	726312	56175	19665	75840	98856	22652	121508

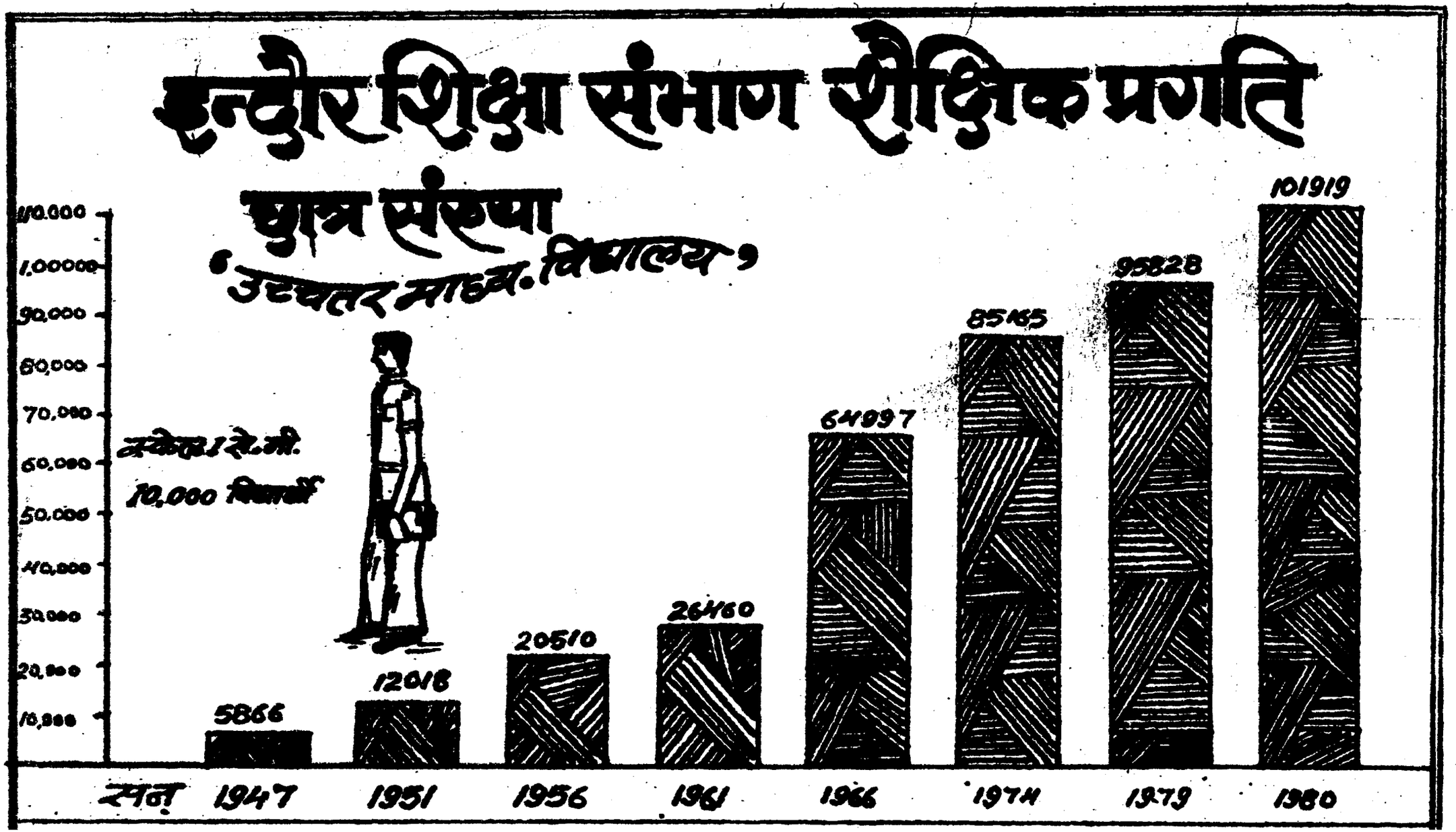

इन्दौर शिक्षा संभाग शैक्षिक प्रगति
छात्र संख्या
'उच्चतर माध्य. विद्यालय'
प्रत्येक 1 से.मी.
10,000 विद्यार्थी
110.000
1,00000
90,000
80,000
70,000
60,000
50,000
40,000
30,000
20,000
10,000
5866
12018
20510
26460
64997
85165
95828
101919
सन्
1947
1951
1956
1961
1966
1974
1979
1980

उच्चतर माध्यमिक शालाओं में प्रबंधानुसार छात्र संख्या

क्र0	जिले का नाम	शासकीय							
		केंद्रीय शासन		राज्य शासन					
				शिक्षा विभाग		आ0जा0क0वि0		अन्य विभाग	
		बालक	बालिका	बालक	बालि0	बालक	बालि0	बालक	बालि0
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	इंदौर	991	574	11902	5629	-	-	-	-
2-	देवास	276	149	5071	1155	136	21	-	-
3-	धार	-	-	1502	692	10144	2269	-	-
4-	झाबुआ	-	-	-	-	5519	2439	-	-
5-	खारगोन	-	-	3439	1031	12388	4588	-	-
	योग	1267	723	21914	8507	20104	9417	-	-

अशासकीय								
स्थानीय निकाय		सहायता प्राप्त		सहायता अप्राप्त		योग		
बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालि0	योग
11	12	13	14	15	16	17	18	19
-	1326	13171	9771	3268	2549	29332	19895	69227
-	-	00123	929	-	-	5606	2254	7860
-	-	-	-	-	-	11646	2961	14607
-	-	-	-	-	-	5519	2439	7958
-	-	722	2	-	-	16546	5721	22267
योग-	1326	14016	10702	3268	2595	58649	33270	101919

माध्यमिक शालाओं में प्रबंधानुसार छात्र संख्या

क्र0	जिले का नाम	शासकीय							
		केंद्रीय शासन		राज्य शासन					
				शिक्षा विभाग		आदिम जाति कल्याण विभाग		अन्य विभाग	
		बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	इंदौर	-	-	37484	18356	81	40	76	5
2-	देवास	-	-	26343	6793	770	130	-	-
3-	धार	-	-	8173	3398	16258	8115	-	-
4-	झाबुआ	-	-	-	-	10479	3299	-	-
5-	खरगोन	-	-	15086	4221	30401	14539	-	-
	योग	-	-	87087	32768	57989	26123	76	5

अशासकीय

स्थानीय निकाय		सहायता प्राप्त		सहायता अप्राप्त		योग		
बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	योग
11	12	13	14	15	16	17	18	19
-	-	9465	5600	12875	8122	59982	32123	92105
-	-	860	448	970	540	18943	7911	26854
-	-	930	628	686	431	26027	12572	38619
-	-	265	97	561	334	11305	3730	15035
-	-	202	635	-	-	45689	19395	65084
योग -	-	11722	7408	15092	9427	171966	75731	247697

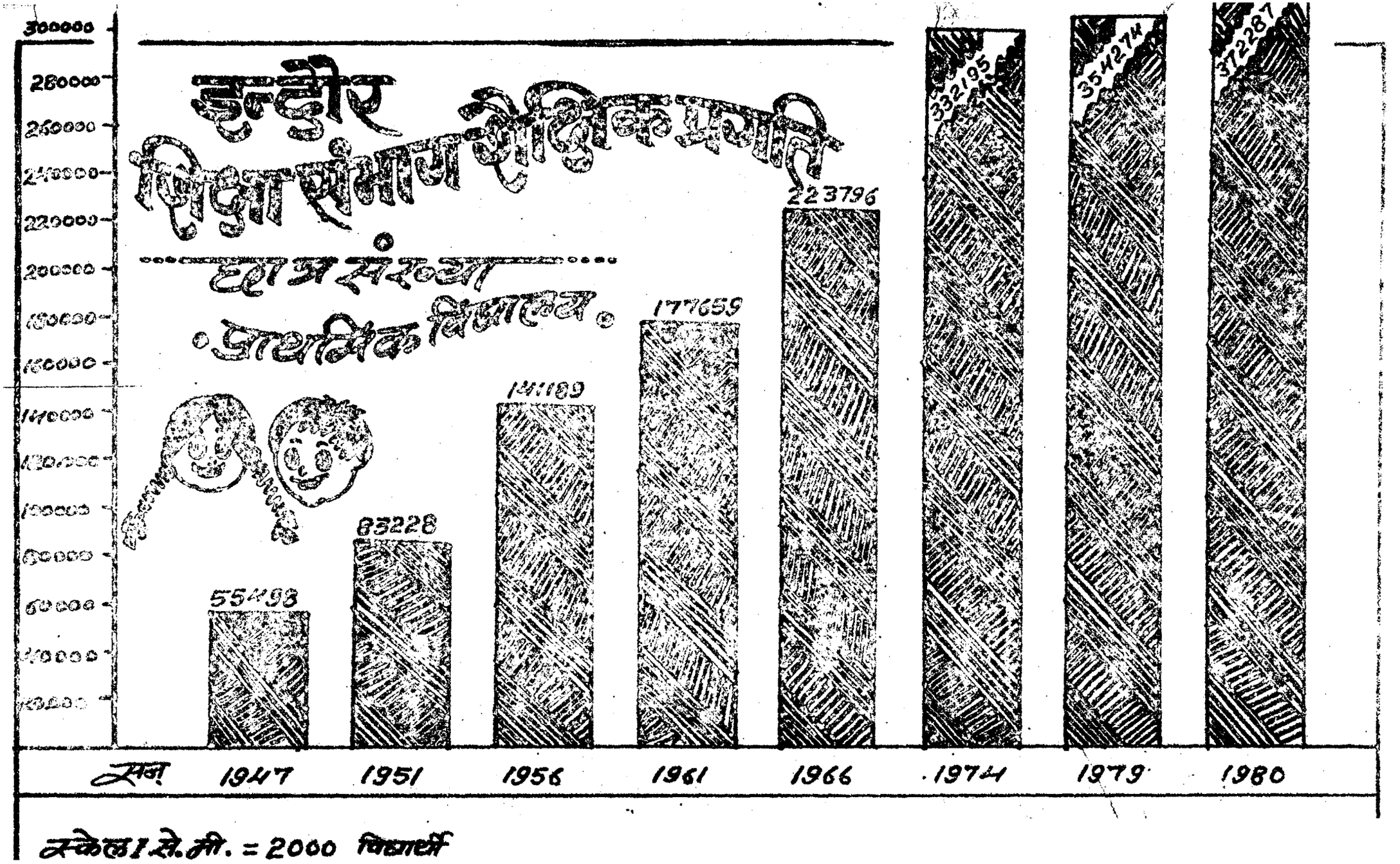

स्केल 1 से.मी. = 2000 विद्यार्थी

इन्दौर शिक्षा संभाग शैक्षिक प्रगति
छात्र संख्या
माध्यमिक विद्यालय
स्केल 1 से. मी. =
260000
240000
220000
200000
180000
160000
140000
120000
100000
80000
60000
40000
20000
11350
13279
20765
109478
191623
230763
247697
सन्
1947
1951
1956
1961
1974
1979
1980

प्राथमिक शालाओं में प्रबंधानुसार छात्र संख्या

क्र0	जिले का नाम	शासकीय							
		केंद्रीय शासन		राज्य शासन					
				शिक्षा विभाग		आ0जा0क0वि0		अन्य विभाग	
		बालक	बालि0	बालक	बालि0	बालक	बालि0	बालक	बालिका
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	इंदौर	225	236	48690	32395	-	-	-	-
2-	देवास	-	-	33583	13935	00162	00072	-	-
3-	धार	-	-	6921	4159	36081	10604	-	-
4-	झाबुआ	-	-	-	-	28327	11173	-	-
5-	खरगोन	-	-	19896	13384	43564	21479	-	-
	योग	225	236	109090	63871	108134	43328	-	-

अशासकीय

स्थानीय निकाय		सहायता प्राप्त		सहायता अप्राप्त		योग		
बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	योग
11	12	13	14	15	16	17	18	19
1714	1731	5240	3870	14468	10150	70337	48382	118719
62	27	198	155	1414	709	35419	14906	50325
171	139	485	386	639	307	44297	15595	59892
-	-	717	359	1026	396	30070	11928	41998
-	-	963	419	1070	578	65493	35860	101353
1947	1897	7603	5199	18617	12148	245616	126671	372287

इन्दौर शिक्षा संभाग शैक्षिक प्रगति
छात्र संख्या
माध्यमिक विद्यालय
स्केल 1 से. मी. = 20,000 विद्यार्थी
260000
240000
220000
200000
180000
160000
140000
120000
100000
80000
60000
40000
20000
11350
13279
20765
109478
191623
230763
247697
सन्
1947
1951
1956
1961
1974
1979
1980

प्राथमिक शालाओं में प्रबंधानुसार छात्र संख्या

क्र0	जिले का नाम	शासकीय							
		केंद्रीय शासन		राज्य शासन					
				शिक्षा विभाग		आ0जा0क0वि0		अन्य विभाग	
		बालक	बालि0	बालक	बालि0	बालक	बालि0	बालक	बालिका
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	इंदौर	225	236	48690	32395	-	-	-	-
2-	देवास	-	-	33583	13935	00162	00072	-	-
3-	धार	-	-	6921	4159	36081	10604	-	-
4-	झाबुआ	-	-	-	-	28327	11173	-	-
5-	खरगोन	-	-	19896	13384	43564	21479	-	-
	योग	225	236	109090	63871	108134	43328	-	-

अशासकीय

स्थानीय निकाय		सहायता प्राप्त		सहायता अप्राप्त		योग		
बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	योग
11	12	13	14	15	16	17	18	19
1714	1731	5240	3870	14468	10150	70337	48382	118719
62	27	198	155	1414	709	35419	14906	50325
171	139	485	386	639	307	44297	15595	59892
-	-	717	359	1026	396	30070	11928	41998
-	-	963	419	1070	578	65493	35860	101353
1947	1897	7603	5199	18617	12140	245616	126671	372287

पूर्व माध्यमिक शालाओं में प्रबंधानुसार छात्र संख्या

क्र0	जिले का नाम	शासकीय		स्थानीय निकाय		अशासकीय				योग		
						सहायता प्राप्त		सहायता अप्राप्त				
		बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1-	इंदौर	86	94	10	20	340	199	160	133	596	446	1042
2-	देवास	8	13	124	93	48	40	-	-	180	146	326
3-	धार	35	45	-	-	59	75	16	14	110	134	244
4-	झाबुआ	-	-	08	75	61	55	-	-	149	130	279
5-	खरगोन	251	112	-	-	-	-	-	-	251	112	363
	योग	380	264	222	188	508	369	176	147	1286	968	2254

स्तर के अनुसार छात्र संख्या

क्र0	शिक्षा का स्तर	छात्र संख्या						
		कुल			अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति	
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	बालक	बालिका
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	उच्चतर माध्यमिक (कक्षा 9से11)	39204	15027	54231	3644	626	2781	351
2-	माध्यमिक (कक्षा 6 से 8)	100276	39535	139811	11294	2799	11220	1596
3-	प्राथमिक (कक्षा 1 से 5)	335188	172821	508009	40547	15752	84696	20541
	योग	474668	227383	702051	55485	19177	98697	22488

क्र0	शाला का प्रकार	छात्र संख्या			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	उच्चतर माध्यमिक	21267	2870	24137	1820	179	1999	3382	200	3582
2-	माध्यमिक	114286	33576	147852	14387	2465	16852	18925	3105	22030
3-	प्राथमिक	161678	65574	227452	18191	4691	22882	67354	16280	83634
4-	उपशाला	1400	744	2144	340	137	477	175	71	246
5-	पूर्व प्राथमिक	404	300	764	67	63	130	35	47	82
	योग	299285	103064	402349	34805	7535	42340	89871	19703	109574

ग्रामीण क्षेत्र की उच्चतर माध्यमिक शालाओं की छात्र संख्या

क्र0	जिले का नाम	छात्र संख्या			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	इंदौर	2191	532	2723	300	101	401	69	24	93
2-	देवास	1423	146	1569	153	2	155	47	1	48
3-	धार	6766	844	7610	437	12	449	1101	36	1137
4-	झाबुआ	2524	543	3067	154	13	167	824	75	899
5-	खरगोन	8363	805	9168	776	51	827	1341	64	1405
	योग	21267	2870	24137	1820	179	1999	3382	200	3582

ग्रामीण क्षेत्र की माध्यमिक शालाओं में छात्र संख्या

क्र०	जिले का नाम	छात्र संख्या			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जन जाति		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	इंदौर	21256	7006	28262	4311	857	5168	601	140	741
2-	देवास	22389	3006	25395	3035	190	3225	850	70	920
3-	धार	22576	8347	30874	1996	375	2371	5632	901	6533
4-	झाबुआ	9197	3026	12217	388	133	521	5470	613	6083
5-	खारगोन	38858	12191	51049	4657	910	5567	6372	1381	7753
	योग	114276	33576	147852	14387	2465	16852	18925	3105	22030

ग्रामीण क्षेत्र की प्राथमिक शालाओं में छात्र संख्या

क्र०	जिले का नाम	छात्र संख्या			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जन जाति		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	इंदौर	20146	7103	27249	4557	1655	6212	1086	255	1341
2-	देवास	27471	10992	38463	4968	992	5960	2914	458	3372
3-	धार	36919	11689	48608	2760	632	3392	19170	3850	23020
4-	झाबुआ	25901	8678	34579	731	331	1062	23541	7399	30940
5-	खारगोन	51441	27112	78553	5175	1081	6256	20643	4318	24961
	योग	161878	65574	227452	18191	4691	22882	67354	16280	83634

ग्रामीण क्षेत्र की उप शालाओं में छात्र संख्या

क्र0	जिले का नाम	छात्र संख्या			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	इंदौर	556	343	899	164	91	225	30	24	54
2-	देवास	719	335	1054	174	46	220	68	14	82
3-	धार	23	16	39	-	-	-	10	4	14
4-	झाबुआ	18	7	25	-	-	-	18	7	25
5-	खरगोन	91	47	138	2	-	2	49	22	71
	योग	1407	748	2155	340	137	477	175	71	246

ग्रामीण क्षेत्र की पूर्व प्राथमिक शालाओं में छात्र संख्या

क्र0	जिले का नाम	छात्र संख्या			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	इंदौर	55	27	82	40	31	71	1	1	2
2-	देवास	103	76	179	19	25	44	13	18	31
3-	धार	55	85	140	8	7	15	21	28	49
4-	झाबुआ	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5-	खरगोन	251	112	363	-	-	-	-	-	-
	योग	464	300	764	67	63	130	35	47	82

उच्चतर माध्यमिक शालाओं की आवश्यक जानकारी 80-81 & 31-3-81 छात्र संख्या

क्र0	जिले का नाम	कुल छात्र संख्या			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			विमुक्त जाति		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1-	इंदौर	30598	20510	51108	2334	1073	3407	218	136	354	38	5	43
2-	देवास	7090	2665	9755	725	31	756	149	10	159	8	2	10
3-	धार	12354	3119	15473	1026	86	1112	2253	224	2477	129	25	154
4-	झाबुआ	5955	2379	8334	330	76	406	1790	359	2149	16	-	16
5-	खरगोन	18482	6410	24892	1781	291	2072	2326	284	2610	107	30	137
योग		74479	35083	109562	6196	1557	7753	6736	1013	7749	298	62	360

उच्चतर माध्यमिक शालाओं की जानकारी 31-3-1981 | कक्षावार छात्र संख्या

क्र0	जिले का नाम	कक्षा 9		कक्षा 10		कक्षा 11		कक्षा 12		योग 9 से 11	
		बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1-	इंदौर	8404	3934	5687	2936	5238	2652	69	26	19329	9522
2-	देवास	2609	0531	1882	483	1621	297	-	-	6112	1311
3-	धार	2706	708	1608	526	1501	376	-	-	5815	1610
4-	झाबुआ	1347	450	907	339	841	247	-	-	3095	1036
5-	खरगोन	4223	1105	3300	1006	2873	679	-	-	10396	2790
-	योग	19289	6728	13384	5290	12074	4251	69	26	44747	16269

कुमानुसार

क्र	कक्षा 6		कक्षा 7		कक्षा 8		योग 6 से 8	
	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका
	13	14	15	16	17	18	19	20
	2052	1879	1734	1687	1735	1436	5521	5002
	98	109	75	79	42	49	215	237
	2507	425	1754	278	1654	303	5915	1006
	1194	552	819	372	847	419	2860	1343
	3109	947	1910	636	2106	616	7127	2219
	8960	3912	6292	3072	6386	2823	21638	9807

उच्चतर माध्यमिक शालाओं की जानकारी (क्रमानुगत)

क्र0	जिले का नाम	पूर्व प्राथमिक		कक्षा 1		कक्षा 2		कक्षा 3	
		बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका
1	2	21	22	23	24	25	26	27	28
1-	इंदौर	1066	764	941	1224	883	928	985	1048
2-	देवास	211	125	136	239	104	201	109	247
3-	धार	-	-	120	127	126	110	115	95
4-	झाबुआ	-	-	-	-	-	-	-	-
5-	खरगोन	-	-	176	242	159	253	213	319
	योग	1277	889	1373	1832	1272	1492	1422	1710

कक्षा 4		कक्षा 5		महायोग		
बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	योग
29	30	31	32	33	34	35
891	994	913	1002	30598	20510	51108
117	171	86	134	7090	2665	9755
127	99	136	71	12354	3119	15473
-	-	-	-	5955	2379	8334
251	317	160	270	18482	6410	24892
1386	1581	1295	1477	74479	35083	109562

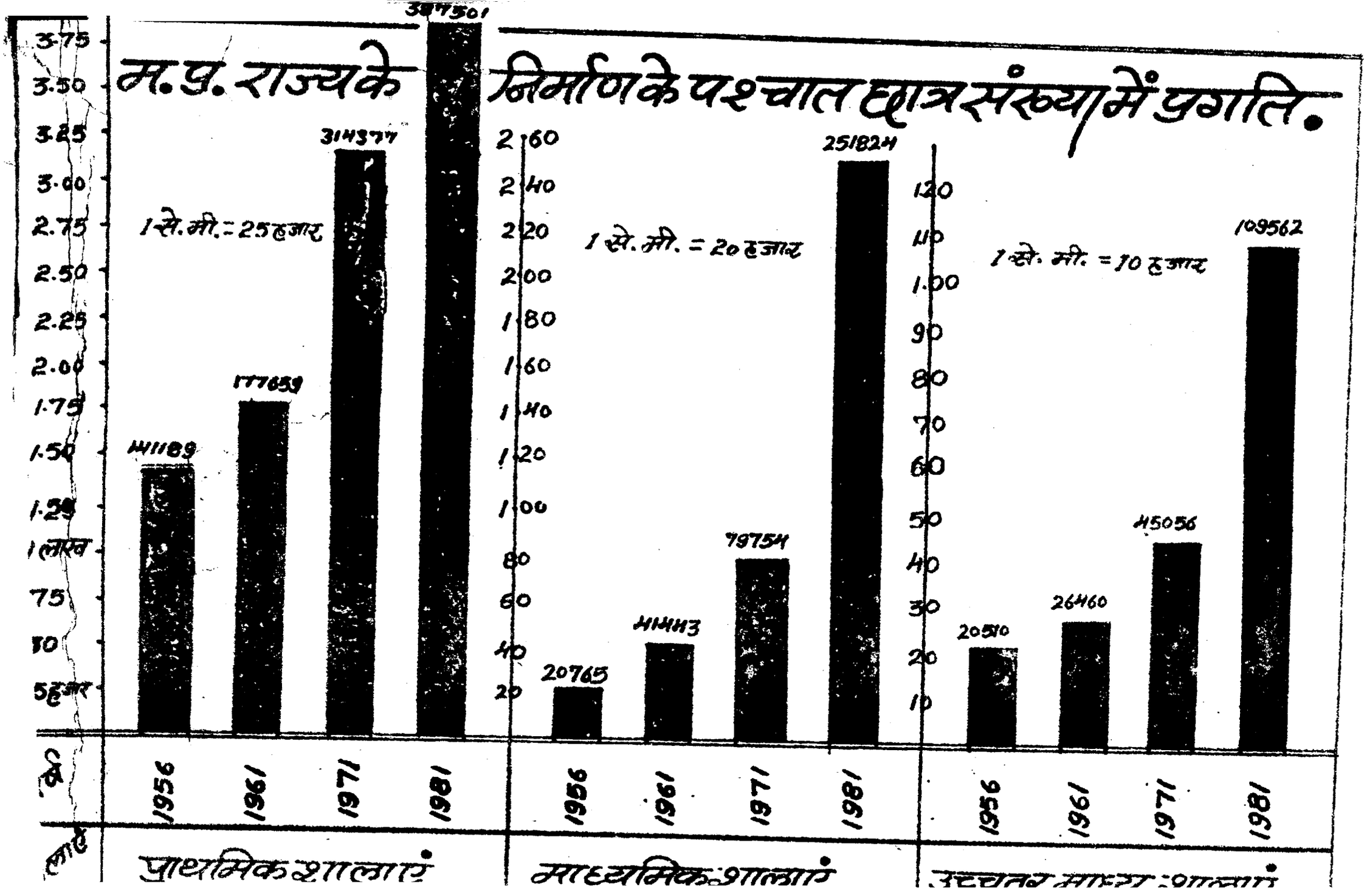
म.प्र. राज्यके निर्माणके पश्चात छात्रसंख्यामें प्रगति.
1 से.मी. = 25 हजार
1 से.मी. = 20 हजार
1 से.मी. = 10 हजार
3.75
3.50
3.25
3.00
2.75
2.50
2.25
2.00
1.75
1.50
1.25
1 लाख
75
50
5 हजार
2.60
2.40
2.20
2.00
1.80
1.60
1.40
1.20
1.00
80
60
40
20
1.20
1.10
1.00
90
80
70
60
50
40
30
20
10
111189
177659
314377
387501
20765
44443
79754
251824
20510
26460
45056
109562
1956
1961
1971
1981
प्राथमिक शालाएं
माध्यमिक शालाएं

महाविद्यालयीन शिक्षा- स्तरानुसार दर्ज संख्या 1979-80

क्र0	शिक्षा का स्तर	छात्र संख्या		
		छात्र	छात्रा	योग
1	2	3	4	5
	1- स्नातकोत्तर स्तर			
1	कला	975	851	1826
2	विज्ञान	320	231	551
3	गृहविज्ञान	—	101	101
4	वाणिज्य	969	34	1003
5	कृषि	50	—	50
6	चिकित्सा	91	24	115
7	कानून	116	3	19
8	संगीत	116	29	45
9	पशुचिकित्सा	11	1	12
10	ग्राम्य शिक्षा	4	8	12
11	अन्य	86	22	108
	2- स्नातक स्तर			
1	कला	37017	4081	7788
2	विज्ञान	36410	1411	5051
3	गृहविज्ञान	—	547	547
4	वाणिज्य	134315	6266	19701
5	कानून	22211	217	2438
6	कृषि	211	—	211
7	संगीत	279	151	430
8	चिकित्सा	6917	194	891
9	दंत चिकित्सा	63	12	75
10	धात्री विज्ञान	—	86	86
11	पशुचिकित्सा	119	3	122
12	ग्राम्य शिक्षा	31	17	48
13	अन्य	294	203	497

(ब) शिक्षा में अपव्यय

भारतीय संविधान की धारा 45 के अनुसार 14 वर्ष की आयु तक प्रत्येक बालक को शिक्षा सुविधा देना राज्य का उत्तरदायित्व है किन्तु विभिन्न कारणों से किसी एक वर्ष में कक्षा 1 में प्रविष्ट हुए 100 बालकों में से 64 बालक कक्षा 5 तक शिक्षा पूर्ण करने के पूर्व ही शाला त्याग देते हैं। कक्षा 8 पूर्ण करने तक इन में से केवल 21 छात्र शाला में रह जाते हैं। इस प्रकार 79 प्रतिशत राज्य में शिक्षा का अपव्यय होता है। इंदौर संभाग के आँकड़े निम्न तालिका में दिए जाते हैं:

इंदौर संभाग में प्राथमिक स्तर पर अपव्यय

वर्ष	कक्षा				
	1	2	3	4	5
1069-70	114951	-	-	-	-
	(100)				
1970-71	112823	65061	-	-	-
	(100)	(56.6)			
1971-72	171128	69056	55239		
	(100)	(61.2)	(48.1)		
1972-73	219038	106828	70424	50628	
	(100)	(62.4)	(62.4)	(44.0)	
1973-74	152913	124921	91430	55790	40812
	(100)	(57.0)	(53.4)	(49.5)	(35.5)

कोष्ठक में दी गई संख्या कक्षा 1 में प्रवेश पाने वाले छात्रों के समूह से प्रतिशत बताते हैं। इस प्रकार इंदौर संभाग में अपव्यय (ग्रुप औसत) का प्रतिशत 64.5 है।

एक कक्षा से दूसरी कक्षा में अन्तरण की दर कक्षा 1 से 11 तक....

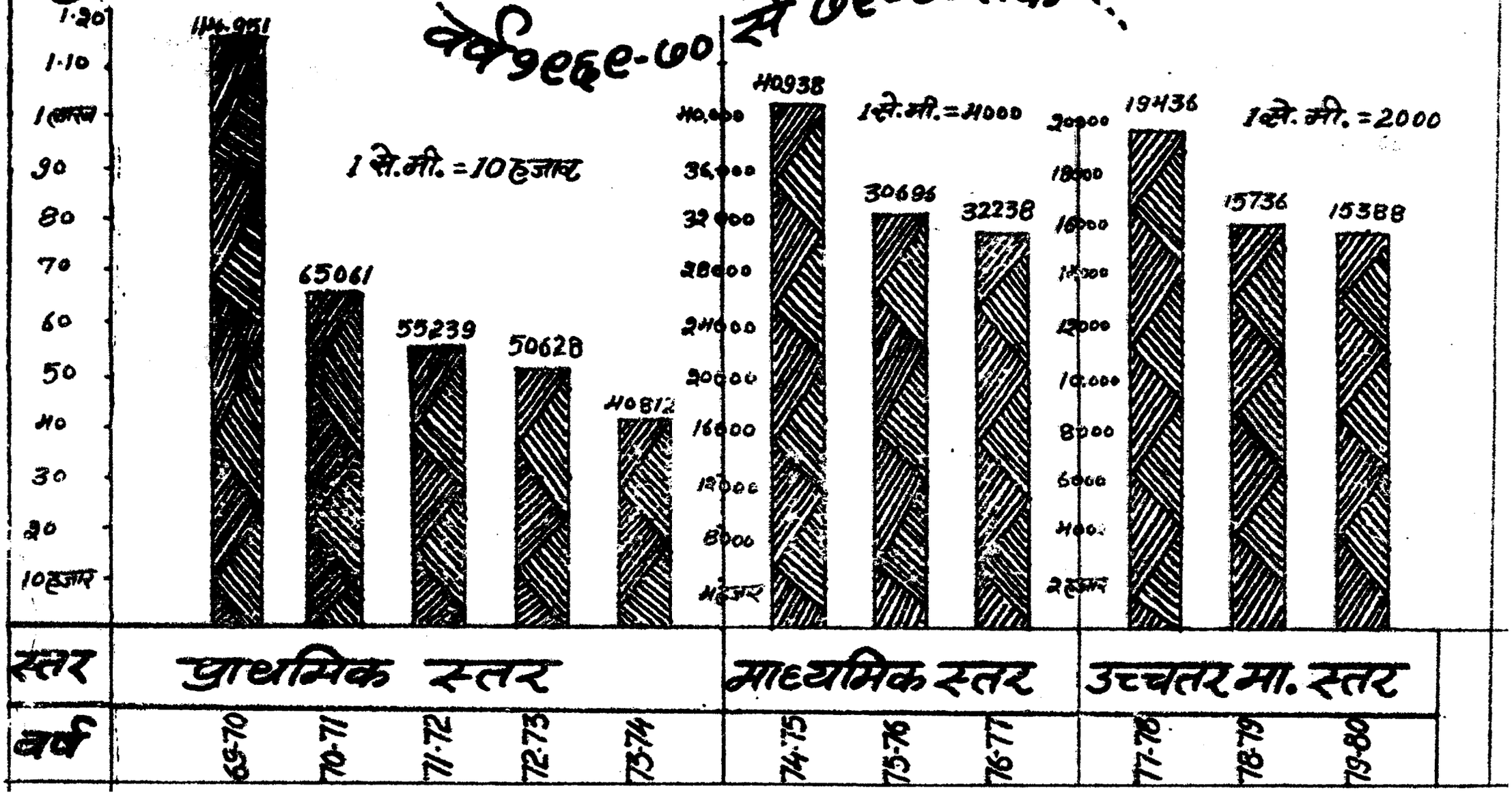

माध्यमिक स्तर पर अपव्यय

वर्ष	कक्षा 6	कक्षा 7	कक्षा 8	1969-70 की तुलना में अंतरण की प्रतिशत
1974-75	40938 {100}	-	-	35•6
1975-76	42778 {100}	30696 {74•9}	-	26•7
1976-77	51060 {100}	34903 {81•6}	32236 {78•7}	28•0

कोष्टक में दी गई संख्या कक्षा 6 में प्रवेश पाने वाले छात्रों के समूह का प्रतिशत बताती है ।

उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अपव्यय

वर्ष	कक्षा 9	कक्षा 10	कक्षा 11	1969-70 की तुलना में अंतरण प्रतिशत
1977-78	19436 {100}	-	-	16•9
1978-79	18542 {100}	15736 {80•9}	-	13•7
1979-80	23463 {100}	15380 {82•9}	15388 {79•2}	13•4

कोष्टक में दी गई संख्या कक्षा 1 में प्रवेश पाने वाले छात्रों के समूह का प्रतिशत बताती है । इस प्रकार सन् 1969-70 में कक्षा 1 में भर्ती छात्रों का 35% भाग कक्षा 5 में, 28% भाग कक्षा 8 में तथा 13% भाग कक्षा 11 में इस संभाग में पहुँच पाता है । इस प्रकार प्राथमिक शाला में 64•5, माध्यमिक में 72 तथा उच्चतर माध्यमिक में 86•6 % शिक्षा का अपव्यय इस संभाग में है ।

प्रगति के बढ़ते चरण

भाग (ब) छात्र संख्या

क्र0 शालाओं का प्रकार	वर्ष								
	1947	1951	1956	1961	1966	1974	1979	1980	1981
1 2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1- उच्चतर माध्यमिक शालाएँ	5866	12018	20510	26460	64997	85165	95828	101919	109562
2- माध्यमिक शालाएँ	11350	13279	20765	41443	109478	191623	230763	247697	251824
3- प्राथमिक शालाएँ	55498	83228	141189	177659	223796	332195	354274	372287	387501

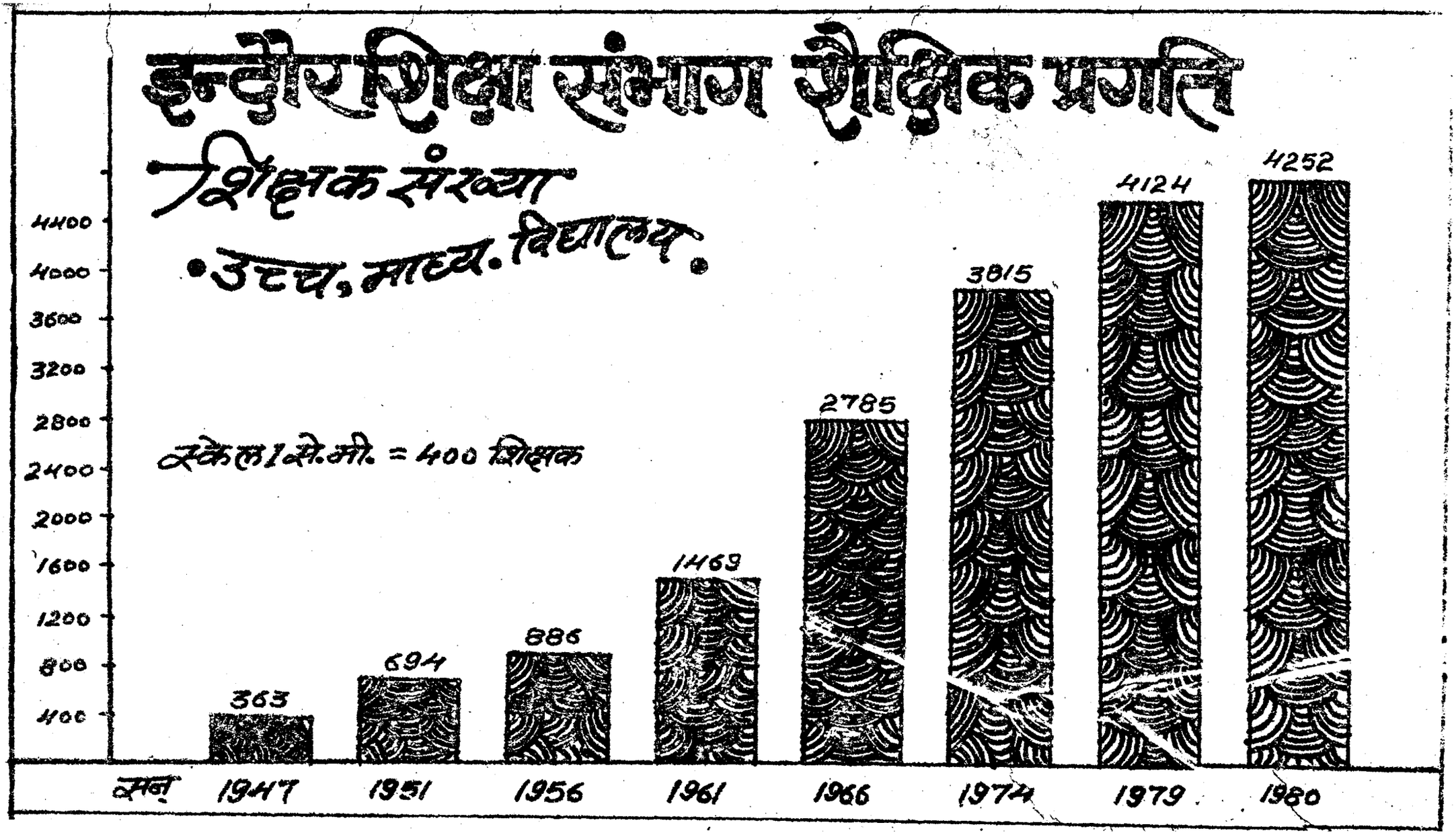
इन्दौर शिक्षा संभाग शैक्षिक प्रगति
शिक्षक संख्या
•उच्च. माध्य. विद्यालय.
4400
4000
3600
3200
2800
2400
2000
1600
1200
800
400
स्केल 1 से.मी. = 400 शिक्षक
363
694
886
1469
2785
3815
4124
4252
वर्ष
1947
1951
1956
1961
1966
1974
1979
1980

शिक्षक

शालावार शिक्षक संख्या

क्र0 शाला का प्रकार	कुल			प्रशिक्षित			वर्तमान स्थिति 31-3-1981
	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	
1 2	3	4	5	6	7	8	9
1- उच्चतर माध्यमिक	2969	1283	4252	2131	885	3016	4450
2- माध्यमिक	6038	2764	8802	4790	1831	6621	8921
3- प्राथमिक	7129	2929	10058	5215	1801	7016	10697
4- उपशाला	83	5	88	-	-	-	87
5- पूर्व प्राथमिक	2	48	50	-	31	31	54
योग	16221	7029	23250	12136	4548	16684	24209

उच्चतर माध्यमिक शालाओं में जिलेवार शिक्षक

क्र0 जिले का नाम	कुल			प्रशिक्षित			अप्रशिक्षित		
	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
1 2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1- इंदौर	1020	835	1855	770	617	1387	250	218	468
2- देवास	265	90	355	253	69	322	12	21	33
3- धार	606	110	716	394	73	467	212	37	249
4- झाबुआ	361	88	449	200	48	248	161	40	201
5- खरगोन	717	160	877	514	78	592	203	82	285
योग	2969	1283	4252	2131	885	3016	838	398	1236

माध्यमिक शालाओं में जिलेवार शिक्षक

क्र0	जिले का नाम	कुल			प्रशिक्षित			अप्रशिक्षित		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	इंदौर	1455	1705	3160	1324	1164	2488	131	541	672
2-	देवास	916	248	1164	855	193	1048	61	55	116
3-	धार	1103	355	1458	730	201	931	373	154	527
4-	झाबुआ	615	118	733	370	50	420	245	68	313
5-	खरगोन	1949	338	2287	1511	223	1734	438	115	553
	योग	6038	2764	8802	4790	1831	6621	1248	933	2181

प्राथमिक शालाओं में जिलेवार शिक्षक

क्र0	जिले का नाम	कुल			प्रशिक्षित			अप्रशिक्षित		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	इंदौर	1373	1839	3212	1226	1214	2440	147	625	772
2-	देवास	968	243	1211	905	175	1080	63	68	131
3-	धार	1534	223	1757	867	120	987	667	103	770
4-	झाबुआ	1049	170	1219	547	82	629	502	88	590
5-	खरगोन	2205	454	2659	1670	210	1880	535	244	779
	योग	7129	2929	10058	5217	1801	7016	1914	1128	3042

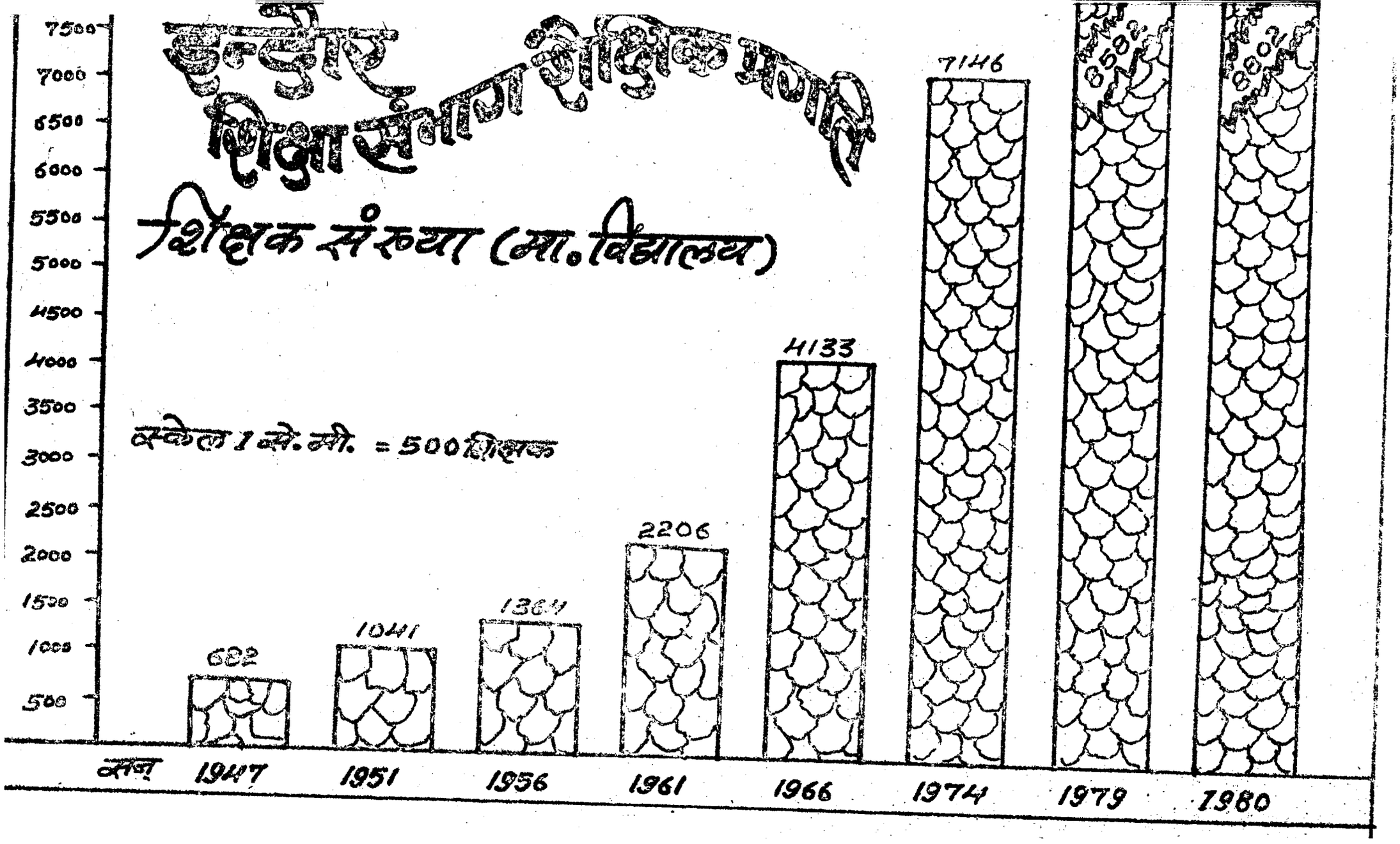
इन्दौर
शिक्षा संभाग शैक्षिक प्रगति
शिक्षक संख्या (मा. विद्यालय)
स्केल 1 से.मी. = 500 शिक्षक
7500
7000
6500
6000
5500
5000
4500
4000
3500
3000
2500
2000
1500
1000
500
682
1041
1364
2206
4133
7146
8538
8802
आज
1947
1951
1956
1961
1966
1974
1979
1980

इन्दौर शिक्षा संभाग शैक्षिक प्रगति
शिक्षक संख्या
प्राथमिक विद्यालय
स्केल 1 से.मी. = 1000 शिक्षक
11000
10,000
9000
8000
7000
6000
5000
4000
3000
2000
1000
2031
2867
4445
5371
6336
8651
9677
10058
सन्
1947
1951
1956
1961
1966
1974
1979
1980

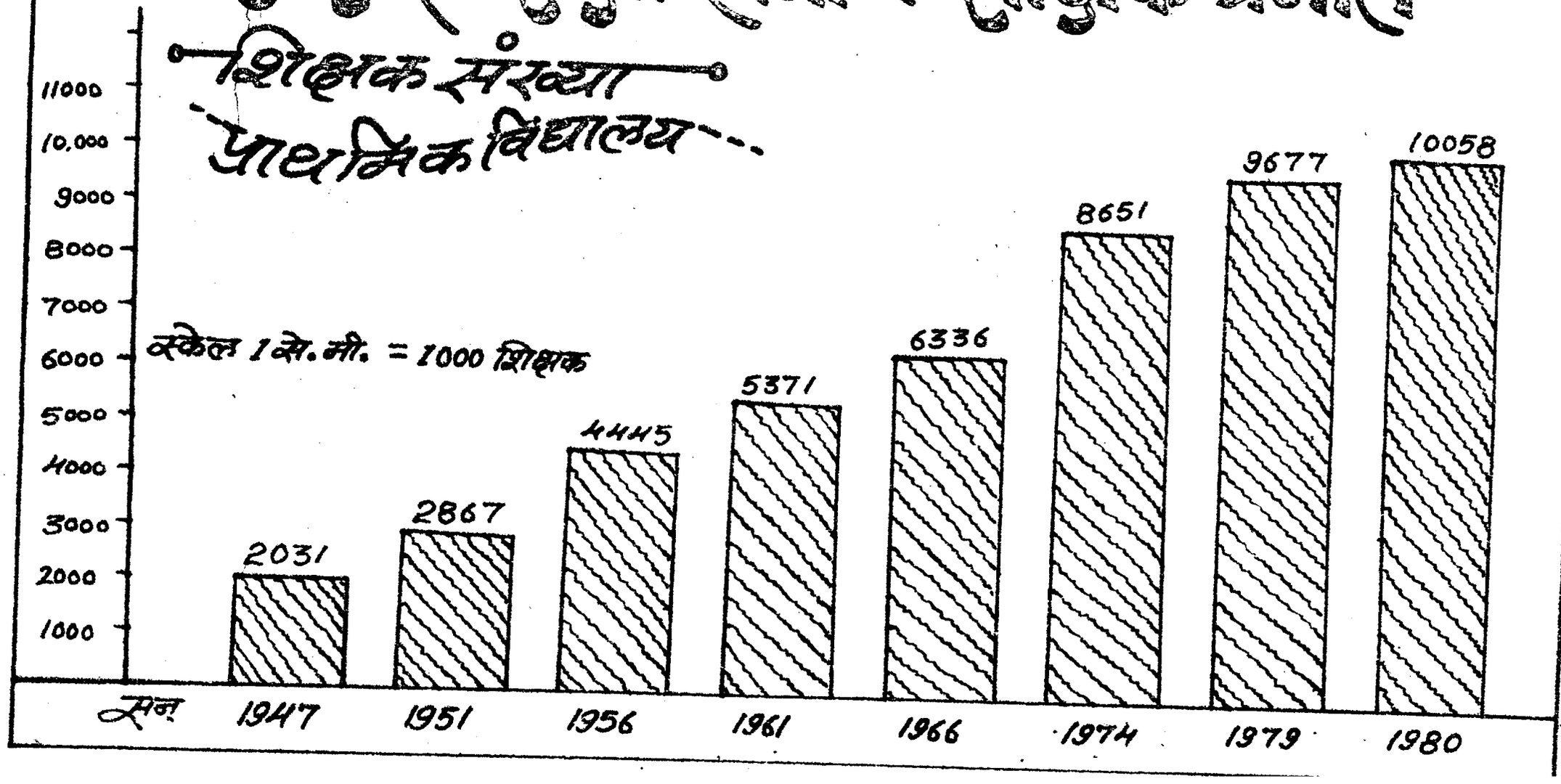

उपशालाओं में जिलेवार शिक्षक संख्या

क्र0	जिले का नाम	कुल			प्रशिक्षित			अप्रशिक्षित		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	इंदौर	34	3	37	-	-	-	34	3	37
2-	देवास	41	1	42	-	-	-	41	1	42
3-	धार	1	1	2	-	-	-	1	1	2
4-	झाबुआ	1	-	1	-	-	-	1	-	1
5-	खरगोन	6	-	6	-	-	-	6	-	6
	योग	83	5	88	-	-	-	83	5	88

पूर्व प्राथमिक शालाओं में जिलेवार शिक्षक संख्या

क्र0	जिले का नाम	कुल			प्रशिक्षित			अप्रशिक्षित		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	इंदौर	2	27	29	-	22	22	2	5	7
2-	देवास	-	7	7	-	2	2	-	5	5
3-	धार	-	8	8	-	7	7	-	1	1
4-	झाबुआ	-	6	6	-	-	-	-	6	6
5-	खरगोन	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग	2	48	50	-	31	31	2	17	19

शालेय शिक्षान्तर्गत शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शालाओं में शिक्षक संख्या 1980-81

क्र0	नाम पद	संख्या					
		उच्चतर माध्यमिक		माध्यमिक		प्राथमिक	
		स्वीकृत	कार्यरत	स्वीकृत	कार्यरत	स्वीकृत	कार्यरत
1	2	3	4	5	6	7	8
1-	प्राचार्य	90	84	-	-	-	-
2-	व्याख्याता	616	612	-	-	-	-
3-	कैरियर मास्टर	10	10	-	-	-	-
4-	शिक्षक	615	593	673	624	-	-
5-	उद्योग शिक्षक	87	66	1	1	-	-
6-	कृषि शिक्षक	2	1	-	-	-	-
7-	संगीत शिक्षक	15	14	-	-	-	-
8-	तबला शिक्षक	13	13	-	-	-	-
9-	व्यायाम शिक्षक	118	89	113	111	-	-
10-	सहायक शिक्षक	34	34	3153	3095	4881	4701
11-	प्रयोग शाला सहायक	101	90	-	-	-	-
	योग	1702	1606	3940	3831	4881	4701

प्रगति के बढ़ते चरण भाग (स) शिक्षक संख्या में वृद्धि

क्र०	शालाओं का प्रकार	1947	1951	1956	1961	1966	1974	1979	1980	1981
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-	उच्चतर माध्यमिक शालाएँ	363	694	386	1469	2785	3815	4124	4252	4450
2-	माध्यमिक शालाएँ	682	1041	1364	2206	4133	7146	8582	8802	8921
3-	प्राथमिक शालाएँ	2031	2867	4445	5371	6336	8651	9677	10058	10784

उच्च शिक्षान्तर्गत शिक्षक संख्या

क्र०	संस्था का प्रकार	शिक्षक संख्या		
		पुरुष	महिला	योग
1	2	3	4	5
1-	विश्वविद्यालय	55	28	83
2-	महाविद्यालय सामान्य शिक्षा	607	183	790
3-	महाविद्यालय व्यवसायिक शिक्षा	416	91	507
4-	महाविद्यालय अन्य शिक्षा	8	3	11
	योग	1086	305	1391

अध्याय - 5

आय व्यय की जानकारी

शिक्षा पर विनियोग

शालेय शिक्षा पर स्त्रोतों के अनुसार व्यय

क्र0	मद का नाम	उच्चतर माध्य0 शालाएं	माध्यमिक शालाएं	प्राथमिक शालाएं	पूर्व प्राथमिक शालाएं	योग
1	2	3	4	5	6	7
1-	शासकीय निधि	39656747	48259338	51171602	140380	139228067
2-	स्थानीय निकाय निधि	149293	175952	92616	42170	460031
3-	शुल्क निधि	7561800	3342690	2353870	18216	13276576
4-	अन्य	693997	1935441	2193579	75854	4898871
	योग	48061837	53713421	55811667	276620	157863545

शालेय शिक्षा पर मदवार आवर्ती तथा अनावर्ती व्यय

क्र0	मद का नाम	उच्चतर माध्यमिक शालाएं	माध्यमिक शालाएं	प्राथमिक शालाएं	पूर्व प्राथमिक शालाएं	योग
1	2	3	4	5	6	7
	आवर्ती					
1-	वेतन तथा भत्ते	40145039	48077109	52562140	243648	141027938
2-	उपकरण तथा अन्य प्रसाधन	877825	632775	565950	6739	2083289
3-	अन्य	5504501	4717127	1730782	22425	11974835
	अनावर्ती					
1-	पुस्तकालय	130110	61997	27838	69	220014
2-	भवन	385444	117884	805735	-	1309063
3-	उपकरण	903381	74545	86811	1680	1066417
4-	अन्य	115537	31984	32411	2059	181991
	योग आवर्ती तथा अनावर्ती	48061837	53713421	55811667	276620	157863545

इन्दौर संभाग में शिक्षा पर व्यय
वर्ष १९७९-८०

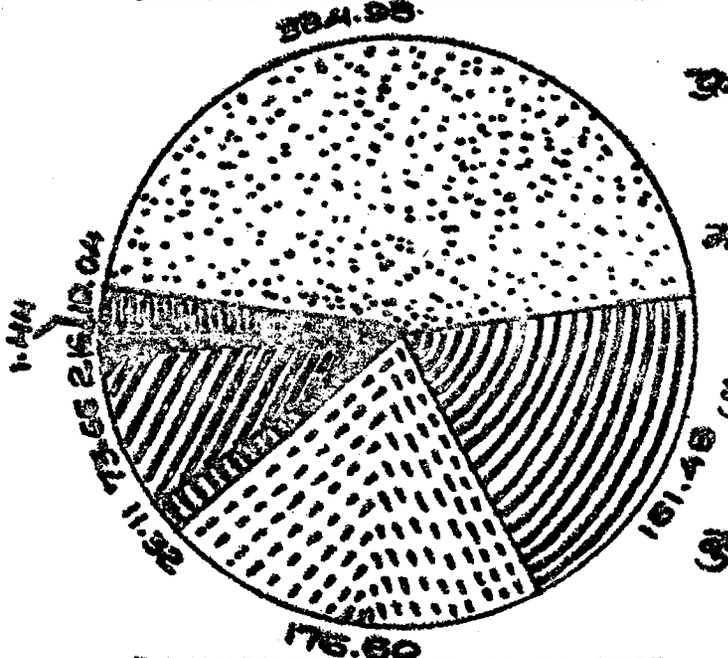

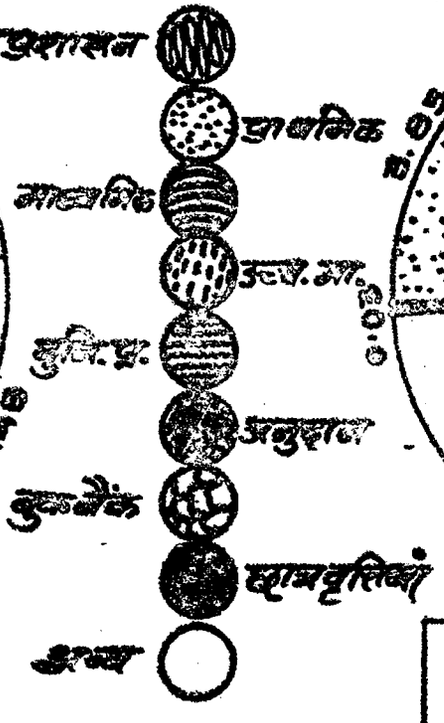

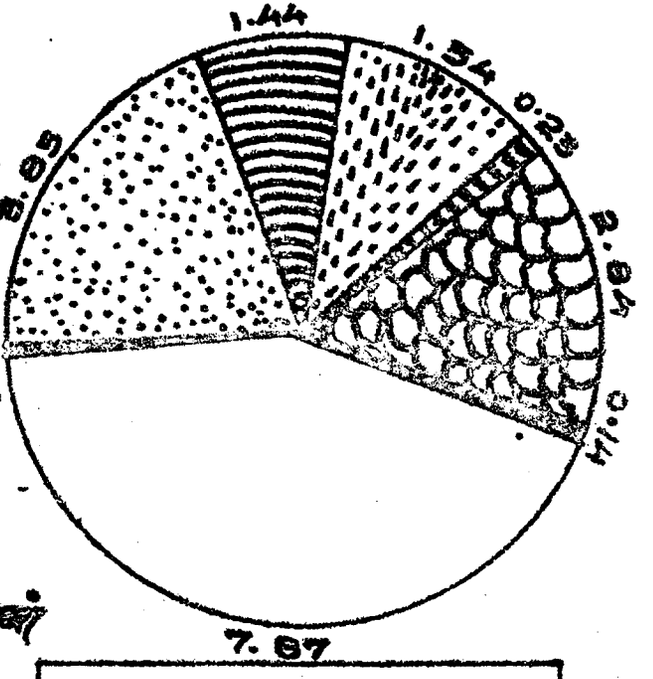

इन्दौर शिक्षा संभाग शैक्षिक प्रगति

'व्यय'

• उच्च. माध्य. विद्या.

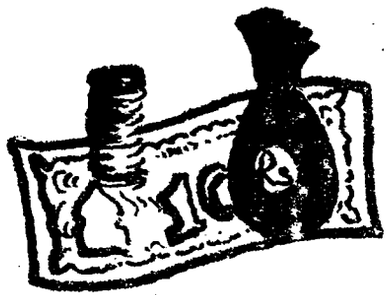

स्केल 1 से.मी. = 40 लाख रुपये

5.20
4.80
4.40
4.00
3.60
3.20
2.80
2.40
2.00
1.60
1.20
80 लाख
40 लाख

सन्	1947	1951	1956	1961	1966	1974	1979	1980
	876646	1269861	1763916	3794529	8240593	23488313	44492434	48885668

इन्दौर शिक्षा संभाग शैक्षिक प्रगति
'व्यय'
•माध्यमिक विद्यालय•
स्केल 1 से.मी. = 40 लाख रुपये
5.60
5.20
4.80
4.40
4.00
3.60
3.20
2.80
2.40
2.00
1.60
1.20
80 लाख
40 लाख
554446
957743
1252450
2692140
6555150
27257875
47912814
53727320
सन्
1947
1951
1956
1961
1966
1974
1979
1980

इन्दौर शिक्षा संभाग शैक्षिक प्रगति

'व्यय'

• प्राथमिक विद्यालय •

स्केल 1 से.मी. = 40 लाख रुपये

वर्ष	1947	1951	1956	1961	1966	1974	1979	1980
व्यय	1156204	1904969	3296096	5770334	10010723	18812108	48167893	55711477

5.60
5.20
4.80
4.40
4.00
3.60
3.20
2.80
2.40
2.00
1.60
1.20
80 लाख
40 लाख

शिक्षा पर व्यय - जिलेवार विभाजन

उच्चतर माध्यमिक शालाएं

क्र0	नाम जिला	व्यय की मद			शिक्षकों/कर्मचारियों के वेतन पर किए गए व्यय की राशि जो कि कालम नं0 3 में सम्मिलित है।	शासकीय कोष से किए गए व्यय	
		आवर्ती	अनावर्ती	कुल योग		आकार	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1-	इंदौर	22120958	914137	23035095	18110933	16451328	71%
2-	देवास	4225706	181480	4407186	3883911	4032026	91%
3-	धार	6548863	223862	6772725	5989348	6560539	97%
4-	झाबुआ	3994100	113211	41073111	3502584	3983224	97%
5-	खरगोन	9637738	101782	9739520	8658273	8946866	92%
	योग	46527365	1534472	48061837	40145039	38799408	81%

माध्यमिक शालाएं

क्र0	नाम जिला	व्यय की मद			शिक्षकों/कर्मचारियों के वेतन पर किए गए व्यय की राशि जो कि कालम नं03 में सम्मिलित है।	शासकीय व्यय से किए गए व्यय	
		आवर्ती	अनावर्ती	कुल योग		आकार	प्रतिशत
1-	इंदौर	19358744	142570	19501314	16976383	15789164	81%
2-	देवास	7789304	40139	7829443	7112352	7266433	93%
3-	धार	8599289	17097	8716386	8131569	8531962	98%
4-	झाबुआ	5104445	80728	5185173	4151747	4967784	96%
5-	खरगोन	12475229	5876	12481105	11704958	12377936	99%
	योग	55427011	286410	53713421	48077109	48933279	91%

शिक्षा विभाग द्वारा किए गए व्यय की जानकारी (राशि लाख रु0 में)

क्र0	मद	आयोजनेत्तर	आयोजना	योग
1	2	3	4	5
1-	संभागीय शिक्षा अधीक्षक एवं जिला शिक्षा अधिकारियों के कार्यालयों के लिए	19.04	.03	19.07
2-	बुनियादी प्रशिक्षण संस्थाएं	11.32	.23	11.55
3-	उच्चतर माध्यमिक शालाएं	176.60	1.54	178.14
4-	माध्यमिक शालाएं	161.48	1.44	162.92
5-	प्राथमिक शालाएं	354.95	3.85	358.80
6-	अनुदान	73.66	-	73.66
7-	[illegible]			
	पुस्तकालय तथा खेलकूद	1.44	7.87	9.31
8-	[illegible]	-	2.84	2.84
9-	छात्र वृत्तियाँ	2.16	0.14	2.30
	योग	830.65	17.94	848.59

भाग - 2

अध्याय 1- महिला शिक्षा

अध्याय 2- (अ) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की शिक्षा

(ब) विकलांगों हेतु शिक्षा

(स) अन्य भाषा भाषी छात्रों को मातृ भाषा में शिक्षा सुविधा

अध्याय 3- भवन

अध्याय 4- छात्रावास

अध्याय 5- उच्चतर माध्यमिक शालाओं में पढ़ाए जाने वाले विषयों की जानकारी

अध्याय 6- प्रशिक्षण

अध्याय 7- छात्रवृत्ति

अध्याय 8- अनुदान

अध्याय - ।

महिला शिक्षा

सन् 1971 की जनगणना के अनुसार इंदौर शिक्षा संभाग की 44•03 लाख की जन संख्या में 21•29 लाख महिलाएं थीं । क्षेत्र की लगभग आधी जन संख्या के लिए शिक्षा सुविधाएं प्रदान करने हेतु विभाग ने काफी प्रयत्न किए किंतु क्षेत्र में अनुसूचित जाति तथा जनजाति की सम्मिलित जनसंख्या 20•08लाख लगभग आबादी का आधा भाग होने तथा उनका शैक्षिक, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़ा होने के कारण विभाग को इस दिशा में अधिक सफलता नहीं मिल पाई है । फिर भी इनके राज्य के साक्षरता प्रतिशत 10•84 से संभाग में महिला साक्षरता का प्रतिशत 12•08 काफी उत्साह वर्द्धक है । इस दिशामें शिक्षा विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, समाज सेवा एवं पंचायतविभाग तथा सामाजिक संस्थाएं इस क्षेत्र में प्रयत्नशील हैं । महिलाओं के शैक्षिक विकास में किए गए कार्यों का **विवरण** आगे दी गई तालिकाओं में दिया जा रहा है ।

प्रबंधानुसार कन्या शालाओं की संख्या

क्र0	शिक्षा का प्रकार	प्रबंध				
		शासकीय	स्थानीय निकाय	अशासकीय		योग
				सहायता प्राप्त	सहायता अप्राप्त	
1	2	3	4	5	6	7
1-	उच्चतर मा0शा0	35	1	13	2	51
2-	माध्यमिक	165	-	2	2	169
3-	प्राथमिक	421	1	2	4	428
4-	उपशाला	-	-	-	-	-
5-	पूर्व प्राथमिक	1	-	-	-	1
	योग	622	2	17	8	649

कन्या शालाओं में दर्ज संख्या

क्र0	शाला का प्रकार	कुल दर्ज संख्या	बालक	बालिका
1	2	3	4	5
1-	उच्चतर माध्यमिक	29029	1802	27227
2-	माध्यमिक	44390	519	43871
3-	प्राथमिक	51272	1217	50055
4-	पूर्व प्राथमिक	142	65	77
	योग	124833	3603	121230

ग्रामीण क्षेत्र की शालाओं में दर्ज छात्र संख्या

क्र0	शाला का प्रकार	दर्ज छात्रा संख्या	कुल संख्या का प्रतिशत
1	2	3	4
1-	उच्चतर माध्यमिक	2870	8•62
2-	माध्यमिक	33576	44•33
3-	प्राथमिक	65574	51•76
4-	एकशाला	744	99•46
5-	पूर्व प्राथमिक	300	30•99
	योग	103064	43•41

छात्राओं की कक्षावार दर्ज संख्या

क्र0	कक्षा	कुल छात्राओं की दर्ज संख्या			कुल छात्र संख्या में छात्राओं का प्रतिशत
		कुल	अनु0 जा0	अनु0 ज0जा0	
1-	पूर्व प्राथमिक	9992	488	164	41•37
2-	पहली	49244	5091	8129	36•29
3-	दूसरी	37491	3518	4965	34•31
4-	तीसरी	35287	3214	4098	33•84
5-	चौथी	30358	2454	2338	32•33
6-	पाँचवीं	20371	1475	1011	31•16
7-	छटवीं	16167	1282	706	28•07
8-	सातवीं	12014	830	506	28•85
9-	आठवीं	11354	727	384	27•97
10-	नवमीं	06265	275	168	26•70
11-	दसवीं	4454	206	101	28•95
12-	ग्यारहवीं	4508	145	82	28•08
13-	बारहवीं	13	-	-	11•71
	योग	237388	19665	22652	32•68

कुल छात्र संख्या में छात्राओं की दर्ज संख्या का कक्षावार प्रतिशत

क्र0	कक्षा	छात्राओं की दर्ज संख्या का प्रतिशत		
		कुल	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति
1	2	3	4	5
1-	पूर्व प्राथमिक	41•37	2•85	0•67
2-	पहली	36•29	3•79	5•99
3-	दूसरी	34•51	3•23	4•37
4-	तीसरी	33•84	3•07	3•92
5-	चौथी	32•33	2•61	2•49
6-	पाँचवीं	31•16	2•25	1•34
7-	छटवीं	28•07	2•15	1•22
8-	सातवीं	28•85	1•99	1•21
9-	आठवीं	27•97	1•79	0•94
10-	नवमीं	26•70	1•17	0•71
11-	दसवीं	28•95	1•33	0•65
12-	ग्यारहवीं	28•08	0•94	0•33
13-	बारहवीं	11•71	0•00	0•00
	योग	32•68	2•70	3•11

आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित

बालक शालाओं में छात्र संख्या

क्र0 शालाओं का प्रकार	बालक	बालिका	योग	कुल बालक शालाओं में दर्ज संख्या का प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
1- उच्चतर माध्यमिक शालाएँ	28164	2093	30257	41%
2- माध्यमिक शालाएँ	57867	8638	66505	32%
3- प्राथमिक शालाएँ	108019	26059	134078	41%
4- पूर्व प्राथमिक शालाएँ	6	13	21	1%
योग	194056	36803	230861	38%

आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित बालिका

शालाओं में छात्र संख्या

क्र0 शालाओं का प्रकार	बालक	बालिका	योग	बालिका शालाओं में कुल दर्ज संख्या का प्रतिशत
1- उच्चतर माध्यमिक शालाएँ	20	7324	7344	52•29
2- माध्यमिक शालाएँ	122	17485	17607	39•66
3- प्राथमिक शालाएँ	115	17269	17384	33•90
4- पूर्व प्राथमिक शालाएँ	-	-	-	-
योग	257	42078	42335	33•91

संभाग की सभी शालाओं में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति तथा विमुक्त जाति के छात्रों की जानकारी

क्र.	शालाओं का प्रकार	छात्र संख्या						
		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		विमुक्त जाति		महायोग
		बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
1	2	3	4	5	6	7	8	8
1-	उच्चतर माध्यमिक शालाएँ	5190	1419	5682	865	146	30	13332
	प्रतिशत	7•56	4•26	6•27	2•59	0•21	0•09	13•08
2-	माध्यमिक शालाएँ	19725	05094	21311	4076	1010	175	51391
	प्रतिशत	11•47	6•72	12•39	5•38	0•58	0•23	20•74
3-	प्राथमिक शालाएँ	30859	12951	71607	17541	1791	415	135164
	प्रतिशत	12•50	10•22	29•15	13•84	0•72	0•32	36•30
4-	आश्रमशालाएँ	340	137	175	71	16	6	645
	प्रतिशत	24•62	18•31	12•43	9•49	1•13	0•80	29•93
5-	पूर्व प्राथमिक शालाएँ	61	64	81	99	2	1	308
	प्रतिशत	4•74	6•61	6•49	1•02	0•15	0•10	13•66
	योग	56175	19665	98856	22652	2963	627	200938
	प्रतिशत	11•48	8•28	20•21	9•54	0•60	0•26	27•66

अनुसूचित जाति तथा जनजाति के छात्रों की कक्षावार दर्ज संख्या

क्र0 कक्षा	दर्ज छात्र संख्या							
	अनुसूचित जाति				अनुसूचित जनजाति			
	बालक	बालिका	कुल	प्रतिशत	बालक	बालिका	कुल	प्रतिशत
1 2	3	4	5	6	7	8	9	10
1- पूर्व प्राथमिक	689	488	1177	4•87	159	164	323	1•33
2- पहली	10982	5091	15073	11•84	28258	8129	36397	26•82
3- दूसरी	8216	3518	11734	10•80	20681	4965	25646	23•60
4- तीसरी	8274	3214	11488	10•99	17513	4098	21611	20•68
5- चौथी	7725	2454	10179	10•84	11616	2338	13954	14•86
6- पाँचवी	5350	1475	6825	10•44	6618	1011	7629	11•67
7- छटवीं	4663	1242	5905	10•25	4931	706	5637	9•78
8- सातवीं	3341	830	4171	10•01	3224	506	3730	8•95
9- आठवीं	3290	727	4017	9•89	3065	384	3449	8•49
10- नवमीं	1678	275	1953	8•32	1229	168	1397	5•95
11- दसवीं	1018	206	1224	7•95	748	101	849	5•52
12- ग्यारहवीं	948	145	1093	7•10	804	82	886	5•75
13- बारहवीं	1	-	1	1•02	-	-	-	-
योग	56175	19665	75840	10•44	98856	22652	121508	16•72

§ब§ विकलांगों हेतु शिक्षा

यह वर्ष राज्य में विकलांग वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस हेतु इंदौर शिक्षा संभाग में विकलांगों हेतु उपलब्ध शिक्षा सुविधा की जानकारी निम्न तालिकाओं में दी जा रही है :-

विकलांगों हेतु शिक्षा सुविधाएं

विकलांग	संस्थाओं की संख्या	छात्र संख्या			शिक्षक संख्या		
		बालक	बालिका	योग	पुरुष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7	8
1- नेत्र हीन	2	35	30	65	4	5	9
2- मूक एवं बधिर	1	49	23	72	3	3	6
योग	3	84	53	137	7	8	15

विकलांगों की शिक्षा पर व्यय

विकलांग	शासकीय	अशासकीय	योग
1	2	3	4
1- नेत्र हीन	20300	69313	89613
2- मूक एवं बधिर	11869	35087	46956
योग	32169	104400	136569

विकलांगों पर मदवार व्यय (शासकीय एवं अशासकीय)

विकलांग	वेतन तथा भत्ता	उपकरण	छात्र वृत्ति	अन्य	योग
1- नेत्र हीन	38130	8430	10880	32173	89613
2- मूक एवं बधिर	29913	2886	-	14157	46956
योग	68043	11316	10880	46330	136569

(क) अल्प भाषा-भाषी छात्रों को मातृभाषा में शिक्षा सुविधा

प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5 तक) पर अल्प भाषा भाषी छात्रों को दी जाने वाली शिक्षण सुविधाएँ

क्र0	अल्प भाषा समुदाय का नाम	शाखा/वर्ग संख्या जिनमें			छात्र संख्या			शिक्षक संख्या
		मातृभाषा में शिक्षण देने की व्यवस्था उपलब्ध है	मातृभाषा में शिक्षण देने की व्यवस्था उपलब्ध है	योग	कालम 3 के अंतर्गत मातृभाषा के माध्यम से पढ़ने वाले शाला में	कालम 4 के अंतर्गत मातृभाषा के माध्यम से पढ़ने वाले वर्ग में	योग	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	उर्दू	35	16	51	7939	1268	9187	218
2-	मराठी	17	2	19	1777	59	1836	66
3-	सिंधी	12	-	12	1107	-	1107	39
4-	गुजराती	2	-	2	715	-	715	18
	योग	66	18	84	11538	1307	12845	341

माध्यमिक स्तर (कक्षा 6 से 11 तक) पर अल्प भाषा-भाषी छात्रों को दी जाने वाली शिक्षण सुविधाएँ

क्र0	अल्प भाषा समुदाय का नाम	शाखा संख्या जिनमें		छात्र संख्या			शिक्षक संख्या		
		मातृभाषा में शिक्षण देने की व्यवस्था उपलब्ध है	मातृभाषा विषय के रूप में शिक्षण देने की सुविधा उपलब्ध है	कालम नं0 3 के अंतर्गत भाषा के माध्यम में पढ़ने वाले	कालम नं0 4 के अंतर्गत भाषा को विषय के रूप में पढ़ने वाले	योग	माध्यम के रूप में शिक्षा देने हेतु नियुक्त	विषय के रूप में शिक्षा देने हेतु नियुक्त	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	उर्दू	13	31	1900	1819	3719	75	41	116
2-	मराठी	6	14	897	345	1242	48	15	63
3-	सिंधी	5	-	594	-	594	31	-	31
4-	गुजराती	2	2	377	375	752	10	4	14
5-	पंजाबी	-	1	-	70	70	-	1	1
	योग	26	48	3768	2609	6377	164	61	225

भवन

(अ) संभाग में शाला भवनों की जानकारी

क्र0	शाला का प्रकार	शासकीय				
		शालाओं की संख्या जिनके पास भवन हैं				उन शालाओं की संख्या जिनके पास भवन नहीं हैं
		स्वयं के		किराए के		
		कच्चे	पक्के	कच्चे	पक्के	
1	2	3	4	5	6	7
1-	उच्चतर माध्यमिक शालाएं	2	154	1	7	
2-	माध्यमिक शालाएं	99	672	18	27	37
3-	प्राथमिक शालाएं	723	2036	47	88	150
4-	बुनियादी प्रशिक्षण संस्थाएं	-	2	-	-	1719
						1 *
	योग	824	2864	66	122	1907

* बुनियादी प्रशिक्षण संस्था अली राजपुर वहाँ के भूतपूर्व महाराजा के किराया मुक्त महल में लग रही है ।

(ब) व्यवस्थानुसार शाला भवनों की संख्या

क्र0	शाला/कार्या0 का प्रकार	शासकीय			अशासकीय		किराए की राशि
		लोक निर्माण विभाग	शिक्षा विभाग	अन्य	किराए के	बिन किराए के	
1	2	3	4	5	6	7	8
1-	उच्चतर माध्यमिक शालाएं	60	73	24	5	41	455
2-	माध्यमिक शालाएं	146	435	208	40	137	11439
3-	प्राथमिक शालाएं	153	1050	1179	90	2229	14034
4-	बुनियादी प्रशिक्षण संस्थाएं	2	1	-	-	1	-
5-	संभागीय शिक्षा अधीक्षक कार्यालय	1	-	-	-	-	-
6-	जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय	5	-	-	-	-	-
7-	अहिल्या केंद्रीय पुस्तकालय	1	-	-	-	-	-
	योग	368	1559	1411	135	2408	25928

* जिला शिक्षा अधिकारी इंदौर का कार्यालय लगता है ।

अध्याय - 4

छात्रावास

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में उपलब्ध छात्रावास सुविधा

क्र0	विभाग का नाम	मान्य छात्रावासों की संख्या	छात्रावास में निवास कर रहे छात्रों की संख्या
1	2	3	4
1-	शिक्षा विभाग	6	910
2-	आदिम जाति कल्याण विभाग	95	2982
3-	अन्य	13	823
	योग	114	4715

अध्याय - 5

शिक्षा विभाग द्वारा संचालित उच्चतर माध्यमिक शालाओं में पढ़ाए जाने वाले विषयों की जानकारी

क्र0	नाम जिला	उच्चतर माध्यमिक शालाओं की संकाय अनुसार संख्या					
		कला संकाय	विज्ञान गणित	विज्ञान जीव विज्ञान	गृह विज्ञान	वाणिज्य	वृत्ति विज्ञान
1	2	3	4	5	6	7	8
1-	इंदौर	31	30	34	7	15	1
2-	देवास	22	17	21	1	6	-
3-	धार	10	9	8	1	5	-
4-	झाबुआ	-	-	-	-	-	-
5-	खरगोन	11	12	11	2	7	1
	योग	74	68	74	11	33	2

क्र0 शाला का नाम/प्राचार्य का नाम, स्थापना वर्ष	पढ़ाए जाने वाले विषय
1 2	3
1- बहु0 उ0मा0वि0 बाल विनय मंदिर इंदौर/ श्री जी0 पी0 कटारे/ स्थापना वर्ष 1-7-42	हिंदी, अंग्रेजी, सामान्य हिंदी/अंग्रेजी, गणित जीव विज्ञान तथा गृह विज्ञान
2- बहु0 नूतन उ0मा0वि0 क्र0 1 इंदौर/श्री एन0के0 जैन नवंबर 1952 *	हिंदी, उर्दू, मराठी, सा0 संस्कृत/हिंदी/अंग्रेजी, गणित, जीव विज्ञान तथा वाणिज्य
3- नूतन उ0मा0वि0 क्र0 2 इंदौर/ श्री एल0एन0 भट्ट/नवंबर 1965	हिंदी, सा0 अंग्रेजी तथा वाणिज्य
4- नूतन उ0मा0वि0 क्र0 3 इंदौर/ श्री पी0 के0 सोर्वाकिया/नवं01965	हिंदी, सा0 संस्कृत/हिंदी/अंग्रेजी, गणित,जीव विज्ञान व वाणिज्य
5- महाराजा शिवाजी राव उ0मा0वि0क्र0 1 इंदौर/ श्री जी0एन0 शिवाडे/स्थापना वर्ष 1841	हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी सा0 संस्कृत /अंग्रेजी/हिंदी/गणित, जीव वि0
6- महाराजा शिवाजी राव उ0मा0वि0 क्र0 2 इंदौर/ श्री एस0एस0 चौहान/ स्था0 वर्ष 1967	हिंदी, उर्दू, मराठी, सामा0 अंग्रेजी/ हिंदी, गणित, जीव विज्ञान, तथा वाणिज्य
7- महाराजा शिवाजी राव उ0मा0वि0 क्र0 3 इंदौर/ श्री जी0एस0 कश्यप/ स्था0 वर्ष 1967	हिंदी, उर्दू, मराठी, सा0संस्कृत/हिंदी/अंग्रेजी, नागरिक शा0 अर्थ शास्त्र, इतिहास, भूगोल, गणित तथा जीव विज्ञान
8- बहु0 आवासीय मल्हाराश्रम उ0मा0वि0 इंदौर/ श्री डा0 पी0 दुबे/स्थापना वर्ष 1922	हिंदी, सामान्य अंग्रेजी, नागरिक शास्त्र, इतिहास, भूगोल, गणित, जीव विज्ञान,कृषि तथा वाणिज्य।
9- संयोगितागंज उ0मा0वि0 क्र0 1 इंदौर/ श्री व्ही0एन0 बागवी	हिंदी, अंग्रेजी सा0 संस्कृत/हिंदी/अंग्रेजी, नागरिक शास्त्र, अर्थ शा0, गणित, इतिहास, जीव विज्ञान तथा वाणिज्य।
10- संयोगितागंज उ0मा0वि0 क्र0 2 इंदौर/श्री एस0 बी0 गोखरु/ स्थापना वर्ष 1-7-66	हिंदी, सामान्य संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिक शास्त्र, इतिहास, भूगोल, अर्थ शास्त्र, गणित, जीव विज्ञान तथा वाणिज्य।
11- सिंधी उ0मा0वि0 इंदौर/ श्री सुमेर जटाले /	हिंदी, सामान्य संस्कृत,/ अंग्रेजी, नागरिक शास्त्र, अर्थ शा0, इतिहास, भूगोल, गणित, जीव विज्ञान तथा वाणिज्य।

1	2	3
12-	नंदानगर उ०मा०वि० इंदौर/ श्री एस० आर० दुबे/ 1-7-67	हिंदी, सामान्य संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिक शास्त्र, अर्थ शास्त्र, इतिहास भूगोल, गणित, जीव विज्ञान तथा वाणिज्य ।
13-	उ०मा०वि० राऊ/ श्री आर० एन० विजयवर्गीय/जुलाई 1960	हिंदी, सामान्य संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिक शास्त्र, अर्थ शास्त्र, इति० गणित तथा जीव विज्ञान
14-	उ०मा०वि० कंपेल/ श्री जे० सी० जोशी	हिंदी, सा०अंग्रेजी/ नागरिक शास्त्र, अर्थ शास्त्र, इतिहास, गणित तथा जीव विज्ञान ।
15-	उ०मा०वि० बालामण्डल (कस्तूरबा ग्राम,पो०) इंदौर / प्राचार्य श्री कान्ति पंतोजी/स्थापना वर्ष 25-10-75	हिंदी, सा० संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिक शास्त्र, अर्थ शास्त्र, इतिहास, गणित तथा जीव विज्ञान
16-	आदर्श उ०मा०वि० हातोद /श्रीमती आभाते/ दि०30-9-81 की स्थिति में प्राचार्य श्री एस० के० कलेर/1-7-55	हिंदी, सामान्य अंग्रेजी/संस्कृत, नागरिक शास्त्र, अर्थ शास्त्र, इतिहास गणित, जीव विज्ञान तथा वाणिज्य
17-	बहु० मालव कन्या उ०मा०वि० इंदौर/ श्रीमती कुसुम गोस्वामी/ स्थापना वर्ष 1-7-1954	हिंदी, उर्दू, सामान्य संस्कृत/अंग्रेजी/हिंदी, नागरिक शास्त्र, अर्थ शास्त्र इतिहास, भूगोल, मनोविज्ञान, समाज शास्त्र, जीव विज्ञान, गृह वि० संगीत, ललित कला ।
18-	बहु० अहिल्याश्रम एवं चंद्रावती महिला उ०मा०वि० इंदौर/ श्रीमती सी० नेवा / स्थापना वर्ष 1913	हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, सामान्य संस्कृत/अंग्रेजी/हिंदी, गणित, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान तथा ललित कला ।
19-	अहिल्याश्रम एवं चंद्रावती महिला उ०मा०वि० क्र० 2 इंदौर/ श्रीमती कला जोशी/स्थापना वर्ष 1966	हिंदी, उर्दू, मराठी, सामान्य संस्कृत/हिंदी/अंग्रेजी, इतिहास, भूगोल, गृह विज्ञान(कला), भारतीय संगीत, समाज शास्त्र (उच्चसमूह) जीव वि० संगीत (कला समूह)

1	2	3
20-	गीता भवन कन्या उ०मा०वि० इंदौर/श्रीमती [illegible] व्यास/ स्थापना वर्ष 1928	हिंदी, सामान्य संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिक शास्त्र, अर्थ शास्त्र, संगीत, सा० गृह शास्त्र, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान तथा ललित कला
21-	कस्तूरबा कन्या उ०मा०वि० इंदौर/ श्रीमती लीलावती पांडे स्थापना वर्ष 1949	हिंदी, उर्दू मराठी, सा० संस्कृत/हिंदी/अंग्रेजी, नागरिक शास्त्र, अर्थ शास्त्र, इतिहास, भूगोल, गृह विज्ञान (कला), गणित, जीव वि०, गृह वि० तथा संगीत।
22-	संयोगितागंज कन्या उ०मा०वि० इंदौर/ श्रीमती निर्मला आपटे/ स्थापना वर्ष 14-12-1972/	हिंदी, सा० हिंदी, अंग्रेजी, नागरिक शास्त्र, इतिहास, अर्थ शास्त्र, जीव विज्ञान तथा गृह विज्ञान।
23-	नेहरू नगर कन्या उ०मा० वि० इंदौर/ श्रीमती लीला [illegible] / स्थापना वर्ष 1972	हिंदी, मराठी, सा० संस्कृत/हिंदी/अंग्रेजी, नागरिक शास्त्र, अर्थ शास्त्र, इतिहास, भूगोल, गृह विज्ञान (कला) तथा जीव विज्ञान।
	तहसील महू	
24-	महू उ०मा०वि० क्र० 1 महू/ श्री एल०एस० व्यास/ 1954	हिंदी, अंग्रेजी, सा० हिंदी/अंग्रेजी, गणित तथा जीव विज्ञान।
25-	उ० मा०वि० क्र० 2 महू/, श्री जे० मोहन/ 16-11-63	हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी, सा०, संस्कृत/हिंदी (सामान्य) इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, गणित, वाणिज्य तथा ललित कला।
26-	उ० मा०वि० हरसोला/ श्री एस० बी० ठाकुर/	हिंदी, सा० संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिक शा० अर्थ० शा०, इतिहास, गणित तथा जीव विज्ञान।
27-	उ०मा०वि० गवलीपलासिया श्री एल०एस० सत्ती/ 1962/	हिंदी, सा० संस्कृत/अंग्रेजी, ना० शा०, अ० शा०, भूगोल, गणित व जीव वि०
28-	उ०मा०वि० मानपुर/ श्री व्ही० के० जैन/ स्थापना वर्ष जुलाई 1958	हिंदी, सा० अंग्रेजी/संस्कृत, ना० शा०, अर्थ० शा०, इतिहास, भूगोल, गणित तथा जीव विज्ञान।
29-	उ०मा०वि० धार नाका/ श्री बी० जी० कर्वे/ 1-7-61	हिंदी, सा० संस्कृत/अंग्रेजी, ना० शा० इतिहास, भूगोल, तथा जीव वि०
30-	उ०मा०वि० दतोदा/ श्री डी०एस० दीक्षित/ 1967/	हिंदी, सा० संस्कृत,/अंग्रेजी, ना० शा०, अ० शा०, इति०, भूगोल, गणित तथा जीव विज्ञान

1	2	3
तेहसील देपालपुर		
31-	उ०मा०वि० देपालपुर/ श्री ललित कुमार मावर/1958	हिंदी, उर्दू, सा०हिंदी, अंग्रेजी/संस्कृत /उर्दू/नागरिकशास्त्र/अर्थशास्त्र/ इतिहास/गणित/जीवविज्ञान तथा वाणिज्य
32-	उ०मा०वि०गौतमपुरा/ श्री आर०एस०जोशी / 1960	हिन्दी, सा०संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र/अर्थशास्त्र/भूगोल/गणित/ जीवविज्ञान/ वाणिज्य
33-	उ०मा०वि०बेटमा / श्री आर० सी० शर्मा / 1959	हिन्दी, सा०संस्कृत/अंग्रेजी/नागरिकशास्त्र/अर्थशास्त्र/इतिहास/कृषि तथा गणित
34-	उ०मा०वि० गिरोता / श्री एस०एस०नागर / 20-7-70	हिन्दी, सा०अंग्रेजी/संस्कृत/नागरिकशास्त्र/अर्थशास्त्र /इतिहास/
तेहसील सांवेर		
35-	उ०मा०वि०सांवेर / श्री के०के०शर्मा / 1956	हिन्दी, भूगोल/गणित/ जीवविज्ञान तथा वाणिज्य /सा०संस्कृत/अंग्रेजी/ नागरिकशास्त्र / इतिहास
36-	उ०मा०वि०चन्द्रावतीगंज/श्री बलदेवसिंह वर्मा/ ---	हिन्दी, सा०संस्कृत, अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र/अर्थशास्त्र/इतिहास/भूगोल/ तथा गणित
37-	उ०मा०वि० कनाड़िया / श्री आय०सी०शर्मा / 1962	हिन्दी, सा०संस्कृत, अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र /इतिहास/ भूगोल /गणित तथा जीवविज्ञान
38-	उ०मा०वि० मांगल्या / श्री वसंत पु० दाणेकर/ 12-10-72	हिन्दी, सा०संस्कृत, अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास गणित तथा जीवविज्ञान
जिला देवास		
तेहसील देवास		
39-	बहु०मा०वि०मं०उ०मा०वि०/श्री के०पी०शुक्ला /1872 क्र० १ देवास	हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, सा०संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी/गणित तथा जीवविज्ञान

2	3
40- उ०मा०वि० कु० 2 देवास/ श्री एस०एन० मुलतानेकर/1-7- 1966	हिंदी, अंग्रेजी, सा०संस्कृत/अंग्रेजी, ना० शा०, अर्थ शा०, इतिहास, भूगोल, गणित, जीव विज्ञान तथा वाणिज्य
41- उ०मा०वि० ड्बल चौकी/श्री के०बी० जोशी/28-7-79	हिंदी, सा० संस्कृत/ अंग्रेजी, ना० शा० अ० शा० इतिहास, गणित तथा जीव विज्ञान
42- उ०मा०वि० क्षिप्रा/ श्री एस० एल० नाफडे/सितंबर 1962	हिंदी, सा० संस्कृत/ अंग्रेजी, ना० शा०, अ० शा०, इतिहास, गणित तथा जीव विज्ञान।
43- उ०मा०वि० सिरोलिया/ डा० एम०एम० दुबे/1964	हिंदी, सा० अंग्रेजी, ना० शा० अ० शा० भूगोल तथा जीव विज्ञान
44- शु० महारानी चिमनाबाई कन्या उ०मा०वि० देवास/ श्रीमती ओम प्रभा श्रीवास्तव/स्थापना वर्ष 1959	हिंदी, अंग्रेजी, सा० संस्कृत/सा० हिंदी/अंग्रेजी, ना० शा०, अ०शा०, इतिहास, गृह विज्ञान(कला) संगीत(कला) गणित तथा जीव वि० गृह विज्ञान तथा संगीत
45- महारानी राधाबाई कन्या उ•मा•वि•देवास/ श्रीमती सरोज गजरी / 26-6-1973	हिन्दी, सा•संस्कृत/हिन्दी, नागरिकशास्त्र, इतिहास, भूगोल, होमसाइन्स(कला), गणित तथा जीवविज्ञान
46- उ•मा•वि• सोनकच्छ / श्री आर•के•श्रीवास्तव 17-7-1960	हिन्दी, सा•संस्कृत, अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास भूगोल, गणित तथा वाणिज्य
47- उ•मा•वि• कन्या सोनकच्छ / श्रीमती एस•एस•लोमण 12-8-1962	हिन्दी, सा•संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, जीवविज्ञान तथा संगीत
48- उ•मा•वि• भौंरासा / श्री आय•ए•खान /1-7-1961	हिन्दी, सा•संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, गणित तथा जीवविज्ञान
49- उ•मा•वि• टोंकखुर्द / श्री बी•सी•गौतम / अक्टूबर 1962	हिन्दी, सा•संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, तथा गणित
50- उ•मा•वि• पीपलरांवा/ श्री एम०एम०एल० श्रीवास्तव 1-7-72	हिन्दी, सा•अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल तथा जीवविज्ञान

1	2	3
51-	उ•मा•वि•पाटल्या / श्री पी•ए•कस्दे /जुलाई 1969	हिन्दी, अंग्रेजी, सा•संस्कृत/नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, गणित तथा जीवविज्ञान
	तेहसील बागली	
52-	उ•मा•वि• बागली/जे•आर•बौरे / 1-7-1958	हिन्दी, अंग्रेजी, सा•हिन्दी, अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल, गणित तथा जीवविज्ञान
53-	उ•मा•वि• हाटपीपल्या/श्री य•ज•सहस्त्रबुद्धे/ 15-8-61	हिन्दी, सा•संस्कृत, अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, गणित, जीवविज्ञान तथा वाणिज्य
54-	उ•मा•वि• कन्या हाटपीपल्या/श्रीमती सीमा साकोरीकर 2 जनवरी 1961	हिन्दी, सा•संस्कृत, अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, गृहविज्ञान(कला) जीवविज्ञान
55-	उ•मा•वि• कमलापुर /श्री•एस• बुद्धिवन्त/1-7-1973	हिन्दी, सा•अंग्रेजी; नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास गणित तथा जीवविज्ञान
56-	उ•मा•वि• उदयनगर / श्री जी•व्ही•कजवाडकर/ जुलाई 1974	हिन्दी, सा•अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, तथा जीवविज्ञान
	तेहसील कन्नौद	
57-	उ•मा•वि• कन्नौद /डा•श्यामसुन्दर बौद्धिक 17-7-1948	हिन्दी; सा•अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, गणित, जीवविज्ञान, कृषि तथा वाणिज्य
58-	उ•मा•वि• लोहार्दा / श्री के•एन•दुबे /1960	हिन्दी, सा•संस्कृत, सा•अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र तथा इतिहास गणित तथा जीवविज्ञान

1	2	3
59-	उ•मा•वि• सत्वास / श्री सी•एच•पाराशर 1-7-72	हिन्दी, सा•अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, गणित तथा जीवविज्ञान

तेहसील खातेगांव

1	2	3
60-	उ•मा•वि•खातेगांव / श्री के•एल•दुबे 21-5-1960	हिन्दी, सा•संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास गणित, जीवविज्ञान, कृषि तथा वाणिज्य
61-	उ•मा•वि• जियागांव / श्री प्रभारी 15-8-79	हिन्दी, सा•अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास तथा जीवविज्ञान

जिला धार

तेहसील धार

1	2	3
62-	श्री आनन्द बह•उ•मा•वि• क्रमांक 1 धार श्री आर•के•ठाकुर/ 1950	हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, सामान्य संस्कृत/हिन्दी/अंग्रेजी, गणित, जीवविज्ञान तथा वाणिज्य
63-	श्री आनन्द बह•उ•मा•वि• क्रमांक 2 धार श्री के•एस•त्रिवेदी / 1-7-1966	हिन्दी, उर्दू, सा•संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, गणित, जीवविज्ञान तथा ललित कला
64-	भोज कन्या उ•मा•वि• धार/कु•चमेलीदेवी वर्मा 1937	हिन्दी, उर्दू, सा•संस्कृत, सा•अंग्रेजी, सा•हिन्दी, सा•उर्दू, नागरिकशास्त्र अर्थशास्त्र, इतिहास, गृहविज्ञान (कला) उच्च संस्कृत, गणित, जीव विज्ञान तथा गृह विज्ञान।

65- तेहसील बदनावर

1	2	3
65-	उ•मा•वि• बदनावर /श्री के•एस•पलवा/ ----	हिन्दी/अंग्रेजी/सा•संस्कृत/अंग्रेजी/हिन्दी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र इतिहास, गणित, जीवविज्ञान तथा वाणिज्य
66-	उ•मा•वि• कन्या बदनावर /श्री इन्द्रनारायण श्रीवास्तव / ----	हिन्दी/सा•संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास तथा जीवविज्ञान
67-	उ•मा•वि• नागदा /श्री जी•आर•नेगी 10-6-73	हिन्दी/सा•संस्कृत, अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास गणित तथा जीवविज्ञान

1	2	3
	तहसील देपालपुर	
	31- उ०मा०वि० देपालपुर/ श्री [illegible] कुमार [illegible]/1958	हिंदी, उर्दू, सा०हिंदी, अंग्रेजी/संस्कृत /उर्दू/नागरिकशास्त्र/अर्थशास्त्र/ इतिहास/गणित/जीवविज्ञान तथा वाणिज्य
	32- उ०मा०वि०गौतमपुरा/ श्री आर•एस•जोशी /1960	हिन्दी, सा०संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र/अर्थशास्त्र/भूगोल/गणित/ जीवविज्ञान/ वाणिज्य
	33- उ०मा०वि०बेटमा / श्री आर० सी० शर्मा / 1959	हिन्दी ,सा०संस्कृत/अंग्रेजी/नागरिकशास्त्र/अर्थशास्त्र/इतिहास/कृषि तथा गणित
	34- उ०मा०वि० गिरोता / श्री एस•एम•नागर / 20-7-70	हिन्दी,सा०अंग्रेजी/संस्कृत/नागरिकशास्त्र/अर्थशास्त्र /इतिहास/
	तहसील सांवेर	
	35- उ०मा०वि०[illegible] / श्री के•के•शर्मा 1958	हिन्दी,भूगोल/गणित/ जीवविज्ञान तथा वाणिज्य /सा०संस्कृत/अंग्रेजी/ नाग•शास्त्र / इतिहास
	36- उ०मा०वि०चन्द्रावतीगंज/श्री बलदेवसिंह वर्मा/ ---	हिन्दी,सा•संस्कृत ,अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र/अर्थशास्त्र/इतिहास/भूगोल/ तथा गणित
	37- उ०मा०वि० [illegible] / श्री आर•सी•शर्मा / 1962	हिन्दी ,सा•संस्कृत,अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र ,अर्थशास्त्र /इतिहास/ भूगोल /गणित तथा जीवविज्ञान
	38- उ०मा०वि० मांगल्या / श्री बसंत पु•डाणेकर/ 12-10-72	हिन्दी ,सा•संस्कृत,अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र ,इतिहास गणित तथा जीवविज्ञान
	जिला देवास	
	तहसील देवास	
	39- [illegible] / श्री के•पी•शुक्ला /1972 [illegible] देवास	हिन्दी ,उर्दू [illegible] , सा•संस्कृत,हिन्दी ,अंग्रेजी/गणित तथा जीवविज्ञान

1	2	3
40-	उ0मा0वि0 क्र0 2 देवास/ श्री एस0एन0 मुलतानेकर/1-7-1966	हिंदी, अंग्रेजी, सा0संस्कृत/अंग्रेजी, ना0 शा0, अर्थ शा0, इतिहास, भूगोल, गणित, जीव विज्ञान तथा वाणिज्य
41-	उ0मा0वि0 उच्च चौकी श्री के0बी0 जोशी/28-7-79	हिंदी, सा0 संस्कृत/ अंग्रेजी, ना0 शा0 अ0 शा0 इतिहास, गणित तथा जीव विज्ञान
42-	उ0मा0वि0 क्षिप्रा/ श्री एस0 एल0 नाफडे/सितंबर 1962	हिंदी, सा0 संस्कृत/ अंग्रेजी, ना0 शा0, अ0 शा0, इतिहास, गणित तथा जीव विज्ञान।
43-	उ0मा0वि0 सिरोंलिया/ डा0 एम0एम0 दुबे/1964	हिंदी, सा0 अंग्रेजी, ना0 शा0 अ0 शा0 भूगोल तथा जीव विज्ञान
44-	शु0 महारानी शिवाबाई कन्या उ0मा0वि0 देवास/ श्रीमती ओम प्रभा श्रीवास्तव/स्थापना वर्ष 1959	हिंदी, अंग्रेजी, सा0 संस्कृत/सा0 हिंदी/अंग्रेजी, ना0 शा0, अ0शा0, इतिहास, गृह विज्ञान(कला) संगीत(कला) गणित तथा जीव वि0 गृह विज्ञान तथा संगीत
45-	महारानी राधाबाई कन्या उ•मा•वि•देवास/ श्रीमती सरोज मजुमदार / 26-6-1973	हिन्दी, सा•संस्कृत/हिन्दी, नागरिकशास्त्र, इतिहास, भूगोल, होमसाइन्स(कला), गणित तथा जीवविज्ञान
46-	उ•मा•वि• सोनकच्छ / श्री आर•के•श्रीवास्तव 17-7-1960	हिन्दी, सा•संस्कृत, अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास भूगोल, गणित तथा वाणिज्य
47-	उ•मा•वि• कन्या सोनकच्छ / श्रीमती एस•एस•लोमण 12-8-1962	हिन्दी, सा•संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, जीवविज्ञान तथा संगीत
48-	उ•मा•वि• भौंरासा / श्री आय•ए•खान /1-7-1961	हिन्दी, सा•संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, गणित तथा जीवविज्ञान
49-	उ•मा•वि• टोंकखुर्द / श्री बी•सी•गौतम / अक्टूबर 1962	हिन्दी, सा•संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, तथा गणित
50-	उ•मा•वि• पीपलरांवा/ श्री एम0एम0एल0 श्रीवास्तव 1-7-72	हिन्दी, सा• अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल तथा जीवविज्ञान

1	2	3
51-	उ•मा•वि•गाडल्या / श्री बी•ए•कस्बे /जुलाई 1969	हिन्दी,अंग्रेजी, सा•संस्कृत/नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,इतिहास, गणित तथा जीवविज्ञान
तेहसील बागली		
52-	उ•मा•वि• बागली/जे•आर•चौरे / 1-7-1958	हिन्दी,अंग्रेजी,सा•हिन्दी,अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र, भूगोल, गणित तथा जीवविज्ञान
53-	उ•मा•वि• हाटपीपल्या/श्री रा•ज•सहस्त्रबुद्धे/ 15-3-61	हिन्दी,सा•संस्कृत,अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,इतिहास, गणित, जीवविज्ञान तथा वाणिज्य
54-	उ•मा•वि• कन्या हाटपीपल्या/श्रीमती सीमा साकोरीकर 2 जनवरी 1967	हिन्दी,सा•संस्कृत,अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,गृहविज्ञान(कला) जीवविज्ञान
55-	उ•मा•वि• कमलापुर /श्री•एस• बुद्धिवन्त/1-7-1973	हिन्दी,सा•अंग्रेजी;नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,इतिहास गणित तथा जीवविज्ञान
56-	उ•मा•वि• उदयनगर / श्री जी•व्ही•किरवाड़कर/ जुलाई 1974	हिन्दी,सा•अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,इतिहास ,तथा जीवविज्ञान
तेहसील कन्नौद		
57-	उ•मा•वि• कन्नौद /डा•श्यामसुन्दर बौराष्ट्र 17-7-1948	हिन्दी;सा•अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,इतिहास, गणित, जीवविज्ञान, कृषि तथा वाणिज्य
58-	उ•मा•वि• लोहार्दा / श्री के•एन•दुबे /1960	हिन्दी,सा•संस्कृत,सा•अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र तथा इतिहास गणित तथा जीवविज्ञान

1	2	3
59-	उ॰मा॰वि॰ सत्वास / श्री सी॰एच॰पाराशर 1-7-72	हिन्दी, सा॰अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, गणित तथा जीवविज्ञान
तेहसील खातेगांव		
60-	उ॰मा॰वि॰खातेगांव / श्री के॰एल॰दुबे 21-3-1960	हिन्दी, सा॰संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास गणित, जीवविज्ञान, कृषि तथा वाणिज्य
61-	उ॰मा॰वि॰ जियागांव / श्री प्रभारी 15-8-79	हिन्दी, सा॰अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास तथा जीवविज्ञान
जिला धार		
तेहसील धार		
62-	श्री आनन्द बह॰उ॰मा॰वि॰ क्रमांक 1, धार श्री आर॰के॰ठाकुर/ 1950	हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, सामान्य संस्कृत/हिन्दी/अंग्रेजी, गणित, जीवविज्ञान तथा वाणिज्य
63-	श्री आनन्द बह॰उ॰मा॰वि॰ क्रमांक 2 धार श्री के॰एम॰त्रिवेदी / 1-7-1966	हिन्दी, उर्दू, सा॰संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, गणित, जीवविज्ञान तथा ललित कला
64-	भोज कन्या उ॰मा॰वि॰ धार/कु॰चमेलीदेवी वर्मा 1937	हिन्दी, उर्दू, सा॰संस्कृत, सा॰अंग्रेजी, सा॰हिन्दी, सा॰उर्दू, नागरिकशास्त्र अर्थशास्त्र, इतिहास, गृहविज्ञान (कला) उच्च संस्कृत, गणित, जीव विज्ञान तथा गृह विज्ञान ।
65-	तेहसील बदनावर	
65-	उ॰मा॰वि॰ बदनावर /श्री के॰एस॰पलवा/ ----	हिन्दी/अंग्रेजी/सा॰संस्कृत/अंग्रेजी/हिन्दी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र इतिहास, गणित, जीवविज्ञान तथा वाणिज्य
66-	उ॰मा॰वि॰ कन्या बदनावर /श्री इन्द्रनारायण श्रीवास्तव / ----	हिन्दी/सा॰संस्कृत/अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास तथा जीवविज्ञान
67-	उ॰मा॰वि॰ नागदा /श्री जी॰आर॰नेगी 18-6-73	हिन्दी/सा॰संस्कृत, अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास गणित तथा जीवविज्ञान

1	2	3
68-	उ•मा•वि• कोद / श्री बी•बी•मिश्रा	हिन्दी,सा•संस्कृत ,सा•अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,इतिहास, गणित तथा वाणिज्य
69-	उ•मा•वि• डिडवाना/श्री पी•एच•केलकर/---	हिन्दी,सा•संस्कृत/अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,इतिहास गणित , जीवविज्ञान तथा वाणिज्य
70-	उ•मा•वि• बखतगढ / श्री व्ही•के•जोशी/1974	हिन्दी,सा•संस्कृत;सा•अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,इतिहास तथा गणित
71-	उ•मा•वि• कानवन / श्री एन•एल•राजपुरोहित/ 2-11-68	हिन्दी,सा•संस्कृत,सा•अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,इतिहास, गणित तथा वाणिज्य
72-	उ•मा•वि• भैंसोला / श्री वाय•वी•रेवे /---	हिन्दी,सा•अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,इतिहास,गणित तथा जीवविज्ञान

<u>जिला खरगोन</u>

तेहसील खरगोन

73-	बहु•देवी अहिल्या उ•मा•वि• कुमांक 1 खरगोन श्री रमाकान्त तिवारी / 1-5-26	हिन्दी,उर्दू ,अंग्रेजी,सा•संस्कृत,सा•हिन्दी,सा•अंग्रेजी, गणित जीवविज्ञान तथा कृषि विज्ञान
74-	उ•मा•वि• कुमांक 2 खरगोन/श्री आर•सी•दलाल / 15-11-65	हिन्दी,उर्दू,सा•संस्कृत,सा•अंग्रेजी•सा•हिन्दी,नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास ,भूगोल , गणित तथा वाणिज्य
75-	उ•मा•वि• कन्या खरगोन /श्रीमती सावित्री दर/ 58-59	हिन्दी,उर्दू,अंग्रेजी,सा•संस्कृत,हिन्दी,अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र,इतिहास , गृहविज्ञान{कला} संगीत {कला} गणित तथा जीवविज्ञान

1	2	3
तेहसील कसरावद		
76-	उ॰मा॰वि॰ कसरावद / श्री एन॰एम॰पठान 18-7-58	हिन्दी, सा॰संस्कृत, सा॰अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, इतिहास, भूगोल, गणित तथा जीवविज्ञान
77-	उ॰मा॰वि॰ कन्या कसरावद / श्रीमती विमला कानेटकर /	हिन्दी, सा॰संस्कृत, सा॰अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास तथा जीवविज्ञान
78-	उ॰मा॰वि॰ पीपलगोन / श्री एच॰एम॰ जोशी स्थापना वर्ष 15-8-62	हिन्दी, सा॰संस्कृत, सा॰अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास तथा गणित
79-	उ॰मा॰वि॰ सिनगुन / कुमारी प्राचार्य	हिन्दी, सा॰संस्कृत, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, तथा इतिहास
80-	उ॰मा॰वि॰ खानखेड़ा / श्री आर॰जी॰जोशी 26-1-73	हिन्दी, सा॰अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, गणित तथा जीवविज्ञान
81-	उ॰मा॰वि॰ बलवाड़ा / श्री सुखदेव निगम जुलाई 1973	हिन्दी, सा॰संस्कृत, सा॰अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र तथा गणित
82-		
तहसील बड़वाह		
82-	उ॰मा॰वि॰ बड़वाह / श्री डी॰एस॰परदेशी 1-10-59	हिन्दी, सा॰संस्कृत, सा॰अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल गणित, जीवविज्ञान तथा वाणिज्य
83-	उ॰मा॰वि॰ कन्या बड़वाह / श्रीमती विद्यावती होल्कर /	हिन्दी, सा॰संस्कृत, सा॰अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, गृहविज्ञान (कला), गणित तथा जीवविज्ञान
84-	उ॰मा॰वि॰ बलवाड़ा / श्री पी॰एन॰सालसानकर 24-3-77	हिन्दी, सा॰अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, जीवविज्ञान तथा वाणिज्य
85-	उ॰मा॰वि॰ बैड़िया / श्री बी॰एम॰वर्मा ? जुलाई 1967	हिन्दी, सा॰अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र, इतिहास, भूगोल, गणित तथा जीवविज्ञान

1	2	3
86-	उ•मा•वि• मनावद / श्री पी•पी•सक्सेना	हिन्दी,उर्दू,सा•संस्कृत,सा•अंग्रेजी,सा•हिन्दी,नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास,गणित ,जीवविज्ञान तथा वाणिज्य
87-	उ•मा•वि• कन्या मनावद / कु•ए•जुडेर	हिन्दी,अंग्रेजी,सा•संस्कृत,सा•हिन्दी,सा•अंग्रेजी, नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,जीवविज्ञान तथा गृहविज्ञान
88-	उ•मा•वि• जेठवाय /श्री जी•के•उपाध्याय 6-6-73	हिन्दी,सा•अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,इतिहास तथा वाणिज्य
89-	उ•मा•वि•काटकूट / प्रभारी प्राचार्य 29-7-78	हिन्दी,सा•अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,तथा इतिहास
90-	उ•मा•वि• बांगरदा / श्री व्ही•एस•नाईक 16-7-73	हिन्दी,सा•अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,इतिहास गणित तथा वाणिज्य
91-	उ•मा•वि• वागोद / प्रभारी प्राचार्य 7-7-79	हिन्दी ,सा•अंग्रेजी,नागरिकशास्त्र,अर्थशास्त्र,इतिहास गणित तथा जीवविज्ञान

अध्याय ६

प्रशिक्षण

शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु इन्दौर शिक्षा संभाग में निम्नानुसार सुविधाएं उपलब्ध हैं -

बी०एड० तथा एम०एड० प्रशिक्षण

शासकीय शिक्षा महा विद्यालय, देवास तथा इन्दौर विश्व विद्यालय के केंद्रीय शिक्षा महा विद्यालय, इन्दौर में बी० एड० प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध है। एम० एड० प्रशिक्षण हेतु यहां के प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षा महा विद्यालय, इन्दौर, शिक्षा महा विद्यालय, उज्जैन तथा राज्य शिक्षा संस्थान, भोपाल भी भेजा जाता है।

छात्र संख्या

क्र०सं०	नाम संस्था	छात्र संख्या		
		एम०एड०	बी०एड०	कुल
१	२	३	४	५
१)	शिक्षा महा विद्यालय, देवास	-	११२	११२
२)	" इन्दौर	१२	१८०	१९२
३)	" उज्जैन	३	-	३
४)	राज्य शिक्षा संस्थान, भोपाल	१	-	१
	योग	१६	२९२	३०८

बुनियादी प्रशिक्षण

बुनियादी प्रशिक्षण हेतु संभाग में ३ प्रशिक्षण संस्थाएं इन्दौर, खरगोन तथा झाबुआ जिले में कार्यरत हैं। महिलाओं हेतु कोई पृथक से प्रशिक्षण संस्था इस संभाग में नहीं है।

अध्ययनरत छात्रों की जानकारी

क्र०	नाम संस्था	छात्र संख्या					
		कुल	बालिका	अनु०जाति		अनु०जनजाति	
				कुल	बालिका	कुल	बालिका
१	२	३	४	५	६	७	८
१)	कृनि०प्रशिक्षण संस्था, बिजलपुर (इन्दौर)	१११(७७)	५४	८	२	१९	६
२)	,, सगोन	११३(२२)	१५	१४	२	४९	७
३)	,, अलिराजपुर (झाबुआ)	११(६७)	१२	२५	१	५६	२
	योग	४४१(२१)	८१	४७	५	१२४	१५

शिक्षा विभागीय प्रशिक्षण संस्थाओं में शिक्षक संख्या

क्र०पु०	नाम संस्था	शिक्षक संख्या		
		पुरुष	महिला	योग
१	२	३	४	५
१)	शिक्षा महाविद्यालय, देवास	१५	-	१५
२)	कृनि० प्रशिक्षण संस्था, बिजलपुर	१०	४	१४
३)	,, सगोन	९	-	९
४)	,, अलिराजपुर	५	-	५
	योग	३९	४	४३

व्यय

क्र०पु०	नाम संस्था	प्रत्यक्ष व्यय	अप्रत्यक्ष व्यय	योग
१)	शिक्षा महाविद्यालय, देवास	५६७६८२	-	५६७६८२
२)	कृनि०प्रशि०संस्था, बिजलपुर	४८०१११	-	४८०१११
३)	,, सगोन	३१९०३३	२१००	३२११३३
४)	,, अलिराजपुर	३५४१९२	८६००	३६२७९२
	योग	१७२१०२८	१०७००	१७३१७१८

अध्याय -- 7

छात्रवृत्ति

इंदौर शिक्षा संभागान्तर्गत संस्थाओं में अध्ययनरत छात्रों को निम्नानुसार छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई :-

क्र0	छात्रवृत्ति का प्रकार	छात्रवृत्ति प्राप्त करने वालों की संख्या	छात्रवृत्ति का आकार (रु0 में)
1-	प्रावीण्य छात्रवृत्ति		
	(अ) माध्यमिक	80	7600
	(ब) उच्चतर माध्यमिक	14	18500
2-	साधन सीमित प्रावीण्य छात्रवृत्ति	199	365000
3-	संस्कृत छात्रवृत्ति	81	8750
4-	मृत शासकीय कर्मचारियों के बालकों हेतु छात्रवृत्ति	63	52986
5-	डाकुओं द्वारा पीड़ित परिवारों के छात्रों हेतु छात्रवृत्ति	5	1150
6-	एक मुश्त अनुदान	8	800
7-	संगीत छात्रवृत्ति	3	750
8-	चित्रकला छात्रवृत्ति	5	1250
	योग	208	475776

(2) शिक्षण शुल्क से मुक्ति

शासकीय कर्मचारियों के पुत्रों को जो अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत हैं उन्हें शिक्षण शुल्क प्रतिपूर्ति हेतु 16068 रुपए का अनुदान दिया गया। विभाग में कक्षा 8 तक सभी छात्र-छात्राएं शिक्षण शुल्क से मुक्त रखी जाती है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयीन अध्ययनरत छात्रा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के बालक एवं बालिकाओं को निशुल्क शिक्षा देने का प्रावधान है। शासकीय कर्मचारियों के पुत्र तथा पुत्रियों को भी प्रथम उपाधि परीक्षा स्तर तक निशुल्क शिक्षा देने का प्रावधान किया गया है किंतु उक्त छात्रों के अनुत्तीर्ण होने पर कक्षा में यह सुविधा पुनः उत्तीर्ण होने तक नहीं दी जाती।

छात्रवृत्ति पर किए गए व्यय 476776 में से 230552 रुपए शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शालाओं पर किया गया है।

अध्याय - 8

अनुदान

संभाग में स्थित अशासकीय शिक्षण संस्थाओं हेतु पोषण, उन्नयन एवं विस्तार हेतु दिए गए शासकीय अनुदान की जानकारी निम्नानुसार है:-

क्र0	शाला का प्रकार	अनुदान का आकार
1	2	3
1-	उच्चतर माध्यमिक	3765287
2-	माध्यमिक	877587
3-	प्राथमिक	2183508
4-	प्रशिक्षण (बाल अध्यापन मंदिर)	31772
5-	विशेष संस्थाएं	45974
6-	चाचनालय	76414
7-	संगीत विद्यालय	25790
8-	संस्कृत विद्यालय	15159
9-	अन्य	344550
	योग	7366021

अध्ययनरत छात्रों की जानकारी

क्र०सं०	नाम संस्था	छात्र संख्या					[illegible]
		कुल	बालिका	अनु०जाति		अनु०जनजा[illegible]	
				कुल	बालिका	कुल	बालि[illegible]
१	२	३	४	५	६	७	८
१)	बुनि०प्रशिक्षण संस्था, बिजलपुर [इन्दौर]	११७	५४	८	२	३९	६
२)	,, सागोन	१३२	१५	१४	२	२९	७
३)	,, अलिराजपुर [झाबुआ]	१६७	१२	२५	१	५६	[illegible]
	योग	४१३	८१	४७	५	१२४	१५[illegible]

शिक्षा विभागीय प्रशिक्षण संस्थाओं में शिक्षक संख्या

क्र०सं०	नाम संस्था	शिक्षक संख्या		
		पुरुष	महिला	योग
१	२	३	४	५
१)	शिक्षा महा विद्यालय, देवास	१५	-	१५
२)	बुनि० प्रशिक्षण संस्था, बिजलपुर	१०	४	१४
३)	,, सागोन	६	-	६
४)	,, अलिराजपुर	५	-	५
	योग	३९	४	४३

व्यय

क्र०सं०	नाम संस्था	प्रत्यक्ष व्यय	अप्रत्यक्ष व्यय	योग
१)	शिक्षा महा विद्यालय, देवास	५६७६८२	-	५६७६[illegible]
२)	बुनि०प्रशि०संस्था, बिजलपुर	४८०१११	-	४८०१[illegible]
३)	,, सागोन	३१९०३३	२१००	३२११[illegible]
४)	,, अलिराजपुर	३५४१९२	८६००	३६२७[illegible]
	योग	१७२१०१८	१०७००	१७३१७[illegible]

अध्याय - 7

छात्रवृत्ति

इंदौर शिक्षा संभागान्तर्गत संस्थाओं में अध्ययनरत छात्रों को निम्नानुसार छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं :-

क्र०	छात्रवृत्ति का प्रकार	छात्रवृत्ति प्राप्त करने वालों की संख्या	छात्रवृत्ति का आकार (रु० में)
1-	प्रावीण्य छात्रवृत्ति		
	(अ) माध्यमिक	80	17600
	(ब) उच्चतर माध्यमिक	114	28500
2-	साधन सीमित प्रावीण्य छात्रवृत्ति	1499	365000
3-	संस्कृत छात्रवृत्ति	81	8750
4-	मृत शासकीय कर्मचारियों के बालकों हेतु छात्रवृत्ति	263	52986
5-	डाकुओं द्वारा पीड़ित परिवार के छात्रों हेतु छात्रवृत्ति	5	1150
6-	एक मुश्त अनुदान	8	800
7-	संगीत छात्रवृत्ति	3	750
8-	चित्रकला छात्रवृत्ति	5	1250
	योग	2058	476776

भाग - 3

अध्याय 1- शारीरिक शिक्षा

अध्याय 2- राज्य स्तरीय आयोजन / गतिविधियां

§ 1 § शिक्षा दिवस

§ 2§§ राज्यस्तरीय तैराकी प्रतियोगिता

§ 3 § बाल दिवस

अध्याय 3- विविध

§ 1 § औपचारिकेत्तर शिक्षा

§ 2 § पढ़ो लगाओ योजना

अध्याय 4- पुस्तकालय

अध्याय 5- बीस सूत्री आर्थिक कार्यक्रम में योगदान

अध्याय - 1

शारीरिक शिक्षा

बालक के शारीरिक विकास के साथ साथ उसके व्यक्तित्व तथा चरित्र निर्माण में शारीरिक शिक्षा सहायक होकर उसमें एकता, सहकार, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं खिलाड़ी भावना का विकास करती है । व्यस्त जीवन में स्वस्थ मनोरंजन हेतु इससे बढ़कर कोई अन्य साधन नहीं है । इस हेतु शालाओं के पाठ्यक्रम का शारीरिक शिक्षा एक महत्वपूर्ण अंग है ।

अपनी परंपराओं और विशेषताओं के अनुसार ही इंदौर शिक्षा संभाग ने इस क्षेत्र में भी उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं जिनका विवरण निम्नतालिकाओं से स्पष्ट हो सकेगा :-

राज्यस्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता प्रथम सोपान

राज्यस्तरीय स्पर्धा दिनांक 15 से 18 नवंबर 1980 तक ग्वालियर में आयोजित की गई उसमें इस संभाग के 88 बालक खिलाड़ियों ने भाग लेकर वालीबाल, कबड्डी, खो-खो तथा कुश्ती बालक वर्ग प्रतियोगिताओं में विजेता का स्थान प्राप्त किया । छात्राओं द्वारा भी खो-खो प्रतियोगिता में विजेता का स्थान प्राप्त किया । इसके अतिरिक्त यहाँ खिलाड़ियों ने टेबलटेनिस के दोनों विभागों में उपविजेता का स्थान प्राप्त कर 22 वर्षों से चली आ रही स्पर्धा में इस संभाग को पदक दिला कर जनरल चैम्पियनशिप पाने का गौरव प्रदान किया । राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग लेने हेतु इस संभाग के 27 खिलाड़ी चुने गए । जिसका आयोजन हैद्राबाद (आंध्र प्रदेश) में किया गया था । "खो-खो" स्पर्धा में इंदौर के सर्वाधिक खिलाड़ी थे जिसके प्रयास से राज्य को उपविजेता का स्थान मिला ।

द्वितीय सोपान

10, 11 तथा 12 दिसंबर 1980 को संभागीय आयोजन देवास मुख्यालय पर किया गया था । जिसके अंतर्गत इंदौर नगर को जनरल चैंपियनशिप प्राप्त हुई । राज्यस्तरीय स्पर्धा का आयोजन उज्जैन में 15 से 19 दिसंबर 1980 तक किया गया था उसमें संभाग के 115 खिलाड़ियों ने हाकी, वालीबाल, बैडमिंटन, कुश्ती, एथेलेटिक्स तथा जिमनास्टिक आदि खेलों में भाग लेकर कुश्ती में विजेता तथा एथेलेटिक्स के पुरुष तथा महिला विभाग में उपविजेता का स्थान प्राप्त कर तीन पदक प्राप्त किए ।

क्रिकेट

इंदौर का नाम क्रिकेट के इतिहास में आदर के साथ लिया जाता है । शालेय स्तर पर इस खेल के विकास की दिशा में समुचित ध्यान दिया जा रहा है ताकि स्थापित परंपरा को बनाए रखा जाए । 25 से 31 जनवरी 80 तक इंदौर में राज्यस्तरीय क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन किया गया था जिसमें राज्य के सभी संभागों ने भाग लिया था । इंदौर संभाग ने राज्यस्तरीय स्पर्धा जीत कर चैंपियनशिप प्राप्त की । तत्पश्चात् जम्मू में आयोजित राष्ट्रीय स्पर्धा में इस संभाग के 6 खिलाड़ियों ने मध्य प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व किया ।

सत्र 1980-81 में संभागीय खेलकूद कार्यक्रम हेतु आवंटित धनराशि की जानकारी

क्र0	कार्यक्रम का विवरण	आवंटित राशि (रुपयों में)
1	2	3
1-	जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं भाग 1 तथा 2	1000
2-	संभागीय प्रतियोगिताएं भाग 1 तथा 2	4000
3-	संभागीय दल की राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु	5500
4-	क्रिकेट खेल के प्रोत्साहन हेतु	1200
5-	जिला एवं संभाग स्तर पर बालिका कबड्डी हेतु	1200
6-	" हाकी हेतु	1200
7-	जिला एवं संभाग स्तर पर कुश्ती हेतु	1200
8-	तैराकी प्रतियोगिता हेतु	1200
	योग	16500

संभाग में कार्यरत व्यायाम निर्देशकों की जानकारी

क्र0	जिले का नाम	कार्यरत व्यायाम निर्देशकों की संख्या	कार्यरत एन0डी0एस0 निर्देशकों की संख्या
1	2	3	4
1-	इंदौर	28	84
2-	देवास	11	9
3-	धार	6	8
4-	झाबुआ	1	-
5-	खरगोन	8	18
	योग	54	119

(2) राष्ट्रीय शारीरिक दक्षता अभियान

इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों एवं छात्रों में शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा उत्साहपूर्वक उसे स्वस्थ बनाए रखने की प्रवृत्ति उत्पन्न कर शारीरिक कल्याण के प्रति उनमें अभिरुचि जागृत करना है। बालक, युवा वृद्ध, महिला या पुरुष सभी को अपनी शारीरिक कुशलता परखने तथा उसमें सुधार लाने का अवसर यह अभियान प्रदान करता है। अभियान के संचालन हेतु जिला स्तर पर एक समिति का गठन किया गया है।

शारीरिक दक्षता अभियान के अंतर्गत माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक तथा अन्य संस्थाओं के छात्र छात्राओं के साथ अन्य उत्सुक प्रतियोगियों का परीक्षण किया जाता है तथा योग्यतानुसार उन्हें एक तारा दो तारा या तीन तारा पदक तथा प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया जाताहै । इस सत्र में पदक प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों की जानकारी निम्नानुसार है

क्र0	जिले का नाम	पदक प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों की					
		1 तारा		2 तारा		3 तारा	
		बालक	बालि0	बालक	बालि0	बालक	बालि
1	2	3	4	5	6	7	8
1-	इंदौर	2189	593	958	55	44	6
2-	देवास	1793	595	452	140	188	23
3-	धार	1754	138	713	322	101	70
4-	झाबुआ	1053	486	592	140	152	55
5-	खरगोन	4307	1385	1268	766	774	222
	योग	11096	3197	3983	1423	1259	376

अध्याय - 2

राज्यस्तरीय गतिविधियाँ

1 शिक्षक दिवस

"शिक्षक ऐसे शिल्पी हैं जो समय और समाज की आवश्यकता के अनुसार नई पीढ़ी को गढ़कर तैयार करते हैं । वे नई पीढ़ी को हमारी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति में समन्वय स्थापित करने व मार्गदर्शन कर उसके संतुलित विकास में सहायक बनते हैं जिससे कि वह प्रगति के नये आयामों की ओर विश्वास के साथ अग्रसर हों और राष्ट्र समुन्नत तथा सार्थक बनाने में सहभागी हों ।"

शिक्षक दिवस १९८७ के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय अर्जुनसिंहजी के उपरोक्त संदेश के अनुसार संभाग के सभी जिलों की शैक्षणिक एवं समाजसेवी संस्थाओं ने ५ सितम्बर को शिक्षक दिवस का आयोजन कर शिक्षक की महानता की प्रतिमूर्ति माननीय डा० सर्वपल्ली राधाकृष्णनजी का स्मरण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये । इसके अतिरिक्त जिले के प्रतिष्ठित, सेवानिवृत्त तथा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों का छात्रों एवं नागरिकों द्वारा सम्मान किया तथा अपनी कृतज्ञता के रूप में शिक्षक कल्याण कोष हेतु निधि एकत्रित की ।

२ - राज्यस्तरीय तैराकी प्रतियोगिता

राज्यस्तरीय शालेय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन राज्य की राजधानी भोपाल में १५ तथा १६ अक्टूबर १९८७ को किया गया । इस प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न संभागों के १३८ छात्र छात्राओं ने भाग लिया जिनमें इन्दौर संभाग के २० खिलाड़ी थे । इन २० खिलाड़ियों में से इस संभाग के ८ खिलाड़ी राज्य की टीम में चुने गये । श्री० सतीश [illegible] तथा श्री० विवेक [illegible] (शासकीय बाल विनय मंदिर उ०मा०वि०, इन्दौर के छात्र) ने अपने अपने विभाग में स्वर्ण पदक तथा श्री० [illegible] ने कांस्य पदक प्राप्त कर इस संभाग को गौरवान्वित किया ।

३ बाल दिवस

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी १४ नवम्बर को देश के प्रथम प्रधान मंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस को बाल दिवस के रूप में संभाग की सभी शैक्षणिक संस्थाओं में मनाया गया । विभिन्न परीक्षाओं में तथा खेलकूद प्रतियोगिताओं में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाले बालक - बालिकाओं का सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया

4 बालचर

स्वतंत्रता से पूर्व इस संभाग का काफी बड़ा हिस्सा होल्कर स्काउट एसोसिएशन से संबद्ध था तो शेष भाग देवास स्टेट स्काउटिंग के साथ जुड़ा हुआ था । स्वतंत्रता के बाद मध्य भारत का निर्माण हुआ और इंदौर को एक रीजनल कार्यालय के रूप में जोड़ा गया । उस समय तक श्री तात्या बारपुते, श्री रामचंद्र मण्डलोई जैसे उच्च कोटि के ऑर्गनाइजिंग कमिश्नर्स इसके साथ जुड़े रहे । इसके बाद की श्रृंखला में श्री जे0 पी0 श्रीवास्तव, श्री सुशील वाजपेयी, श्री भिड़लाई कु0 शीला जैसे कर्मठ कार्य कर्ताओं ने इस क्षेत्र को संभाल कर इसको मध्यभारत में हर समय अग्रणीय रखने का सतत प्रयत्न किया इसके फलस्वरूप यह संभाग विशेष योग्यताओं एवं उपलब्धियों का क्षेत्र माना जाता रहा है । मध्य प्रदेश बनने पर इस प्रांत की स्काउटिंग में अनेक उतार एवं चढ़ाव आया जिसका परिणाम सभी क्षेत्रों में पड़ा लेकिन एक निशा के बाद फिर प्रभात ने जन्म लिया व श्री एस0 सल्या जैसे संचालक लोक शिक्षण हमारे लिए दिशा निर्देशक बने जिनके निर्देशन में यह आंदोलन गौरवशाली प्रतिभाओं के अनुरूप प्रगति की ओर अग्रसर है ।

इस वर्ष संभाग में कुल 3150 कब, 1175 बुलबुल, 6339 स्काउट 2409 गाइड्स, 150 रोवर, 75 रेंजर तथा 331 स्काउटर्स व 92 गाइडर्स हैं इस प्रकार इंदौर की कुल गणना 18632 है । इस वर्ष गणना की दृष्टि इंदौर जिले में विशेष प्रयास किया है । तुलनात्मक गणना के आंकड़े निम्न है :-

नाम जिला	स्काउट	गाइड्स	कब	बुलबुल	रोवर	रेंजर	स्काउटर	गाइडर
इंदौर	4257	1650	2550	1025	125	75	107	36
देवास	1914	165	25	-	25	25	107	21
धार	957	165	100	-	-	-	59	10
खरगोन	2178	363	475	150	-	-	79	9
झाबुआ	33	66	-	-	-	-	31	16

इस वर्ष संपूर्ण संभाग में 56 राष्ट्रपति स्काउट व 4 राष्ट्रपति गाइड ने महामहिम राष्ट्रपति महोदय से राष्ट्रपति स्काउट गाइड प्रमाण पत्र प्राप्त किए ।

जिला स्काउट गाइड प्रतियोगिता रोवरी एवं प्रादेशिक रैली भोपाल इस वर्ष की विशेष उपलब्धि रही ।

राष्ट्रपति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर पचमढ़ी का आयोजन प्रादेशिक मुख्यालय द्वारा 4 से 9 मई 80 तक राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी में किया गया । इसमें 63 स्काउट व 6 गाइड सम्मिलित हो कर प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

राष्ट्रपति रोवर एवार्ड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन प्रादेशिक कार्यालय द्वारा दिनांक 10 से 18 मई 80 तक राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी में किया गया इसमें 6 रोवर्स ने सम्मिलित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

हिमालय वुड बेज भाग एक कोर्स का आयोजन प्रादेशिक मुख्यालय द्वारा दिनांक 16 जून से 25 जून 80 तक राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी में किया गया । इस में 15 स्काउटर्स ने भाग लिया जिसका संचालन श्री जी० रंगाराव राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयुक्त ने किया । अब तक इस में से 10 स्काउट ने अपने दोनों अध्याय पूर्ण कर चुके हैं इससे इस संभाग में अब हिमालय वुडबेज स्काउट्स गाईड्स मेंकाफी वृद्धि हो सकेगी ।

जिला स्काउटर गाइडर सम्मेलन शिविर का आयोजन प्रादेशिक मुख्यालय द्वारा छतरपुर में आयोजित किया गया इस में इस संभाग के 5 जिला स्काउटर 5 जिला गाइडर ने सम्मिलित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

स्काउट मास्टर प्रारंभिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन संभागीय मुख्यालय द्वारा सागपुर में दि० 27-7-80 से 7-8-80 तक आयोजित कियागया । जिसमें 20 अध्यापकों ने भाग लिया ।

गाइड कैप्टन पलाक लीडर प्रशिक्षण का आयोजन संभागीय मुख्यालय द्वारा सागपुर में दि० 8-8-80 से 17-8-80 तक किया गया । इस में 11 अध्यापकों ने भाग लिया ।

कब मास्टर प्रारंभिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन संभागीय मुख्यालय द्वारा सागपुर में दि० 18से 24 अगस्त 80 तक किया गया जिसमें 22 अध्यापिकाओं ने भाग लिया ।

स्काउट मास्टर पूर्व हिमालय वुडबेज प्रशिक्षण शिविर का आयोजन संभागीय मुख्यालय द्वारा प्रथम बार सागपुर में दि० 20-8-80 से 6-9-80 तक किया गया । इस में 44 अध्यापकों ने भाग लिया ।

स्काउट आंदोलन को गतिशील बनाने के लिए यह संभाग निरंतर सहयोग प्रदान कर रहा है ।

अध्याय ६

शिक्षा

१ - औपचारिकेतर शिक्षा

शिक्षा के लोकव्यापीकरण की दिशा में औपचारिकेतर शिक्षा का प्रयोग इस संभाग में बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ है । भारत के संविधान के अनुच्छेद ४५ में देश के सभी ६ से १४ वर्ष तक की आयु के बालक बालिकाओं के लिये अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा देने का उल्लेख है । इसकी पूर्ति हेतु इस संभाग में भी राज्य के अनुरूप प्रयास किये गये किन्तु प्रयासों के उपरान्त भी निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने में हमारी प्रगति धीमी रही । इसके अनेकों कारण हैं, संभाग में आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र का अधिक होना, गरीबी एवं सामाजिक एवं आर्थिक कारणों से शाला जाने योग्य आयु समूह के बालक बालिकाएं या तो शाला की ओर आकर्षित न हो सकीं या बीच में ही शाला त्याग कर अन्य कार्यों में लग गईं । ऐसे शाला अप्रवेशी तथा शाला त्यागी बालक बालिकाओं को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने की यह औपचारिकेतर योजना है जिसमें बालक बालिकाओं की सुविधा को ध्यान में रखकर शिक्षा देने की व्यवस्था की गई है ।

औपचारिकेतर शिक्षा केन्द्रों की जानकारी

क्र०सं०	जिले का नाम	औपचारिकेतर शिक्षा केन्द्रों की संख्या वर्षवार				
		७७-७८	७८-७९	७९-८०	८०-८१	कुल
१)	इन्दौर	-	-	४५	१७	६२
२)	देवास	-	१०	४३	१७	७०
३)	धार	१२	-	३०	२०	६२
४)	झाबुआ	१८	-	३१	२०	६९
५)	खरगोन	२१	-	३०	२०	७१
	योग	५१	१०	१७९	९४	३३४

बुनियादी प्रशिक्षण संस्था, पिपलपुर के सौजन्य से सभी जिलों में औपचारिकेतर शिक्षा केन्द्रों में कार्यरत शिक्षकों का उन्मुखीकरण किया जा चुका है । इन केन्द्रों पर शिक्षा प्राप्त करने वाले बालक बालिकाओं को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों की व्यवस्था की गई है ।

२ - पढ़ो कमाओ योजना

शिक्षा में नवाचार के अन्तर्गत राज्य शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में कतिपय शैक्षिक योजनाओं का निर्माण, परीक्षण एवं क्रियान्वय किया जा रहा है। पढ़ो कमाओ योजना राज्य शासन ने मई १९७९ को क्रियान्वयन हेतु हाथ में ली। इसके अन्तर्गत बालक अध्ययन के साथ साथ उपयोगमूलक शिक्षा प्राप्त कर स्वावलम्बी बनने की दिशा में अध्ययन के समय टाटपट्टी, चाक आदि उपयोगी वस्तुओं का निर्माण कर अर्थोपार्जन करते हैं।

बुनियादी प्रशिक्षण संस्था, बिजलपुर के तत्वावधान में जून १९७९ में उद्योग शिक्षकों हेतु - प्रशिक्षण सह उत्पादन - कार्यगोष्ठी आयोजित की गई तथा उन्हें टाटपट्टी तथा चाक बनाने का क्रियात्मक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के समय ४३ टाटपट्टियों तथा २०० चाक के डिब्बों का निर्माण किया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने भी क्रमशः ७७ टाटपट्टियाँ तथा १५० डिब्बे चाक का निर्माण किया। पढ़ो कमाओ योजना के अन्तर्गत निर्माण किये गये कार्य का जिलेवार विवरण निम्नानुसार है -

पढ़ो कमाओ योजना के अन्तर्गत निर्मित कार्य का विवरण

क्र०सं०	जिले का नाम	निर्मित वस्तुओं की संख्या	
		टाटपट्टी	चाक के डिब्बे
१	२	३	४
१)	इन्दौर	८५३	३५०
२)	देवास	२१	२३
३)	धार	२५	१००
४)	झाबुआ	१८	९
५)	खरगोन	८५२	६०६
	योग	१७६९	१०८८

वर्ष १९७९-८० में "शिक्षा में नवाचार" के अन्तर्गत इस संभाग में निम्नानुसार कार्य सम्पादित किये गये -

3 शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार

१) ग्राम भारती, बालिका भारती पुस्तकों का लेखन व क्षेत्र परीक्षण -

संचालक सम्मेलन में लिये गये निर्णयों को क्रियान्वित करने की दिशा में ग्रामीण क्षेत्र के बालक बालिकाओं के लिये उनके स्थानीय पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत अनुभवी शिक्षकों से कक्षा १ से ५ तक के बालकों के लिये सभी विषयों की पुस्तकों का लेखन कार्य राज्य की बुनियादी प्रशिक्षण संस्थाओं व शिक्षा महाविद्यालयों के तत्वाधान में प्रारम्भ किया गया ।

कक्षा ३, ४ तथा ५ के बालक बालिकाओं के लिये सामाजिक अध्ययन (भूगोल) व सहायक वाचन की पुस्तकों की पांडुलिपियां बुनियादी प्रशिक्षण संस्था, बिलासपुर द्वारा तैयार करवाई गई । इन पुस्तकों का क्षेत्र परीक्षण भी करवाया गया ।

२) माँ भारती सर्वेक्षण एवं पाठ्यक्रम निर्माण -

औपचारिकेतर शिक्षा के अन्तर्गत " माँ अपने बच्चों को क्या सिखाना चाहती है " इस आधार पर इन्दौर व देवास जिलों के ग्रामों का सर्वेक्षण करवाया गया । सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी का विश्लेषण बुनियादी प्रशिक्षण संस्था, बिलासपुर में हुआ एवं प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर माँ भारती का पाठ्यक्रम तैयार करवाया गया ।

३) पोषण आहार, स्वास्थ्य व परिवेशीय स्वच्छता -

राज्य विज्ञान संस्था, जबलपुर के द्वारा इस संस्था में प्राथमिक कक्षा १ व २ के लिये पोषण आहार, स्वास्थ्य व परिवेशीय स्वच्छता नामक नया विषय प्रारंभ करने हेतु विज्ञान विषय के व्याख्याताओं को पाठ्यक्रम से अवगत कराने हेतु प्रशिक्षण का आयोजन हुआ ।

४) यूनिसेफ सहायता प्राप्त प्रायोजना क्र० २ (प्राथमिक पाठ्चर्या नवीकरण)

प्रदेश की १३ बुनियादी प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रारम्भ की गई इस योजना के अन्तर्गत बुनियादी प्रशिक्षण संस्था, बिलासपुर द्वारा चुनी गई १० प्रायोजना शालाओं के अध्यापकों को योजना में प्रशिक्षित किया गया ।

५) सूक्ष्मशिक्षण (माइक्रोटीचिंग)

राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् के निर्देश पर इन्दौर वि श्व विद्यालय के शिक्षा विभाग के सहयोग से प्राथमिक कक्षाओं को पढ़ाने वाले शिक्षकों को सूक्ष्म शिक्षण और कौशल सम्पादन का प्रशिक्षण दिया गया ।

६) रेडियो से प्रसारित होने वाले पाठों के विषयांश व संदर्शिकाओं का निर्माण

लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश के शैक्षिक प्रौद्योगिकी विभाग के निर्देश पर बुनियादी प्रशिक्षण संस्थाओं के प्रशिक्षणार्थियों के लिये आकाशवाणी से प्रसारित होने वाले रेडियो पाठों के विषयांश व उनकी संदर्शिकाओं के लेखन का कार्य इन्दौर व उज्जैन संभाग की बुनियादी प्रशिक्षण संस्थाओं के व्याख्याता शिक्षकों ने सम्पन्न किया ।

अध्याय ८

पुस्तकालय

शिक्षा विभाग के अन्तर्गत इस संभाग में शैक्षिक एवं सार्वजनिक दोनों प्रकार के पुस्तकालय संचालित हैं । शिक्षा महा विद्यालय, बुनियादी प्रशिक्षण संस्थाओं तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अतिरिक्त कतिपय माध्यमिक तथा प्राथमिक शालाओं में भी पुस्तकालय सेवा उपलब्ध है । इसके अतिरिक्त संभाग मुख्यालय पर सन् १९५१ से एक क्षेत्रीय पुस्तकालय " श्री अहिल्या केन्द्रीय पुस्तकालय, इन्दौर " के नाम से एक राजपत्रित अधिकारी के आधीन १४ कर्मचारियों की सहायता से नगर के बुद्धिजीवी जनसमुदाय की सेवा कर रहा है जिसमें हिन्दी के अतिरिक्त अंग्रेजी, मराठी, उर्दू तथा अन्य भाषाओं की २२८०० पुस्तकें, विभिन्न भाषाओं के २२ समाचार पत्र तथा ५३ सामयिक पत्रिकाएं पढ़ने हेतु उपलब्ध हैं । बाल पुस्तकालय एवं कौतुकालय की सेवा यहां प्रारंभ करने की योजना भी विचाराधीन है ।

संभाग के अन्य जिला मुख्यालयों पर भी जिला पुस्तकालय शिक्षा विभाग द्वारा प्रारंभ किये जा चुके हैं ताकि सार्वजनिक जनता को इनका लाभ मिल सके ।

सन् १९७८–८० में देवास, धार तथा झाबुआ तथा सन १९८०–८२ में खरगोन जिले में निम्नानुसार व्यय कर जिला पुस्तकालय आरंभ किये गये।

जिला पुस्तकालयों के व्यय का विवरण

क्र०सं०	जिले का नाम	आवंटित राशि (रुपयों में) कर्मचारियों हेतु	पुस्तकें एवं पत्रिकाओं हेतु	योग
१	२	३	४	५
१)	इन्दौर (केन्द्रिय पुस्तकालय)	२९००	३१५००	३४४००
२)	देवास	६०१०	१०८००	१६८१०
३)	धार	६०१०	१४११५	२०१२५
४)	झाबुआ	६०१०	१८९५५	२४९६५
५)	खरगोन	५७६०	[illegible]	१२७६०
	योग	२५६९०	८६१००	११२७९०

पुस्तकालयों में उपलब्ध पत्र, पत्रिकाएं एवं पुस्तकों की जानकारी

क्र०सं०	जिले का नाम	उपलब्ध सुविधा: समाचार पत्रों की संख्या — दैनिक	साप्ताहिक	पुस्तकों की संख्या — हिन्दी-भाषी	अंग्रेजी-भाषी	अन्य	कुल
१	२	३	४	५	६	७	८
१)	इन्दौर	५६	३०६	६५३०१	८९९६४	९९७६७	१७२०३
२)	देवास	३३	६४	१५०४२	३५३००	९७८६	६०८२
३)	धार	१४	४३	८६२७	१४८५६	४०४०	२७११
४)	झाबुआ	१	२	१२४५	३२००	२०९	४६५
५)	खरगोन	३१	७८	१२२६५	२२४६८	९०८८	४३८
	योग	१३५	५२३	१०३५७३	१६९२८८	४२९९०	१५३६१

अध्याय - 5

20 सूत्री आर्थिक कार्यक्रम

1- आवश्यक चीजों की कीमतों को कम करने के लिए प्रयत्न जारी रखना, उत्पादन में वृद्धि, अनाज की वसूली और वितरण व्यवस्था में सुधार, सरकारी विभागों में फिजूलखर्ची समाप्त करना,।

2- खेती योग्य भूमि की सीमा निर्धारित करने वाले कानूनों को अमल में लाना, सीमा से अधिक भूमि को भूमिहीन मजदूरों में बाँटना और जमीन संबंधी कागज पत्तर दुरुस्त करना ।

3- भूमिहीनों और गरीब जनता को मकान बनाने के लिए जमीन देना ।

4- बँधुआ मजदूर प्रथा की समाप्ति तथा बेगार को अवैध घोषित करना ।

5- ग्रामीण जनता का ऋण माफ करना, जरूरी कानूनों के जरिये भूमिहीन किसानों छोटे किसानों और कारीगरों से ऋण की वसूली पर प्रतिबंध लगाना । शब्दों में, महाजन इन वर्गों से ऋण वसूल नहीं कर सकेंगे ।

6- खेती मजदूरी कर जीवन यापन करनेवाले व्यक्तियों को न्यूनतम वेतन प्रदान करने की व्यवस्था करना और इससे संबंधित कानून पर सख्ती से अमल करना

7- पचास लाख हेक्टर अतिरिक्त भूमि पर सिंचाई का प्रबंध करना और भूमिगत जल को उपयोग में लाना ।

8- विद्युत उत्पादन में वृद्धि करना ।

9- हाथ करघा उद्योग के विकास के लिए नई योजना बनाना जिससे बुनकरों को धागा प्राप्त करने में सहूलियत हो । मोटे कपड़े की किस्म में सुधार करना और उसके वितरण की ठीक ठीक व्यवस्था करना ।

10- जनता कपड़े की किस्म और आपूर्ति में सुधार करना ।

11- शहरी भूमि तथा शहरी काम में आने योग्य भूमि का समाजीकरण करना । खाली जमीन तथा नये मकानों के किराये की सीमा निर्धारित करना ।

12- जो लोग शहरी संपत्ति की औसत कम दिखाते हैं तथा करों की चोरी करते हैं, उनकी जाँच के लिए विशेष दस्तों की नियुक्ति करना। आर्थिक अपराधियों पर संक्षिप्त मुकदमें § समरी ट्रायल § चलाना और उन्हें कड़ी सजाएं दिलाना।

13- तस्करों की संपत्ति जब्त करने के लिए कानून बनाना।

14- पूंजी नियोजन की व्यवस्था को आसान बनाना जो लोग आयात लायसेंस का दुरुपयोग करें उन्हें दंड देना।

15- श्रमिकों को उद्योग के प्रबंध में भागीदारी प्रदान करने के लिए नई योजना और कानून बनाना।

16- सड़क परिवहन के लिए राष्ट्रीय परमिट व्यवस्था चालू करना।

17- मध्यवर्ग को आयकर में छूट देना। अभी तक यह छूट 6 हजार रुपए आमदनी वालों को प्राप्त थी। अब वह 8 हजार रुपए वार्षिक आय वालों को भी प्राप्त रहेगी।

18- छात्रों को छात्रावासों में सभी जरूरी चीजें निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था कराना।

19- छात्रों को पाठ्यपुस्तकें तथा नोटबुक नियंत्रित मूल्य पर प्राप्त कराना।

20- लोगों को विशेष कर कमजोर वर्गों को रोजगार तथा प्रशिक्षण देने के लिए अप्रेंटिसशिप की नई योजना बनाना।

सामाजिक कार्यक्रम

पाँच सूत्र

1- परिवार नियोजन
2- साक्षरता कार्यक्रम
3- पेड़ लगाना
4- दहेज विरोधी अभियान
5- जाति प्रथा उन्मूलन।

माननीया प्रधान मंत्री द्वारा घोषित आर्थिक कार्यक्रमों के अनुसार छात्रावासों में रहने वाले छात्रों को आवश्यक वस्तुएं नियंत्रित मूल्य पर उपलब्ध कराई गईं तथा संभाग में अध्ययन कर रहे सभी छात्र छात्राओं को आवश्यकतानुसार उनकी शालाओं के माध्यम से उचित मूल्य पर अभ्यास पुस्तिकाएं भी उपलब्ध कराई गईं। जिलेवार विवरण निम्नानुसार है :-

क्र० जिले का नाम	वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई अभ्यास पुस्तिकाओं की संख्या
1- इंदौर	1172080
2- देवास	331400
3- धार	365400
4- झाबुआ	243000
5- खरगोन	571000
योग	2674680

इसके अतिरिक्त कक्षा 3 से 8 तक पढ़ने वाले अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के छात्रों को बुक बैंक योजना के माध्यम से निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध कराई गईं।

क्र०	जिले का नाम	बुक बैंक योजना से लाभान्वित छात्रों की संख्या		
		अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	योग
1	2	3	4	5
1-	इंदौर	20991	1626	22617
2-	देवास	6088	1752	7840
3-	धार	4280	15291	19571
4-	झाबुआ	1319	17452	18771
5-	खरगोन	9907	19889	29796
	योग	42585	56010	98595

सामाजिक कार्यक्रमों के अंतर्गत वातावरण के प्रसार हेतु शिक्षा की समग्र प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम क्रियाशील है। संभाग में वर्तमान 205 प्रौढ़ शिक्षा केंद्र चल रहे हैं। जिनके माध्यम से 5678 प्रौढ़ों को साक्षर किया गया है।

पर्यावरण प्रदूषण को रोकने हेतु शैक्षणिक संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे शाला परिसर में अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनकी देखभाल करें तथा छात्रों को प्रोत्साहित करें कि वे ऐसे लगाए गए वृक्षों की रक्षा करें।

परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षकों के माध्यम से समाज को प्रेरित किया जा रहा है।

१) संभागीय प्रशासन

इन्दौर, देवास, धार, झाबुआ तथा खरगोन जिलों में आदिवासी बाहुल्य के क्षेत्र को छोड़कर शेष भाग की शालेय स्तर की संस्थाओं के अतिरिक्त बुनियादी प्रशिक्षण संस्थाओं तथा केन्द्रीय अहिल्या पुस्तकालय के विकास, निरीक्षण एवं प्रबन्ध संचालन को संभागीय प्रशासन नियंत्रित करता है । इसके अतिरिक्त अशासकीय शिक्षण संस्थाओं के पोषण, उन्नयन एवं विस्तार हेतु अनुदान दिये जाने के अतिरिक्त उनके नियंत्रण, निरीक्षण एवं मार्गदर्शन का उत्तरदायित्व भी है । संभागीय शिक्षा अधीक्षक को इस हेतु २ उप संभागीय शिक्षा अधीक्षक, १ सहायक संभागीय शिक्षा अधीक्षक, योजना अधिकारी तथा संभागीय क्रीड़ा अधिकारी की सेवाएं उपलब्ध है ।

२) जिला प्रशासन

माध्यमिक शालाओं तक जिले की समस्त शिक्षा संस्थाओं के प्रशासन, निरीक्षण तथा शिक्षा के प्रसार का पूर्ण भार जिला शिक्षा अधिकारी पर है जिसका निर्वाह वे अपने जिले में पदस्थ लेखा अधिकारी, सहायक जिला शाला निरीक्षक, योजना सहायक तथा लेखा परीक्षक के सहयोग से पूर्ण करते हैं ।

३) शाला प्रशासन

संभाग की सभी उच्चतर माध्यमिक शालाएं प्राचार्य के तथा माध्यमिक तथा प्राथमिक शालाएं प्रधानाध्यापकों के आधिनस्थ संचालित है ।

अध्याय - २

शिक्षा विभाग के आधिनस्थ कार्यरत सभी कर्मचारियों तथा उनमें अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व निम्न तालिका में दिया जा रहा है -

क्रमांक	सेवा-श्रेणी	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या		
		कुल	अनु०जाति के	अनु०जनजाति के
१)	प्रथम श्रेणी	२	-	-
२)	द्वितीय श्रेणी	१०३	-	-
३)	तृतीय श्रेणी	९०८७१	८९६	३०८
४)	चतुर्थ श्रेणी	८२४	४६	०४
५)	कार्यालयीन श्रेणी	४३	४२	-
	योग	९,२०३६	९६८	३१२

संभागीय प्रशासनिक संगठन

संभागीय शिक्षा अधीक्षक संभाग इन्दौर